हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हनुमान जयंती पर प्रदेश भर में धार्मिक अनुष्ठान, शोभायात्राएं और भंडारे

शिवपुरी की सिंधिया छत्री में छोटी 9 तोपों की सलामी, धमाका होते ही बिखर गए 'पुष्प'

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश में शनिवार को हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। हनुमान मंदिरों में सुंदर सजावट रही। भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया है। अखंड रामायण पाठ और भंडारे का आयोजन भी किया गया।

शिवपुरी में सिंधिया राजवंश की छत्री प्रांगण में हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया। यहां हनुमान जी को 9 तोपों की सलामी दी गई। ये तोप एक खास मेटेरियल से बनाई जाती हैं। इन तोपों में बारूद के साथ फूल भरे होते हैं। जैसे ही तोपों में धामाका होता है, पुष्प उससे बाहर निकलता है। एक लाइन में 9 तोपों को खड़ा कर सलामी देते हुए हनुमान जी को पुष्प अर्पित किया गया। छत्री ट्रस्ट के मैनेजर अशोक मोहिते ने बताया कि आरती के दौरान छोटी तोपों से सलामी देकर हनुमान जयंती का आगाज किया गया।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने हनुमान जयंती पर भोपाल एयरपोर्ट स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की और कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हुए। उधर, रतलाम शहर के नेहरू स्टेडियम पोलो ग्राउंड में 1 लाख 11 हजार 111 बार हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ हुआ। कैबिनेट मंत्री चेतन्य काश्यप भी हनुमान चालीसा पाठ में शामिल हुए। शहर के प्रमुख श्री मेहंदी कुई बालाजी मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया।

उज्जैन में एक क्विंटल नुक्ती का महाभोग

रतलाम में 1 लाख 11 हजार 111 बार हनुमान चालीसा का पाठ

मुख्यमंत्री ने इंदौर के पितृ पर्वत पर की पूजा-अर्चना

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हनुमान जयंती पर इंदौर के प्रसिद्ध पितृ पर्वत पर हनुमान जी की विशाल प्रतिमा के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस मौके पर नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायकद्धय रमेश मेंदोला तथा मधु वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

बाबा महाकाल को हनुमान के रूप में सजाया गया

शनिवार को हनुमान जयंती पर भगवान महाकाल का बजरंगबली के रूप में श्रृंगार किया गया। शनिवार तड़के 4 बजे महाकाल मंदिर के कपाट खुलते ही विशेष पूजन-अभिषेक की शुरुआत हुई। भगवान को वैष्णव तिलक लगाया गया फिर भांग, चंदन, सिंदूर के साथ हनुमान स्वरूप में श्रृंगारित किया गया। इस खास दिन पर 'हरि ओम' जल अर्पित कर, भक्ति से ओतप्रोत कपूर आरती की गई। इसके बाद भगवान को भस्म अर्पित की गई, जो महाकाल की पहचान है। उज्जैन के महाकाल मंदिर परिसर के श्री बाल विजय मस्त हनुमान मंदिर में भगवान को आरती के बाद 1 क्विंटल बेसन से बनी नुक्ती का महाभोग लगाया गया। श्रद्धालुओं के लिए भगवान को ड्रायफ्रूट्स, ताजे फल और मिठाइयों का भोग लगाया गया।

2011 से संचालित
शंकराचार्य
स्वामी स्वरूपानंद कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जुनवानी, भिलाई
B.Sc. NURSING & M.Sc. NURSING
प्रवेश के लिए संपर्क करें
मो.: 83193 47482
81030 45003
74411 61485
Website : ssscn.ac.in

करीब 15 हजार लोग मौजूद थे, तीन बुरी तरह जख्मी

बिना अनुमति के किया था आयोजन

चूरू में पं. प्रदीप मिश्रा की कथा के दौरान पंडाल गिरा, मची भगदड़

एजेंसी ⏭ चूरू

प्रदेश के चूरू जिले में शुक्रवार को कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा के दौरान तेज आंधी और धूलभरी हवाओं के कारण पंडाल गिर गया। हादसे के समय लगभग वहां करीब 15 हजार लोग मौजूद थे। घटना में एक महिला, एक पुरुष और एक बच्चा घायल हो गए। वहां मौजूद लगभग 15 हजार लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। घटना में एक महिला, एक पुरुष और एक बच्चा घायल हो गए। तीनों को तुरंत एंबुलेंस की सहायता से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

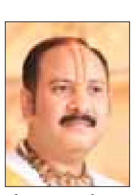

भगदड़ के दौरान कई महिला श्रद्धालुओं के साथ चेन स्नेचिंग की भी घटना हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही रतनगढ़ थानाधिकारी दिलीप सिंह शेखावत मय पुलिस जाप्ते के मौके पर पहुंचे और टेंट में फंसी महिला श्रद्धालुओं को बाहर निकलवाया। पंडित प्रदीप मिश्रा की तरफ से इस बारे में कोई बयान नहीं आया है।

⏩ कार्यक्रम रद्द, कानूनी कार्रवाई की तैयारी

हादसे के बाद प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए आयोजन स्थल को तुरंत खाली करवाया और कार्यक्रम को रद्द कर दिया। साथ ही आयोजकों के खिलाफ बिना अनुमति और सुरक्षा मानकों की अवहेलना करने पर कानूनी कार्रवाई की बात भी की जा रही है।

प्रशासन की अनुमति नहीं थी

यहां गौर करने लायक बात यह रही कि कार्यक्रम जिला प्रशासन की अनुमति के बिना आयोजित किया गया था। रतनगढ़ के पुलिस क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि आयोजन को लेकर जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक पहले ही स्थल का निरीक्षण कर आयोजकों को सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दे चुके थे, लेकिन आयोजकों ने इन निर्देशों को नजरअंदाज कर दिया। इसी लापरवाही का नतीजा यह हादसा बन गया।

कंट्रोल रूम स्थापित, नोडल अधिकारी की नियुक्ति

आज भोपाल आएंगे अमित शाह सहकारी सम्मेलन में होंगे शामिल

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार 13 अप्रैल को भोपाल आएंगे। शाह के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत भोपाल के रविंद्र भवन में राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन होगा।

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता

सम्मेलन में लोकसभा सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा विशेष अतिथि होंगे। प्रदेश के सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को सुव्यवस्थित आयोजन के लिए अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

उन्होंने बताया कि एक कंट्रोल-रूम भी स्थापित किया गया है, जिसके लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त की गई है। उन्होंने बैठक व्यवस्था, पास, निमंत्रण-पत्र, वाहन पार्किंग के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आईआईटी की कर रहा था तैयारी

इंदौर में 18 साल के छात्र की मौत, हार्ट अटैक की आशंका

इंदौर। 18 साल के स्टूडेंट की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह 11वीं क्लास में था और अपने भाई के साथ किराये के रूम में रहकर आईआईटी की तैयारी कर रहा था। शुक्रवार देर रात तक वह पढ़ाई कर रहा था। अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसका भाई और अन्य लोग उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। मगर स्टूडेंट की जान नहीं बच सकी। सूचना पर भंवरकुआं पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। पुलिस ने शनिवार को एमवाय में उसका पीएम करवाया। मामला भंवरकुआं थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक मृतक पीयूष (18) पिता कमलेश निवासी चितावद है। उसकी मौत के बाद मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। एडिशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंतोडिया ने बताया कि मृतक पीयूष इंदौर में चितावद क्षेत्र में रहता था और पढ़ाई करता था। शनिवार को उसका पीएम करवाया गया प्रारंभिक रूप से हार्ट अटैक से मौत होने की बात सामने आई है। मामले में पुलिस ने अपनी जांच भी शुरू कर दी है।

Ministry of Cooperation | सहकारिता मंत्रालय
Government of India | भारत सरकार

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड

International Year of Cooperatives 2025
Cooperatives Build a Better World

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

सहकार से समृद्धि

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन

एवं

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड तथा मध्यप्रदेश सरकार के मध्य

सहकार्यता अनुबंध निष्पादन कार्यक्रम

डेयरी किसानों से दूध की खरीदी सुनिश्चित कर उनकी आय में वृद्धि की अहम पहल

मुख्य अतिथि
अमित शाह
केन्द्रीय मंत्री, गृह एवं सहकारिता मंत्रालय

गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

13 अप्रैल, 2025 | दोपहर 1:00 बजे | रवीन्द्र भवन, भोपाल

हर ग्राम पंचायत में डेयरी सहकारी समिति एवं कलेक्शन सेंटर होंगे स्थापित

- दुग्ध उत्पादकों को उनके **द्वार पर ही दूध विक्रय** की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी
- 6 हजार दुग्ध समितियों को बढ़ाकर 9 हजार एवं दुग्ध संकलन 10 लाख से 20 लाख लीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य। **18 हजार गांव होंगे लाभान्वित**
- को-ऑपरेटिव-पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप (सीपीपीपी) के माध्यम से सहकारी समितियों को उपलब्ध कराये जायेंगे व्यवसाय के नए अवसर

साँची Sanchi

प्रदेश के साँची ब्रांड की पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में कदम...

- ₹ 2500 करोड़ के निवेश लक्ष्य से प्रत्येक जिले में **साँची डेयरी** के साथ **मिल्क कूलर, मिनी डेयरी** एवं **चिलिंग सेंटर** खोले जायेंगे
- साँची डेयरी संयंत्रों की क्षमता में वृद्धि करते हुए 18 लाख लीटर प्रतिदिन से बढ़ाकर 30 लाख लीटर किया जायेगा
- **आय में वृद्धि**, डेयरी किसानों की आय ₹ 1700 करोड़ से बढ़ाकर ₹ 3500 करोड़ करने का लक्ष्य

₹ 787 करोड़ के निवेश से दुग्ध प्रसंस्करण के लिए विकसित होगी बुनियादी अवसंरचना

- दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु नवीन योजना **"डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना"** की स्वीकृति। योजना में 25 दुधारू पशुओं की ₹ 42 लाख तक लागत की डेयरी इकाई लगाने के लिए ऋण सहायता
- स्वावलंबी गौशालाओं की स्थापना की नीति - 2025 अंतर्गत प्रदेशभर में **पीपीपी मोड पर स्वावलंबी गौशाला** का निर्माण किया जाएगा
- गौशाला में प्रति गाय दी जाने वाली **₹ 20 की राशि बढ़ाकर ₹ 40** की गयी है

D-11007/25

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh @jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025

जबलपुर
रविवार, 13 अप्रैल 2025
- चैत मास कृष्ण पक्ष-1
- वर्ष : 19, अंक : 337
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 36
न्यून. 23

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

अमेरिका में शनिवार शाम को ही दिख गया

आज आकाश में नजर आएगा पिंक मून का अद्भुत नजारा

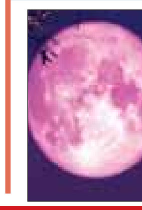

नई दिल्ली। एक विशेष खगोलीय घटना घटने वाली है। रविवार को चांद पिंक मून होने जा रहा है, हालांकि, इस चांद का नाम पिंक मून है लेकिन यह रंग में गुलाबी नजर नहीं आएगा बल्कि इसका नाम पिंक मून वसंत में खिलने वाले जंगली फूल फ्लॉक्स के नाम पर पड़ा है।

देश में ऐसा पहली बार...सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के पास लंबित 10 विधेयकों को पारित करने का आदेश दिया

सुप्रीम कोर्ट की अभूतपूर्व टिप्पणी

राष्ट्रपति को तीन महीने में विधेयकों पर फैसला करना चाहिए

तीन महीने की समयसीमा से ज्यादा की देरी होने पर उचित कारण देने होंगे और इस बारे में संबंधित राज्य को सूचित करना होगा

राज्यों को भी सहयोगात्मक होना चाहिए और विधेयक को लेकर उठाए जा रहे सवालों के उत्तर देकर सहयोग करना चाहिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने अपनी एक टिप्पणी में सलाह दी है कि राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर राज्यपालों द्वारा भेजे गए लंबित विधेयकों पर फैसला ले लेना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की याचिका पर दिए गए अपने फैसले में यह टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के पास लंबित 10 विधेयकों को पारित करने का आदेश दिया। ये विधेयक राज्यपाल ने राष्ट्रपति के पास विचारार्थ भेजने के चलते लंबित किए हुए थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को यह फैसला दिया था और फैसले की कॉपी बीती रात सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड हुई है। गौरतलब है कि संविधान का अनुच्छेद 200 राज्यपाल को शक्ति देता है कि वे उनके पास मंजूरी के लिए आने वाले विधेयक को लेकर असहमति जता सकते हैं या फिर इसे राष्ट्रपति के विचार करने के लिए भेज सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या टिप्पणी की

दूसरे राउंड में विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजना अवैध

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की अध्यक्षता वाली पीठ ने 8 अप्रैल को दिए अपने फैसले में कहा कि हम गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित समय-सीमा को अपनाए जाने को उचित समझते हैं और ये सलाह देते हैं कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा उनके विचारार्थ आरक्षित विधेयकों पर तीन महीने के भीतर फैसला लेना जरूरी है। पीठ ने अपने फैसले में राज्यपाल द्वारा विधेयक को दूसरे राउंड में भी राष्ट्रपति के पास विचारार्थ भेजने को अवैध बताया। पीठ ने फैसले में कहा कि अनुच्छेद 200 में विधेयक को मंजूरी देने की कोई समयसीमा तय नहीं है, लेकिन इसका मतलब ये भी नहीं है कि राज्यपाल विधेयक को लंबे समय तक रोके रखें और राज्य की कानून बनाने वाली व्यवस्था में अवरोधक बन जाएं।

10 विधेयक बिना राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी के कानून बन गए

देश में पहली बार ऐसा हुआ है कि राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी के बिना कोई विधेयक कानून बन चुका है। ये ऐतिहासिक घटना सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद हुई, जिसमें तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि द्वारा विधेयकों को मंजूरी न दिए जाने के मामले में सुनवाई हो रही थी। तमिलनाडु की सरकार और राज्यपाल के बीच गतिरोध लंबे समय से चला आ रहा है। तमिलनाडु की विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी नहीं मिल पा रही थी। विधेयकों को लौटाने के बाद इन्हें दोबारा पारित कर राज्यपाल के पास भेजा गया था, फिर भी ये बिल मंजूरी के बिना लटके हुए थे। इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। राज्य सरकार ने राज्यपाल पर जानबूझकर विधेयकों में देरी करने और विकास को बाधित करने का आरोप लगाया था। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद 10 विधेयक बिना राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी के कानून बन गए है। इन विधेयकों में राज्य द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति पर संशोधित नियम शामिल हैं। स्टालिन सरकार ने इसे भारतीय राज्यों के लिए एक बड़ी जीत बताते हुए अदालत का धन्यवाद दिया है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
राजस्थान – बेंगलुरु
दोपहर 3.30 बजे से
दिल्ली – मुंबई
शाम 7.30 बजे से

विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स में पंकज का जलवा जीता रजत पदक

नई दिल्ली। भारत के सबसे दिग्गज क्यू (बिलियर्ड्स और स्नूकर) खिलाड़ियों में शामिल पंकज आडवाणी को डब्ल्यूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप के फाइनल में डेविड कॉजियर के खिलाफ मामूली अंतर से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पंद्रह चरण के मुकाबलों के फाइनल में दोनों खिलाड़ियों ने पूरा दमखम दिखाया। आडवाणी ने 2-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी ने आयरलैंड के कार्लो में खेले गए फाइनल मुकाबले में शानदार वापसी की। ब्रिटेन के खिलाड़ी ने आखिरी चरण के मुकाबले को जीतने के साथ ही 8-7 से खिताब अपने नाम कर लिया। आडवाणी अब रविवार से अपने खिताब का बचाव करेंगे उतरेंगे। जिसे वह 2016 से जीतते आ रहे हैं। यह विश्व चैंपियनशिप समयबद्ध प्रारूप में आयोजित की जाएगी, जिसमें दुनिया भर के खिलाड़ियों से बड़े ब्रेक की उम्मीद की जाती है।

यूपीआई.... फिर, मुसीबत आई

बीते दिनों में यह सर्वर कई बार हो चुका है ठप...हर बार बताया जाता है तकनीकी कारण

एक बार फिर ठप हुआ यूपीआई का सर्वर, फोन पे... गूगल पे नहीं हुआ

यूपीआई आज भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में कितनी अहम भूमिका निभा रहा है, हालांकि, बार-बार सर्वर डाउन जैसी घटनाएं यूजर्स का भरोसा डगमगाने लगा है और इससे रोजमर्रा के लेन-देन बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शनिवार को देशभर में यूपीआई (यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस) यूजर्स को एक बार फिर से डिजिटल पेमेंट में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। तकनीकी खराबी की वजह से यूपीआई सर्विस अस्थायी रूप से ठप हो गई, जिससे लाखों यूजर्स के ट्रांजैक्शन फेल हो गए यह लगातार तीसरी बार है जब बीते दो हफ्तों में यूपीआई में ऐसी बड़ी तकनीकी समस्या आई है। इससे पहले 26 मार्च और 2 अप्रैल को भी इसी तरह की परेशानी रिपोर्ट की गई थी।

शाम तक करीब 2 हजार से ज्यादा शिकायतें यूपीआई सर्विस को लेकर दर्ज

लाखों यूजर्स के ट्रांजैक्शन फेल हो गए, सोशल मीडिया में भी लोगों ने बताई समस्या

1. ▶▶ इससे पहले 26 मार्च और 2 अप्रैल को भी इसी तरह की परेशानी आई थी
2. ▶▶ मार्च 2025 में यूपीआई ट्रांजैक्शन का कुल मूल्य 24.77 लाख करोड़ रुपए थे
3. ▶▶ फरवरी में कुल ट्रांजैक्शन का आंकड़ा 21.96 लाख करोड़ रुपए था

दो हजार से ज्यादा शिकायतें

डाउन डिटेक्टर एक ऐसा प्लेटफॉर्म जो यूजर्स की शिकायतों के आधार पर सर्विस में आई रुकावटों पर नजर रखता है, उसके मुताबिक शनिवार सुबह 11:30 बजे के बाद से यूपीआई ट्रांजैक्शन फेल होने की शिकायतें लगातार आने लगीं। आंकड़ों के अनुसार, शाम तक करीब 2 हजार से ज्यादा शिकायतें यूपीआई सर्विस को लेकर दर्ज की गईं। इनमें से गूगल पे पर 150 और पेटीएम पर 125 यूजर्स ने दिक्कतों की सूचना दी।

देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़

यूपीआई भारत का सबसे तेज और आसान इंस्टेंट पेमेंट सिस्टम है, जो आईएमपीएस इंफ्रास्ट्रक्चर पर आधारित है। इसके जरिए यूजर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के कभी भी और कहीं भी तुरंत पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं। यूपीआई का इस्तेमाल छोटे-बड़े दुकानों से लेकर बिल भुगतान और सब्सक्रिप्शन जैसी सुविधाओं में भी बड़ी आसानी से किया जाता है। इसमें ऑटो पे फीचर की सुविधा भी है, जिससे रिचार्ज और बिल का भुगतान खुद-ब-खुद तय समय पर हो जाता है।

एनपीसीआई ने दी सफाई

हम तकनीकी दिक्कतों से जूझ रहे हैं

यूपीआई को संचालित करने वाली संस्था एनपीसीआई (नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया) ने इस समस्या को स्वीकार करते हुए कहा है कि एनपीसीआई इस वक्त तकनीकी दिक्कतों का सामना कर रहा है, जिसके कारण कुछ यूपीआई ट्रांजेक्शन फेल हो रहे हैं। हमारी टीम इस समस्या को जल्द सुलझाने में लगी हुई है। हुई असुविधा के लिए हम खेद प्रकट करते हैं। यह बयान एनपीसीआई ने अपने एक्स हैंडल पर साझा किया। इससे पहले, 26 मार्च को भी यूपीआई सेवा में भारी तकनीकी गड़बड़ी आई थी, जब अलग-अलग यूपीआई एप्स के यूजर्स लगभग 2 से 3 घंटे तक ट्रांजेक्शन नहीं कर पाए थे। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने इस समस्या का कारण तकनीकी दिक्कतें बताया था, जिससे पूरे देश में आम यूजर्स और व्यापारियों की डिजिटल भुगतान प्रक्रिया प्रभावित हुई थी।

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी का एक्शन शुरू

कब्जे में ली जाएगी 661 करोड़ रुपए की संपत्ति नोटिस हुआ जारी

▶▶ मुंबई, दिल्ली और लखनऊ में नोटिस चिपकाए गए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में एक्शन शुरू कर दिया है। ईडी ने 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को अपने कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किए हैं। इन संपत्तियों को ईडी ने कांग्रेस के नियंत्रण वाली एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच में कुर्क किया था। मुंबई, दिल्ली और

पीएमएलए के तहत कार्रवाई

राहुल और सोनिया के पास शेयर

धन शोधन का यह मामला एजेएल और यंग इंडियन से जुड़ा हुआ है। नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन एजेएल द्वारा किया जाता है और इसका स्वामित्व यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के पास है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी यंग इंडियन के मेजॉरिटी शेयरधारक हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास 38 प्रतिशत शेयर हैं। ईडी का कहना है कि यंग इंडियन और एजेएल की संपत्तियों का इस्तेमाल 18 करोड़ रुपए के फर्जी दान, 38 करोड़ रुपए के फर्जी अग्रिम किराए और 29 करोड़ रुपए के फर्जी विज्ञापनों के रूप में अपराध की आगे की आय अर्जित करने के लिए किया गया।

भाजपा विधायक के बेटे की दबंगई

देवास में पुजारी का आरोप, टेकरी के पट नहीं खोलने पर मारपीट की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ देवास

इंदौर के भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष शुक्ला पर देवास की माता टेकरी के पुजारी को धमकाने, गाली गलौज और मारपीट करने का आरोप लगा है। पुजारी ने इसे लेकर पुलिस को शिकायत की है। जिसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। ये मामला शुक्रवार देर रात करीब पौने एक बजे का है। रुद्राक्ष अपने इंदौर और देवास के कुछ साथियों को लेकर करीब एक दर्जन वाहनों के काफिले के साथ माता टेकरी पहुंचा। मंदिर बंद होने के बावजूद उसने पुजारी से जबरन पट खोलने की मांग की। रुद्राक्ष छोटी माता चामुंडा मंदिर में पूजा करने की जिद पर अड़ गया।

- आधी रात को एक दर्जन वाहनों के साथ पहुंचा था

झाबुआ में बड़ा सड़क हादसा

टैंपो ट्रैक्स पलटने से 4 की मौत 7 घायल, 2 की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झाबुआ

पेटलावद के रायपुरिया थाना क्षेत्र में बोलासा घाट पर शुक्रवार रात करीब 11 बजे सवारी वाहन (टैंपो ट्रैक्स) पलटने से महिला समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान एक और व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। इस तरह मृतकों की संख्या 4 हो गई है। सभी घायलों को पेटलावद सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में 2 की हालत ज्यादा गंभीर है, जिन्हें गुजरात के दाहोद रेफर किया गया है। पेटलावद थाना प्रभारी दिनेश शर्मा ने बताया कि सभी लोग धार जिले के रहने वाले हैं।

- जहर खाए व्यक्ति को अस्पताल ले जा रहे थे

बोले- गो-शालाओं से गो-सेवा की लिखेंगे नई इबारत

सीएम ने किया महू में हाईटेक सुविधाओं वाली कामधेनु गो-शाला का भूमि-पूजन

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में गो-शालाओं के माध्यम से गो-सेवा की नई इबारत लिखी जाएगी और प्रदेश में नई दुग्ध क्रांति लाई जाएगी। इससे दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ ही दुग्ध उत्पादकों की आमदनी में भी वृद्धि की जाएगी। डॉ. यादव शनिवार को इंदौर जिले के महू-मंडलेश्वर मार्ग पर स्थित आशापुरा में प्रदेश में हाईटेक कामधेनु गो-शाला के भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह गो-शाला लगभग 25 हेक्टेयर क्षेत्र में बनाई जा रही है। गो-शाला का निर्माण इंदौर नगर निगम द्वारा किया जाएगा। इसकी देखरेख की जिम्मेदारी भी नगर निगम ही गो-शाला के संचालन में संत समाज का सहयोग भी लिया जाएगा।

गो-शाला में 10 हजार गायों के पालन-पोषण की व्यवस्था रहेगी

महिला ने छेड़छाड़ का किया विरोध तो दरिंदगी की हदें पार

बल्देवगढ़ में पेट्रोल डालकर परिवार के 3 लोगों को जिंदा जलाने की कोशिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बल्देवगढ़ (टीकमगढ़)

बल्देवगढ़ में रात के सन्नाटे में चीखों का शोर गूंजा, जब एक हैवान ने खिड़की से पेट्रोल डालकर आग लगा दी। पेट्रोल की लपटों में एक महिला, उसका मासूम बेटा और जीजा झुलस गए। ये हादसा तब हुआ, जब महिला ने आरोपी को छेड़छाड़ से रोका था। दर्दनाक बात ये कि पीड़िता 8 दिन पहले ही पुलिस से मदद मांग चुकी थी। पर पुलिस सोती रही, और दरिंदा जलाने पहुंच गया। घटना बल्देवगढ़ थाना क्षेत्र की है। झुलसे तीनों जख्मी जिला अस्पताल में जिंदगी से लड़ रहे हैं। पीड़िता की मां और बहन की बेटी किसी तरह बाल-बाल बच गईं। पीड़िता ने बताया कि आरोपी राजेश रैकवार पिछले कई महीनों से उसे परेशान कर रहा था। बुड़ेरा थाना क्षेत्र से अपनी मां के घर आई महिला ने बल्देवगढ़ थाने में शिकायत की थी, लेकिन पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की।

पीड़िता 8 दिन पहले लगा चुकी थी गुहार लेकिन पुलिस से नहीं मिली मदद

भोपाल में एक सप्ताह बाद पारा 38 डिग्री से कम

मंडला में सर्वाधिक 10.6 डिग्री तक आई कमी

प्रदेश में पारा 40 डिग्री के नीचे, बारिश और ओले से घुली राहत, दो दिन बाद बढ़ेगी गर्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में शनिवार को भीषण गर्मी से राहत रही। प्रदेशभर में दिन का तापमान 40 डिग्री से नीचे रहने से लोगों को राहत मिली। सर्वाधिक दिन का पारा खंडवा में 41.5 डिग्री रहा, जबकि सबसे कम दिन का तापमान मंडला में 29.4 डिग्री दर्ज हुआ है।

यहां बारिश, ओले के बाद पारे में सर्वाधिक 10.6 डिग्री की गिरावट रही। भोपाल में एक सप्ताह बाद अधिकतम पारा 1.8 डिग्री गिरकर 37.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से आधा डिग्री कम है। इससे पहले इसी महीने 4 अप्रैल को यहां दिन का पारा 37.6 डिग्री रहा था। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार प्रदेश में बारिश, ओले और बादलों के असर के साथ रातें हवाएं उत्तरी होने से दिन और रात के तापमान में तेजी से कमी आई है। यह क्रम दो दिन और जारी रहेगा। इसके बाद गर्मी में तेजी आएगी। मौसम केंद्र के अनुसार दो दिन बाद तापमान में बढ़त होगी।

सर्वाधिक दिन का पारा खंडवा में 41.5 डिग्री रहा

चेतक ब्रिज दोपहर 2:30 बजे

आज यहां बारिश व ओले

रविवार तक ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी जिलों में बारिश, कहीं कहीं ओले गिरेंगे। छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा में बादल, तेज हवाएं चलेंगी। भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, खंडवा, खरगोन, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, सिंगरौली, सीधी, रीवा, सतना, अनुपपुर, शहडोल, डिंडोरी, नरसिंहपुर, पन्ना, दमोह, सागर, मैहर जिलों में बादल, कहीं तेज हवाएं और कहीं बारिश होगी।

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हैदराबाद में उनकी मूर्ति को स्थानीय पुजारी ने जल से स्नान कराया

देशभर में श्रद्धा के साथ मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन, हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का किया पाठ, भंडारों का हुआ आयोजन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ हनुमान जन्मोत्सव का पर्व मनाया गया। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन, हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ और भंडारों का आयोजन किया गया। कई स्थानों पर खीर, चूरमे का भोग लगाया गया। इसके अलावा महाभोग आरती की गई। देश के सभी हनुमान मंदिरों में सुबह से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कतार में लगकर लोगों ने भगवान हनुमान के दर्शन किए। उनके समक्ष धूप बत्ती से पूजा-अर्चना कर परिवार के सुख समृद्धि की प्रार्थना की। भक्तों ने विशेष रूप से सरसों के तेल में उनकी मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। कई शहरों में विशेष शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें पीले और भगवा वस्त्र पहनकर श्रद्धालु शामिल हुए। जय श्रीराम और जय श्री हनुमान के जयघोष से लोगों में उत्साह बढ़ाया गया।

संकट कटे मिटे सब पीरा, जो सुमिरे हनुमत बलबीरा

कई स्थानों पर खीर, चूरमे, लड्डू का भोग लगाया गया

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की।

प्रयागराज में बड़े हनुमान मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

हैदराबाद में शोभायात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ों की संख्या में भक्त शामिल हुए।

खबर संक्षेप

कुपवाड़ा में बस पलटने से दो छात्रों की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में शनिवार को कॉलेज की एक बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो विद्यार्थियों की मौत हो गई और 21 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिकनिक मनाने के लिए 27 छात्रों को ले जा रही सरकारी डिग्री कॉलेज सोगाम की बस हंदवाड़ा के वोदपोरा इलाके के निकट पलट गई।

ट्रेन की चपेट में आने से 13 गायों की मौत

पलक्कड़। केरल के पलक्कड़ जिले के मीनकारा बांध के पास रेल की पटरियां पार करते समय शनिवार को 13 गायों का झुंड एक ट्रेन की चपेट में आ गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गायों की मौके पर ही मौत हो गई और उनके शव रेल की पटरियों पर तथा आसपास के इलाकों में बिखरे पड़े मिले। बाद में शवों को पटरियों और आसपास से हटाया।

87 वर्षीय 'वनजीवी' पद्मश्री रामैया का निधन

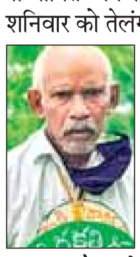

हैदराबाद। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित 'वनजीवी' रामैया का शनिवार को तेलंगाना के खम्मम जिले में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। रेड्डीपल्ली गांव में अपने पैतृक घर में उन्हें दिल का दौरा पड़ा। पेशे से कुम्हार रामैया को पौधरोपण के उनके अथक मिशन को लेकर 'वृक्ष पुरुष' के रूप में जाना जाता था। हरियाली में विस्तार के प्रति उनका समर्पण बहुत अधिक था।

फिर अकाली दल के प्रधान बने सुखबीर

चंडीगढ़। पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल एक बार फिर शिरोमणि अकाली दल के प्रधान चुन लिए गए हैं। किसी और नाम की अनुपस्थिति में सर्वसम्मति से सुखबीर के नाम पर मुहर लग गई। अकाली दल का दोबारा अध्यक्ष बनने पर सुखबीर बादल ने सभी से इकट्ठे होकर चलने का आह्वान किया। सुखबीर ने कहा कि अकाली दल को खत्म करने वाली पार्टियों का विरोध करें।

सूटकेस में बंद कर हॉस्टल लाया लड़की

सोनीपत। सोनीपत के राठधना रोड स्थित एक यूनिवर्सिटी से ये हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाला युवक अपनी गर्लफ्रेंड को सूटकेस के अंदर बंद कर बॉयज हॉस्टल ले जा रहा था। लड़की को सूटकेस के अंदर बंद कर ले जाते समय हॉस्टल में तैनात सुरक्षाकर्मी को शक हुआ तो शक के आधार पर सूटकेस की तलाशी ली।

मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून का विरोध हिंसा में बदला

3 की मौत, भीड़ ने पिता-बेटे को पीट-पीटकर मारा, अब तक 118 गिरफ्तार, इंटरनेट बंद

वक्फ (संशोधन) विधेयक के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार को फिर हिंसा भड़क गई। अब तक 118 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शुक्रवार को मुर्शिदाबाद समेत चार जिलों में हिंसा हुई थी। प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में आग लगा दी थी और पुलिस पर पथराव किया था। सुइटी थाना क्षेत्र के साजूर क्रॉसिंग में पुलिस पर क्रूड बम भी फेंके

एजेंसी ▶▶ मुर्शिदाबाद

वक्फ (संशोधन) विधेयक के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार को फिर हिंसा भड़क गई। हिंसक भीड़ ने पीट-पीटकर पिता-बेटे की हत्या कर दी। इनकी पहचान हरगोविंद दास (पिता) और चंदन दास (बेटे) के रूप में हुई है। दोनों हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाते थे। वहीं, गोली लगने से एक अन्य घायल हो गया। हिंसा जिले के शमशेरगंज ब्लॉक के धुलियान में हुई। शुक्रवार को भी धुलियान में हिंसा भड़की थी। यहां एक व्यक्ति घायल हो गया था, जिसकी शनिवार को अस्पताल में मौत हो गई। लिहाजा मुर्शिदाबाद हिंसा में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। हिंसाग्रस्त इलाकों में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) जावेद शमीम ने कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि शनिवार की घटना का ब्योरा अभी उपलब्ध नहीं है। पुलिस की ओर से गोली नहीं चली है। प्रदर्शनकारियों पर सिर्फ आंसू गैस के गोले दागे गए। ये शुरुआती जानकारी है। घायल खतरे से बाहर है। अब तक 118 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शुक्रवार को मुर्शिदाबाद समेत चार जिलों में हिंसा हुई थी। प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में आग लगा दी थी और पुलिस पर पथराव किया था। सुइटी थाना क्षेत्र के साजूर क्रॉसिंग में पुलिस पर क्रूड बम भी फेंके गए थे। इस दौरान 10 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। हिंसक भीड़ ने सड़क पर मौजूद कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। हंगामे के कारण एनएच-12 पर ट्रैफिक रोका गया था। बता दें, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के 'वक्फ बचाव अभियान' का पहला फेज 07 जुलाई यानी 87 दिन तक चलेगा। इसमें वक्फ कानून के विरोध में 1 करोड़ हस्ताक्षर कराए जाएंगे। जो पीएम मोदी को भेजे जाएंगे। इसके बाद अगले चरण की रणनीति तय की जाएगी।

राज्यपाल ने सरकार को कड़ी कार्रवाई करने के दिए निर्देश

शुभेंदु बोले- केंद्र को राज्य में आर्टिकल 355 लगा देना चाहिए

अफवाहों पर ध्यान न दें

राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार और कानून-व्यवस्था के एडीजी जावेद शमीम ने भी लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। जावेद शमीम ने कहा कि कई जगहों पर गलत जानकारी की फैक्ट्री चल रही है, जिनके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है। उन्होंने बताया कि जो भी लोग हिंसा या उकसावे में शामिल हैं, उन्हें चिन्हित कर गिरफ्तार किया जा रहा है।

राज्य में लागू नहीं होगा वक्फ कानून: ममता

सीएम ममता बेनर्जी ने शनिवार को कहा कि वक्फ कानून राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। याद रखिए, जिस कानून के विरोध में लोग आंदोलन कर रहे हैं, वह हमने नहीं बनाया है। यह कानून केंद्र सरकार ने बनाया है। इसलिए जो जवाब आप चाहते हैं, वह केंद्र सरकार से मांगा जाना चाहिए।

राज्यपाल ने अमित शाह से की बात

पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा को लेकर राज्य के गवर्नर सीवी आनंद बोस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से चर्चा की। इसके अलावा बोस ने राज्य सरकार को मुर्शिदाबाद, मालदा और दक्षिण 24 परगना जिलों के संवेदनशील इलाकों में उपद्रव के लिए जिम्मेदार उपद्रवियों के खिलाफ एक्शन लेने के निर्देश दिए।

पश्चिम बंगाल में सेना उतारें: शुभेंदु

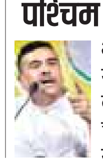

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में सेना उतारने की मांग कर दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र को राज्य में आर्टिकल 355 लगा देना चाहिए और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेना और सुरक्षाबलों को उतार देना चाहिए।

बहुसंख्यकवाद के खतरे का सामना कर रहा देश

जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है। पत्र में मुफ्ती ने वक्फ (संशोधन) विधेयक पर उनके रुख और न्याय तथा भारत के समावेशी विचार के लिए खड़े होने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया है।

मायावती बोलीं- नेता प्रतिपक्ष चुप क्यों?

बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की प्रमुख मायावती ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस को निशाने पर लिया। वक्फ बिल पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल खड़े किए। संसद में लंबी बहस के दौरान वक्फ बिल पर कुछ न बोलने पर भी राहुल पर हमला बोला। कहा कि सीएए की तरह संविधान उल्लंघन का मामला होने के समय भी विपक्ष चुप रहा। चुप्पी साधे रखी। इसे लेकर मुस्लिम समाज में आक्रोश एवं इंडिया गठबंधन में भी बेचैनी स्वाभाविक है।

शिवाजी की 345वीं पुण्यतिथि पर बोले शाह

'स्वधर्म और स्वराज्य' के आदर्श देश को प्रेरित करते

एजेंसी ▶▶ रायगढ़ (महाराष्ट्र)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता की प्रशंसा करते हुए कहा कि खुद को 'आलमगीर' कहने वाला मुगल बादशाह औरंगजेब जीवन भर मराठों के खिलाफ लड़ाई लड़ता रहा, लेकिन पराजित हुआ और यहीं दफनाया गया। शाह ने मराठा शासक शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि पर रायगढ़ किले में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज के 'स्वधर्म और स्वराज्य' के आदर्श देश की आजादी के शताब्दी वर्ष तक महाशक्ति बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को प्रेरित करते रहेंगे। शाह ने कहा कि मैं महाराष्ट्र के लोगों से अपील करता हूं कि वे छत्रपति शिवाजी महाराज को राज्य तक सीमित न रखें। उनकी जबरदस्त इच्छाशक्ति, दृढ़ संकल्प और साहस देश को प्रेरित करते हैं क्योंकि उन्होंने रणनीतिक रूप से समाज के सभी वर्गों को एकजुट किया।

शिवाजी के आदर्शों पर काम करें

शाह ने कहा कि महान मराठा योद्धा शिवाजी के आदर्श भारत को अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाने और महाशक्ति बनने की यात्रा के दौरान प्रेरित करते हैं। केंद्र की मोदी सरकार शिवाजी महाराज के आदर्शों पर काम करती है। गृह मंत्री ने रायगढ़ किले को एक पर्यटन स्थल के बजाय भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। इसी किले में शिवाजी महाराज की समाधि है। शाह ने कहा कि भारत 2047 में अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा और एक महाशक्ति बनने की आकांक्षा रखता है, ऐसे में शिवाजी महाराज एक प्रेरणा स्रोत हैं। उनकी राजमुद्रा का उपयोग भारतीय नौसेना के ध्वज में किया जाता है, जो राष्ट्र पर उनके स्थायी प्रभाव का प्रतीक है। शाह ने सुशासन और न्याय पर शिवाजी महाराज की शिक्षाओं को कायम रखने के महत्व पर बल दिया।

अरब सागर में शिवाजी का स्मारक बनेगा

फडणवीस ने अरब सागर में शिवाजी महाराज का स्मारक बनाने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि इस परियोजना से संबंधित याचिका को वापस बंबई उच्च न्यायालय को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि हम मामले में अपना पक्ष कुशलतापूर्वक रखेंगे। फडणवीस ने दिल्ली में शिवाजी महाराज का राष्ट्रीय स्मारक बनाने की उदयनराजे भोसले की मांग को भी स्वीकार किया और शाह के साथ इस विषय पर चर्चा करने का वादा किया। भोसले ने सामाजिक न्याय और सांप्रदायिक सद्भाव पर शिवाजी महाराज की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला।

भाजपा विधायक का बड़ा दावा

मणिपुर में कानून व्यवस्था सुधरी अब जल्द ही बनेगी नई सरकार

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर के भाजपा विधायक टी. रोबिन्द्रो ने शनिवार को दावा किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है और उम्मीद जताई कि जल्द ही नई सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि मैतेई और कुकी नागरिक समूहों के बीच शांति वार्ता भी शुरू हो गई है। काकचिंग जिले में पत्रकारों से बातचीत करते हुए रोबिन्द्रो ने कहा कि कानून-व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है। हमें पूरा विश्वास है कि केंद्र जल्द से जल्द नई सरकार का गठन करेगा। मैतेई और कुकी समूहों के बीच शांति वार्ता शुरू हो गई है। हमारा मानना है कि शांति लाने में सहायता के लिए निकट भविष्य में मैतेई और कुकी विधायकों के बीच बातचीत होगी। मुझे विश्वास है कि जल्द ही नई सरकार बनेगी। रोबिन्द्रो ने कहा कि हमारेबीच नेता चुनने में कोई असमर्थता या मतभेद नहीं है।

सैफ हमला केस पर पुलिस की कार्रवाई

1613 पेज की चार्जशीट दायर 35 गवाहों के लिए बयान

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले में मुंबई पुलिस ने बांद्रा कोर्ट में 1613 से ज्यादा पेज की चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में कई खुलासे किए गए हैं। चार्जशीट में सैफ की पत्नी करीना कपूर का भी बयान है। उन्होंन कहा है कि घटना वाले दिन मैं अपनी दोस्त रिया कपूर से मिलकर रात 1 बजे घर लौटी।

करीब 2 बजे जहांगीर की नैनी उनके कमरे से चिल्लाते हुए बाहर आई। चार्जशीट में 35 गवाहों के स्टेटमेंट के साथ-साथ 25 सीसीटीवी फुटेज भी शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि उन्होंने मामले की जांच में करीब 300 सीसीटीवी फुटेज फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी भेजे थे, जिनमें से 25 फुटेज में शरीफुल दिखाई दे रहा है। पुलिस ने आरोपी शरीफुल इस्लाम के मोबाइल फोन की लोकेशन को भी सबूत के तौर पर चार्जशीट में दर्ज किया है।

आगरा में उग्र हुआ करणी सेना का प्रदर्शन हाईवे ब्लॉक, सपा सांसद से माफी की मांग

राणा सांगा पर विवादित टिप्पणी का मामला

एजेंसी ▶▶ आगरा

राणा सांगा पर विवादित टिप्पणी करने वाले समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के खिलाफ आगरा में करणी सेना का प्रदर्शन अब उग्र हो चल रहा है।

आगरा के एत्मादपुर में राणा सांगा जयंती पर रक्त स्वाभिमान रैली में क्षत्रियों का रैला उमड़ा है। हाथों में तलवार और बंदूकों के साथ बड़ी संख्या में इस रैली में हिस्सा लेने के लिए युवा भी पहुंचे हैं। हाईवे की दुकानें बंद करा दी गई हैं। बुलडोजर पुलिस ने जब्त कर लिए हैं। आयोजन स्थल पर अव्यवस्थाएं फैली हुई हैं। पुलिस ड्रोन से भी निगरानी कर रही है। बड़ी संख्या में उमड़ी को देख पुलिस के पसीने भी छूट रहे हैं।

सपा सांसद के घर बढ़ाई सुरक्षा

पुलिस ने सपा सांसद के घर के बाहर सिक्योरिटी बढ़ा दी है। हथियारबंद पुलिसकर्मी खड़े किए गए हैं। सपा सांसद के घर की तरफ जाने वाले रास्तों में क्रेन खड़ी कर दी है। सांसद सुमन ने साफ कहा कि अराजक तत्वों से माफी मांगने का कोई सवाल ही नहीं है।

लखनऊ में भीड़ ने किया पथराव

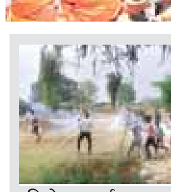

लखनऊ के महिंगवा के खंतारी गांव में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा सरकारी जमीन पर रखने को लेकर विवाद हो गया। इसे हटाने के विरोध में लोगों ने विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। सैकड़ों की संख्या में महिलाएं-पुरुष एकत्र होकर नारेबाजी करने लगीं।

शहीद हेमराज की बेटी की शादी में शामिल हुए लोकसभा अध्यक्ष

मायरा लेकर पहुंचे, निभाया छह साल पुराना भाई का वादा

एजेंसी ▶▶ जयपुर

राजस्थान के सांगोद में 12 अप्रैल को एक भावुक और प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शहीद हेमराज मीणा की बेटी की शादी में मायरा (भात) लेकर पहुंचे। इस मौके पर पूरे गांव में खुशी का माहौल था, और हर किसी की आंखें इस भावनात्मक रिश्ते को देखकर नम हो गईं। सीआरपीएफ के जवान हेमराज मीणा पुलवामा हमले में 6 साल पहले शहीद हो गए थे। उनके शहीद होने के बाद उनका परिवार गहरे दुख में था। उसी समय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने वीरांगना मधुबाला को अपनी बहन माना और परिवार की जिम्मेदारी निभाने का वादा किया था। तब से अब तक वे हर राखी और भाई दूज पर बहन से तिलक और राखी बंधवाते रहे।

हर राखी और भाई दूज पर बहन से तिलक और राखी बंधवाते

रस्म निभाने खुद पहुंचे करवाया तिलक

अब जब शहीद हेमराज की बेटी की शादी का समय आया, तो ओम बिरला मायरा की रस्म निभाने खुद पहुंचे। उन्होंने बहन मधुबाला को चुनरी ओढ़ाई और पूरे रीति-रिवाजों के साथ तिलक करवाया। बहन ने भी परंपरा अनुसार उन्हें "बत्तीसी" झिलाई और तिलक व आरती की। इस मौके पर राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर भी मौजूद रहे।

शहीद की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

कार्यक्रम के दौरान ओम बिरला ने शहीद हेमराज मीणा की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। पूरा परिवार और गांववाले इस दृश्य को देखकर भावुक हो गए। इस अनूठे मायरे ने न केवल एक बहन-भाई के रिश्ते को मजबूत किया, बल्कि शहीद परिवारों के सम्मान और समर्थन की एक मिसाल भी पेश की।

दिल्ली में झुग्गीवालों के लिए खुशखबर

कोई नहीं रहेगा भूखा, सरकार लाएगी 100 करोड़ की योजना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के झुग्गीवालों और कंस्ट्रक्शन वर्करों के लिए बड़ी खुशखबर है। रेखा गुप्ता सरकार उनके लिए 100 करोड़ रुपए की योजना शुरू करने जा रही है। इसका मकसद है कि कोई भी भूखा नहीं रहे। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि यह सुनिश्चित करना उनकी सरकार का कर्तव्य है कि शहर में कोई भी भूखा न रहे। उन्होंने कहा कि सरकार झुग्गी बस्तियों और निर्माण स्थलों के पास 100 अटल कैंटीन खोलने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि हमें 100 अटल कैंटीन खोलनी हैं, ताकि दिल्ली में कोई भी भूखा न रहे। हम झुग्गी-झोपड़ियों और निर्माण स्थलों के पास ये कैंटीन खोलने की योजना बना रहे हैं, जहां भोजन उपलब्ध कराने के लिए ऐसी स्वचालित मशीनें लगाई गई हैं। सीएम ने इससे पहले मार्च में दिल्ली का 2025-26 का बजट पेश किया था, जिसमें शहर में अटल कैंटीन खोलने के लिए 100 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए थे।

जिला अदालत का महत्वपूर्ण आदेश

छोटी-छोटी बातों पर विवाद घरेलू हिंसा की श्रेणी में नहीं

हरिभूमि जबलपुर।

जिला अदालत ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में साफ किया कि छोटी-छोटी बातों पर विवाद घरेलू हिंसा की श्रेणी में नहीं आता। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी रश्मि मंडलोई ठाकुर की अदालत ने कहा कि पत्नी के साथ घरलू हिंसा प्रमाणित नहीं हुई, अतः वह घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम अंतर्गत अनुतोष पाने की अधिकारी भी नहीं है।

अनावेदक बिलासपुर निवासी नितिन वर्मा सहित अन्य की ओर से दलील दी गई कि नितिन का विवाह नमिता वर्मा के साथ हुआ था, जिन्होंने केस दायर किया है। उनकी ओर से घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम अंतर्गत अनुतोष दिलाए जाने की मांग की गई है। इस दंपति की एक संतान भी है। आवेदिका ने पति के अलावा सास, जेठ ओर जेठानी पर भी प्रतोड़ित करने का आरोप लगाया है। हालांकि कथन से स्पष्ट हुआ है कि विवाद की वजह कोई बड़ी नहीं बल्कि छोटी-छोटी होती थीं। एक तथ्य यह भी है कि आवेदिका अपनी ससुराल में अधिक समय नहीं रही। वह किसी न किसी बहाने मायके चली जाती थी। ऐसे में पति के अलावा अन्य सदस्यों पर आरोप अनुचित प्रतीत होता है। इसके पीछे छिपी दुर्भावना स्वमेव रेखांकित हो रही है। अदालत ने सभी तर्क सुनने के बाद घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम अंतर्गत अनुतोष दिए जाने की मांग महज आंशिक रूप से बच्चे के सिलसिले में स्वीकार की। पत्नी को राहत देने से मना कर दिया।

बेबी शील्ड रिपोर्ट न देने पर उपभोक्ता आयोग ने लगाया 10 हजार रु जुर्माना

जबलपुर। जिला उपभोक्ता आयोग ने नवजात बच्ची के जन्म के समय किया गया बेबी शील्ड (ब्लड टेस्ट) रिपोर्ट नहीं देने पर लाईफ सेल इंटरनेशनल प्रायवेट लिमिटेड कंपनी पर एक लाख 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। आयोग के अध्यक्ष नवीन सक्सेना व सदस्यद्वय सुषमा पटेल एवं मनोज मिश्रा की संयुक्त पीठ ने कंपनी को निर्देश दिए कि दो हजार रुपए का वाद व्यय भी परिवादी को अदा करे। राइट टाउन जबलपुर में निवासी राहुल दुबे ने अपनी दो साल की बच्ची आर्या दुबे की ओर से मामला दायर किया था। उन्होंने बताया कि उक्त कंपनी द्वारा स्टेम सेल सुरक्षित रखने के साथ-साथ बेबी शील्ड रिपोर्ट देने का काम करती है। बेबी शील्ड में नवजात को भविष्य में होने वाली संभावित कई बीमारियों के बारे में जानकारी मिल जाती है। परिवादी ने इसके लिए 5 हजार रुपए जमा किए थे, लेकिन कंपनी ने रिपोर्ट प्रदान नहीं की।

चिकित्सकों की योग्यता एवं पंजीयन की जांच शुरु

दमोह की घटना के बाद प्रशासन सख्त

जबलपुर। दमोह के मिशन अस्पताल में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद प्रदेश प्रशासन ने निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम उठाया है। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए 21 अप्रैल 2025 तक जिले के सभी निजी अस्पतालों को अपने चिकित्सा अधिकारियों की प्रमाणित योग्यता एवं पंजीकरण की पुष्टि करने का आदेश दिया है।

जबलपुर जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा के अनुसार, सभी निजी चिकित्सालयों को यह सुनिश्चित करना होगा कि: मरीजों की देखभाल में संलग्न सभी चिकित्सकों के पास मान्यता प्राप्त संस्थान से प्राप्त वैध चिकित्सा डिग्री हो साथी ही मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान परिषद में पंजीकरण हो. अतिरिक्त विशेषज्ञ योग्यता का पंजीकरण अनिवार्य रूप से हो। यह आदेश राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019, क्लिनिकल इस्टैब्लिशमेंट एक्ट, 2010, एवं मध्य प्रदेश नर्सिंग होम एंड क्लिनिक एक्ट के तहत लागू किया गया है।

स्टांप पेपर पर शपथ पत्र की अनिवार्यता

सभी अस्पतालों को 21 अप्रैल तक सीएमएचओ कार्यालय को लिखित रिपोर्ट देना होगा, जिसमें सभी कार्यरत चिकित्सा अधिकारियों की योग्यता और पंजीकरण की जानकारी हो. साथ ही 100 के स्टांप पेपर पर यह शपथ-पत्र देना अनिवार्य होगा कि अस्पताल में केवल योग्य और अधिकृत चिकित्सकों द्वारा ही चिकित्सा सेवाएं दी जा रही हैं।

बाहरी राज्य से आए चिकित्सकों पर भी नजर

डॉ. मिश्रा ने यह भी स्पष्ट किया कि अन्य राज्यों से आए चिकित्सकों को तभी सेवाओं में लिया जाए, जब वे एमपीएमसीएसआई में विधिवत पंजीकृत हों। बिना पंजीकरण के किसी भी बाहरी चिकित्सक को कार्य करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई

स्वास्थ्य विभाग ने यह भी कहा है कि यदि किसी चिकित्सक के पास आवश्यक प्रमाणपत्र या वैध पंजीकरण नहीं पाया गया, तो उसे चिकित्सा सेवा से तत्काल हटा दिया जाएगा। संबंधित अस्पताल संचालक को इस प्रक्रिया की पूर्ण जिम्मेदारी लेनी होगी, और आदेश का उल्लंघन होने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्विफ्ट कार में छिपाकर ले जा रहे थे मादक पदार्थ

तीन आरोपियों से मिला 4 किलो गांजा

हरिभूमि जबलपुर। ,

क्राईम ब्रांच और पनागर पुलिस ने गत रात पैट्रोलिंग के दौरान ट्राईडेंट वेयर हाउस के सामने बागोड़ा में मादक पदार्थ गांजे के कारोबार में लिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 4 किलो 738 ग्राम गांजा और कार जब्त की है। जब्त किए गए गांजे की कीमत 95 हजार रुपए बताई गई है। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात पेट्रोलिंग के दौरान पनागर पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने ट्राईडेंट वेयर हाउस के सामने बागोड़ा में स्विफ्ट कार क्रमांक एमपी 20 सी.एफ. 4480 के चालक गौरीघाट स्टेशन के पास निवासी 37 वर्षीय सुजीत राय, बेन मोहल्ला निवासी 27 वर्षीय सूरज बेन और बड़ी ओमती नल के पास घंटाघर निवासी 24 वर्षीय मोहम्मद सज्जाद उर्फ रेहान खान को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 4 किलो 738 ग्राम गांजा और कार जब्त की है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

देश की कृषि नीतियों को किसानो को जानने का हकः मोहिनी मोहन मिश्र

जबलपुर। भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत के दो दिवसीय प्रांत प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ नानादेशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के कृषक भवन में भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र, रजिस्ट्रार डॉ एस एस तोमर, प्रधानमंत्री एमएसपी कमेटी के सदस्य व भारतीय एग्रो इकोनॉमिक रिसर्च सेंटर के अखिल भारतीय अध्यक्ष प्रमोद चौधरी, किसान संघ के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष विशाल चंद्राकर, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल, क्षेत्र संगठन मंत्री महेश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह आंजना, प्रांत अध्यक्ष गजराज सिंह उपस्थिति में ध्वजारोहण, भारत माता व भगवान बलराम के पूजन के साथ प्रारंभ हुआ। भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि देश की कृषि नीतियों में तेसे बदलाव आ रहा हैं।

आज तय होगा लायंस क्लब का अगला डिस्ट्रिक्ट गवर्नर

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर शहर के एक निजी होटल में आयोजित डिस्ट्रिक्ट कांफ्रेंस के माध्यम से आज लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233-C का अगला डिस्ट्रिक्ट गवर्नर चुना जाएगा जिसमें संस्कारधानी के भरत अग्रहरि एवं सतना से पवन मलिक के बीच मुकाबला हो रहा है। राजीव शुक्ला द्वारा जानकारी दी गई कि लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 3233-C जिसमें संपूर्ण छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड व बघेलखंड के कुछ शहरों से लगभग 1000 साथी संस्कारधानी में इस डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस में सम्मिलित होने के लिए जबलपुर पधारे हैं जो 12 मार्च एवं 13 मार्च को आयोजित है, 13 मार्च को होने वाली वोटिंग के माध्यम से अगला डिस्ट्रिक्ट गवर्नर संस्कारधानी में आज चुन लिया जाएगा जिसके लिए दोनों ही प्रत्याशियों के द्वारा जोर आजमाइश जारी है। संस्कारधानी जबलपुर के लायंस क्लब जबलपुर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में लायंस क्लब जबलपुर की अध्यक्ष लायन अंकिता जैन, सचिव भूमिका पटेल एवं कोषाध्यक्ष मीता पोपट के द्वारा आयोजन को चार चांद लगाने हेतु सेवा परमो धर्मा की भावना के साथ कार्यक्रम में आए हुए साथियों के लिए विजिटिंग कार्ड स्पर्धा, हस्ताक्षर प्रतियोगिता, पिन एक्सचेंज प्रोग्राम, स्लोगन प्रतियोगिता तथा कपल फोटो प्रतियोगिता जैसे कई महत्वपूर्ण आयोजन किए जा रहे हैं ।

नए शैक्षणिक सत्र में पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें

जबलपुर। मॉडल स्कूल में आयोजित जिले के शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने आगामी नए शैक्षणिक सत्र को लेकर स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी शैक्षणिक संस्थानों को बच्चों की पढ़ाई पर पूर्ण रूप से फोकस करना होगा। इसके साथ ही, शिक्षा विभाग एवं शासन की सभी योजनाओं का समय पर सफल क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जाए। इस महत्वपूर्ण बैठक में आरएमएसए के अतिरिक्त परियोजना समन्वयक संजय मेहरा, सहायक संचालक आर.के. बधान, बीईओ पाटन गौतम बर्बे, बीईओ मझौली अतुल चौधरी, बीईओ कुंडम सुपूनम बरकड़े, बीईओ जबलपुर श्रीमती सरिता तंतुवाय, बीईओ बी.एल. कुर्वेती, बीईओ सिहोरा एवं पनागर सहित जिले के समस्त प्राचार्य, **BRC**, जिला शिक्षा केंद्र के सभी एपीसी, उपयंत्री और जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा। डीईओ सोनी ने बैठक के अंत में सभी प्राचार्यों से अपील की कि वे अपने-अपने विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समयबद्ध कार्य और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए व्यक्तिगत रुचि लेकर कार्य करें, ताकि जिले की शैक्षणिक प्रगति को और सशक्त बनाया जा सके।

एपीएन में "एक राष्ट्र एक चुनाव" विषय पर युवा संसद का आयोजन

जबलपुर। ए.पी. नर्मदा विधि महाविद्यालय में "एक राष्ट्र एक चुनाव" विषय पर एक दिवसीय युवा संसद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में डॉ. अशित कुमार श्रीवास्तव (सहा. प्राध्यापक धर्मशास्त्र नेशनल लॉ यूनिर्वसिटी, जबलपुर), डॉ. अनिमेष झा (सहा. प्राध्यापक धर्मशास्त्र नेशनल लॉ यूनिर्वसिटी, जबलपुर), एड. गोपेश यश तिवारी, डॉ. अश्विनी कुमार जायसवाल (सहा.प्राध्यापक विधि विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के चेयरमेन चमन श्रीवास्तव द्वारा की गई। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के तैल चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन व पूजन अर्चन के साथ किया गया, तत्पश्चात एक राष्ट्र, एक चुनाव के पक्ष एवं विपक्ष में 17-17 छात्रों ने भाग लिया और अपने-अपने विचार व्यक्त किये। युवा संसद में डी.एन.एल.यू., एन.ई.एस. व खालसा विधि महाविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन मेहर परिहार व आभार प्रदर्शन महाविद्यालय विधि विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक श्रीमती प्रियंका श्रीवास्तव ने किया। निर्णायक मंडल द्वारा सुधांशु पाठक, डी.एन.एल.यू. एवं अतुल दुबे ए.पी. नर्मदा विधि महाविद्यालय के छात्र को विजयी घोषित किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, सहायक प्राध्यापकों में विजयश्री तिवारी, त्रिपदा भट्ट, आकांक्षा अवस्थी, मृत्युंजय तिवारी, शशांक यादव, सपना जैन, आकांक्षा मिश्रा, डॉ. जयश्री तिवारी, रक्षा पालीवाल, निकिता कौरव, अनुश्री गुप्ता, प्रकृति शास्त्री, छात्र-छात्रायें शबा कुरैशी, स्नेहा पासी, तनुश्री तिवारी, सूर्यांश गुप्ता, एवं राज यादव का सराहनीय सहयोग रहा।

राजस्व प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें : कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रूप से राजस्व प्रकरणों के निराकरण समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, आरओआर, किसानों के ई-केवयासी, अतिक्रमण हटाने, धारणाधिकार आदि पर चर्चा कर कहा कि 100 दिन की शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें। कलेक्टर श्री सक्सेना ने राजस्व प्रकरणों की पेंडेंसी खत्म करने के लिये आरसीएमएस में रोजाना दर्ज होने वाले प्रकरणों से अधिक का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों दिये। साथ ही कहा कि सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त राजस्व विभाग से संबधित शिकायतों के निराकरण भी करें। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में तत्परता बरतने की हिदायत देते हुये कहा कि शिकायतों का निराकरण गुणवत्तापूर्ण और आवेदक की संतुष्टि के साथ किया जाये। बैठक में अपर कलेक्टर सुश्री मिशा सिंह, नाथूराम गौंड़ सहित सभी राजस्व अधिकारी मौजूद थे।

गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी के आसार

शाम होते ही चली धूल भरी आंधी

हरिभूमि जबलपुर।

शनिवार की शाम को फिर मौसम के मिजाज अचानक बदले। सुबह से आसमान पर तेज धूप खिली रही और शाम ढलते ही धूल भरी आंधी चली। कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी हुई। पश्चिमी विक्षोप की वजह से 40 डिग्री के पार निकला पारा शनिवार को 37 डिग्री पर आकर ठहर गया, लेकिन गर्मी का असर बरकरार रहा। गर्मी से लोगों को राहत नहीं मिली। बादलों की बसाहट से उमस ने हलाकान कर दिया। मौसम विभाग का कहना है कि पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर बने हवा के कम दवाब वाले क्षेत्र के कारण बादल नीचे उतर आए हैं और आगामी 24 घण्टों के दौरान संभाग के एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ बरस भी सकते हैं।

स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र के प्रवक्ता ने बताया कि जम्मू काश्मीर से आया पश्चिमी विक्षोप के कारण पूर्वी और पश्चिमी मध्यप्रदेश के ऊपर हवा के कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। लो-प्रेशर की वजह से बादल बन रहे हैं, और तापमान में गिरावट आई है। हाल ही में तीखे हुए गर्मी के तेवर कुछ नरम पड़े हैं। लेकिन आसमान पर बदली के छाने से उमस बढ़ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान 37.06 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 25.01 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 43 प्रतिशत और सायंकाल 35 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.51 पर और सूर्यास्त शाम 6.30 पर हुआ। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 23.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। पश्चिमी हवाएं 5 से 6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। प्रदेश में सबसे अधिक 42.5 डिग्री तापमान खंडवा और सबसे कम 16.2 डिग्री पचमढ़ी में दर्ज किया गया। अगले 24 घंटों के दौरान गरज-चमक के साथ पानी बौछारें पड़ने की संभावना है।

हनुमान जन्मोत्सव में रही हवन पूजन भंडारों की धूम

रामदूत अतुलित बल धामा अंजनिपुत्र पवन सुत नामा

श्री राम भक्त मारूति नंदन अंजनी पुत्र महाबली वीर हनुमान की जन्मोत्सव शनिवार को यहां पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ यहां मनाई गई। नगर के हनुमान मंदिरों में हवन पूजन महाआरती और भंडारों के आयोजनों की धूम रही। कई स्थानों से संकट मोचन कृपा निधान के शोभायात्रा भी निकाली गई। दिन भर मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

हरिभूमि जबलपुर।

जगह-जगह हनुमत जागरण और आर्केस्ट्रा के प्रोग्राम हुए और भंडारे के प्रसाद का वितरण देर रात तक चलता रहा। अनेक मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी लंबी कतारे लगी रही। मंदिर के पट खुलने के पहले ही श्रद्धालुओं का पहुंचना प्रारंभ हो गया था। मंदिरों में हनुमान चालीसा का सबसे प्रभावी और लोगों की मनोकामनाएं पूरी करने और भय को दूर और संकट को हरने वाले मंत्र ''संकट कटै मिटै सब पीरा जो सुमिरै हनुमत बलवीरा, बल, बुद्धि, विद्या, देहु मोहै, हरेऊ क्लेश विकारा'', हर श्रद्धालु के श्रीमुख से उच्चारित हो रहा था। वहीं रामदूत अतुलित बल धामा, अंजनिपुत्र पवन सुत नामा महावीर विक्रम बजरंगी के जयकारे गूंजते रहे।

श्री रामलला मंदिर गौरीघाट में तो श्रद्धालुओं की अपार भीड़ लगी रही। यहां द्वापर युग की सिद्ध बाल हनुमान प्रतिमा को गर्भगृह से बाहर निकालकर पूजा पंडाल में स्थापित किया गया था। हनुमान चालीसा, महाआरती और भंडारे के आयोजन से यहां सवा लाख नारियलों का हवन किया गया। इसी तरह रानीताल गेट नं. 2 के पास स्वयंसिद्ध हनुमान मंदिर, दक्षिणमुखी श्री बाल हनुमान मंदिर लेबर चौक, बड़े महावीर बड़ा फुहारा, छोटे महावीर कोतवाली, श्री नटबाबा मंदिर मोची कुंआ गढ़ाफाटक, श्री हनुमान मंदिर नौदराब्रिज, श्री कटरा वाले महावीर स्वामी मिलोनीगंज, श्री हनुमान मंदिर अधारताल, श्री हनुमान मंदिर दमोहनाका, पंचमुखी हनुमान मंदिर स्नेह नगर में सुन्दरकाण्ड अखण्ड रामायण पाठ के बाद भंडारे के आयोजन किये गये। रानीताल चौक हनुमान मंदिर में श्री बजरंग मठ सूपाताल में भी हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाई गई। कल सुबह से देर रात तक नगर के हनुमान मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठानों की धूम के साथ श्रद्धालुओं की रेलमपेल मची रही। विगत वर्षों से हनुमान जन्मोत्सव पर श्रद्धा और आस्था का सैलाब बढ़ता जा रहा है।

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर नगर के प्रायः सभी हनुमान मंदिर में अखण्ड रामायण पाठ चलते रहे जिनके समापन पर हवन पूजन हुआ और दोपहर बाद भंडारे का आयोजन किया गया। शाम को मंदिरों में जो भीड़ शुरू हुई तो मध्य रात्रि तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। जगह-जगह भंडारों के साथ आने जाने वाले राहगीरों को प्रसाद वितरण भी किया जाता है।

श्री बाल रुपी हनुमान मंदिर लेबर चौक में सुंदरकांडपाठ के साथ हवन, पूजन हुआ। यहां समाज सेवी कैलाश साहू, दीपक साहू, आभा, रजनी एवं एडवोकेट सुर्वणा वरण्यम ने अनुष्ठान में भाग लिया। इसी तरह नटबाबा मंदिर गढ़ाफाटक में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, इसके बाद प्रसाद वितरण किया गया।

हनुमान शक्ति मंदिर सुनरहाई

सराफाबाजार सुनरहाई चौक पर स्थित श्री हनुमान शक्ति मन्दिर में पुजारी ओंकार मिश्रा ने धार्मिक अनुष्ठान किए। वे पिछले 47 सालो से यहां सेवा करते आ रहे हैं यहां जब कुछ भी नहीं था हनुमान जी की प्रतिमा के अलावा यहां के कुछ लोगों के सहायता से मंदिर का निर्माण कराया गया। खासकर अंजना राठौर बसंती सोनी, और नमिता राठौर का हर पर्व पर विशेष योगदान रहता है।

हनुमान जन्मोत्सव पर सिहोरा खितौला में अनेक आयोजन

वाहन रैली में देखने मिला भक्ति और शक्ति का बेजोड़ संगम

सिहोरा। अंजनी के लाल महाबली संकट मोचन पवन पुत्र हनुमान का जन्मोत्सव शनिवार को सिहोरा नगर एवं उपनगर खितौला के साथ ग्रामीण क्षेत्रो में श्रद्धा और आस्था के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर हिन्दू उत्सव समिति के तत्वाधान मैं निकाली गई विशाल एवं ऐतहासिक वाहन रैली में भक्ति और शक्ति का बेजोड़ संगम देखने को मिला। हनुमान मंदिरो में शाम तक हवन,पूजन, कन्या भोजन तथा भंडारे का दौर चलता रहा। वहीं वाहन रैली पथ पर श्रद्धा का सैलाव उमड़ पड़ा तथा वाहन रैली में चल रहे हनुमान राम भक्तों पर महिलाओं ने जगह जगह पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। रैली की खास बात यह रही की नगर के इस सबसे बडे धार्मिक आयोजन में सारा हिन्दू समाज एक जुट दिखा।इसी तरह जगह जगह आतिशबाजी का अदभूत नजारा देखने को मिला। जन्मोत्सव पर पूजन अर्चन के बाद बाबाशाला से अपने वाहनो में भगवा ध्वज लगाकर सैकड़ों युवाओं के दोपहिया,तिपहिया वाहनों के साथ विशाल वाहन रैली अंजनी के लाल की, जय श्रीराम के गगन भेदी जयकारे लगाते हुये निकली करीब 2 किलोमीटर की लम्बी इस रैली में हजारो युवा बच्चे शामिल हुए। पवन सुत के जन्मोत्सव पर सिहोरा रोड रेल्वे स्टेशन के पास स्थित हनुमान मंदिर,सिविल कोर्ट के सामने,पुराना बस स्टेण्ड के पास स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर,बाबाशाला,सरावगी मोहल्ला, कोर्ट के सामने,ज्वालामुखी तिराहा वार्ड क्रमांक 2, नया बस स्टेंड आदि में हनुमान जी के मंदिरो में दिनभर भण्डारे चलते रहे।

पाटन में धूमधाम से मनाई हनुमान जयंती

पाटन। हनुमान जयंती के अवसर पर नगर में भगवान हनुमान मंदिर में भक्तों के द्वारा हवन पूजन जलाभिषेक करके उत्सव मनाया गया। सुबह से मंदिर में सुन्दर काण्ड और श्री राम चरित्र मानस पाठ का आयोजन किया गया। बाजार चौधरी मुहल्ला गुरू मुहल्ला थापक वार्ड नाका नंबर 2 मंदिर सहित भगवान श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में गुरू परिवार के सभी लोगों ने सुबह से ही अपने आराध्य देव का सिन्दूर चोला के साथ अनुष्ठान किए। बाजार स्थित अंजनी पुत्र मंदिर में भगवान हनुमान जी की भव्य और आकर्षण युक्त सिद्ध मूर्ति विराजमान है जहां दर्शन के लिए भक्तों की भीड देखी गयी और आज जन्मोत्सव पर विशेष शोभायात्रा का आयोजन कर भगवान हनुमान जी को पूरी निष्ठा समर्पण और भक्ति भाव से नगर भ्रमण कराया गया जिसमे समिति सदस्यो के साथ नगर के गणमान्य नागरिक जनपतिनिधि सहित भक्त जन उपस्थित रहे।

मझौली में निकली विशाल शोभा यात्रा

मझौली। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष हनुमान जयंती पर विशाल शोभा यात्रा बड़ी ही धूमधाम से निकली गई एवं जगह जगह अखंड रामायण पाठ एवं भजन कीर्तन भण्डार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विशाल शोभा यात्रा पवनसुत आश्रम मझौली से प्रारंभ विश्व हिन्दू परिषद मझौली के द्वारा किया गया यह नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए वापस राम जानकी मंदिर में समाप्त हुई। शोभा यात्रा में सांसद आशीष दुबे, विधायक अजय विश्नोई, पं निलेश अवस्थी, दिनेश चौरसिया, राजेंद्र चौरसिया, दिनेश चौबे, विजय नेता मदन साहू मुन्नू सोनी महेंद्र कोस्टा उर्मिला दहीया आदि समस्त नगर ग्रामवासी उपस्थित थे शोभा यात्रा में आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गई जगह जगह शोभा यात्रा का स्वागत किया गया।

बाबा भीमराव अंबेडकर प्रतिमा का रंग हुआ सुनहरा

अजाक्स की मांग पर निगमायुक्त ने कराया तहसीली चौक का सौंदर्यीकरण

जबलपुर। अजाक्स संघ के अध्यक्ष अमित मेहरा द्वारा 25 अप्रेल को निगमायुक्त प्रीति यादव को ज्ञापन सौंपते हुये मांग की गई कि 14 अप्रैल 2025 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 134वाँ जन्मदिवस कार्यक्रम तहसीली चौक में आयोजित किया जाना है, अतः कार्यक्रम के पूर्व तहसीली चौक स्थित भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर सुनहरा रंग एवं प्रतिमा के समीप आने-जाने हेतु दोनों तरफ से सीढ़ी की व्यवस्था कराई जाए। संघ की मांग को स्वीकारते हुये निगम आयुक्त ने तत्काल कार्यवाही करते हुये उद्यान विभाग को आदेशित किया कि 14 अप्रैल 2025 से पूर्व तहसीली चौक स्थित अंबेडकर प्रतिमा पर सुनहरा रंग एवं प्रतिमा के समीप सीढ़ी की व्यवस्था करायी जावे। निगमायुक्त प्रीति यादव को ज्ञापन प्रेषित करने हेतु अजाक्स संघ के अध्यक्ष अमित मेहरा, जगदीश नन्हेट, अचैया कोरी, राजेन्द्र पटेल, मन्नूलाल पटेल, गुलशन जबलपुरी, रामाराव मगरदे, कालूराम सोलंकी, समीम भईजान, सामियल, दयाराम धुर्वे, श्रीनिवासलू, कोयरी नायडू, रामू, जे. प्रवीण, महेन्द्र मलिक, सोनू श्रीवास, राममूर्ति, राहुल कोरी, सुनील सिगोटिया सहित अधिक संख्या में संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा निकली

जबलपुर। जबलपुर हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से प्रत्येक माह की पूर्णिमा को सैकड़ो वर्षों से निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा चैत्र पूर्णिमा पर सुबह 465 वी परिक्रमा संचालक भगवान श्री हनुमान जी महाराज की सूक्ष्म उपस्थिति में स्वामी रामचंद्र दास महाराज सिद्धन माताजी बड़ी खेरमाई ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल के साथ नर्मदा भक्त हाथों में भगवा ध्वज लेते हुए संकीर्तन मंडलियों के साथ हनुमान जी महाराज का गुणगान करते हुए निकली। नर्मदा महाआरती संस्थापक एवं परिक्रमा अध्यक्ष डॉ सुधीर भगवान ने बताया परिक्रमा वासियों को बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी खेरमाई ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा के संरक्षक श्रीमती सुषमाशंकर पटेल पं मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल राघवेंद्र शुक्ला विनोद दीवान मनोज गुलाबवानी घनश्याम बबेले कैलाश विश्वकर्मा विशाल पंड्या प्रभाकर चतुर्वेदी सत्य प्रकाश नामदेव अवधेश खरे सचिन अग्रवाल एडवोकेट रवि चौरसिया पुणे से आई नर्मदा भक्तों की टोली उपस्थित थी।

पंचशील बौद्ध विहार में धम्मदेशना कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। पंचशील बुद्ध विहार जयभीम नगर ग्वारीघाट के तत्वावधान में 12 अप्रेल को अंतर्राष्ट्रीय भिक्षुणी अय्याजी साक्य धम्मदिन्ना का धम्मदेशना का समापन हुआ। अंतर्राष्ट्रीय अय्याजी धम्मदिन्ना ने विश्व गुरु तथागत गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर मोमबत्ती, अगरबत्ती प्रज्जवलित कर पुष्प अर्पित किए एवं डॉ. भीमराव आम्बेडकर प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उपासिका छाया धावर्डे ने अय्याजी का स्वागत पुष्प देकर किया। पांच दिन की धम्मदेशना पर्व पर सभी बुद्ध विहारों के उपासक, उपासिकाओं को पुरस्कार वितरित किए गए। उपासक एवं उपासिकाओं को धम्मदेशना के बाद विश्व गुरु तथागत गौतम बुद्ध की खीर, फल एवं भोजन का प्रसाद वितरित किया गया।

श्रीमती लक्ष्मी रानी चक्रवर्ती- अग्रवाल कॉलोनी निवासी श्री रविकांत चक्रवर्ती की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी रानी चक्रवर्ती (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सरोज बाई ठाकुर- नई बस्ती आईटीआई माढ़ोताल निवासी श्री कमलेंद्र सिंह ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज बाई ठाकुर (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री नवनीत उपाध्याय- गंगानगर गढ़ा निवासी श्री नवनीत उपाध्याय (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मधु बशंकार- प्रेमसागर निवासी श्री विजय बंशकार की धर्मपत्नी श्रीमती मधु बंशकार (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नितिन कुमार शर्मा- कालीमठ आमनपुर निवासी श्री चंद्रकांत शर्मा के पुत्र श्री नितिन कुमार शर्मा (33) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जगदीश कोरी- सिद्धबाबा वार्ड तुलाराम के अखाड़े के पास निवासी श्री जगदीश कोरी (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री संजीव कुमार देव- शास्त्री नगर त्रिपुरी वार्ड गढ़ा निवासी श्री संजीव कुमार देव (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रदीप चौधरी- बाबा टोला ठक्कर ग्राम निवासी श्री पंचम लाल चौधरी के पुत्र श्री प्रदीप चौधरी (25) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री इंदू प्रसाद राय- आर/46, वार्ड नं. 14, सिविल लाइन निवासी श्री इंदू प्रसाद राय (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती ममता चौधरी- ठक्कर ग्राम जानकी दास मंदिर के पास निवासी श्री राजकुमार चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती ममता चौधरी (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री जीतेंद्र पिल्ले- बंगला नं. 25 चंसोरिया कम्पाउंड सदर निवासी श्री जीतेंद्र पिल्ले (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सरला गुप्ता- न्यू कंचनपुर अधारताल निवासी श्री संपत लाल गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती सरला गुप्ता (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री विश्वनाथ समुंद्रे- लाल कुंआ पोलीपाथर निवासी श्री विश्वनाथ समुंद्रे (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रकाश वाल्मीक- मझौली निवासी श्री प्रकाश वाल्मीक (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री राम सुमर तिवारी- कटरा अधारताल निवासी श्री राम सुमर तिवारी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दुर्गा प्रसाद दाहिया- यादव मोहल्ला रामपुर निवासी श्री दुर्गा प्रसाद दाहिया (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
फिक्स साइज:- से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज से.मी. रंगीन 1000/-
अन्य साइज प्रति स्क्वायर से.मी.
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

विधिक सहायता एवं जागरुकता शिविर आज

जबलपुर। संस्कारधानी में स्वर्गीय श्री वाय.एस. धर्माधिकारी वार्षिक विधिक सहायता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन 13 अप्रैल 2025 को किया जाएगा। उक्त जानकारी शनिवार शाम 4.30 बजे आयोजित पत्रकार वार्ता में रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर प्रीमियर के अध्यक्ष सार्थक सेठी व एडवोकेट शिवेन्द्र पांडे ने दी। कन्वेनियर शिवेंद्र पांडे ने बताया राइट टाउन स्थित स्मार्ट सिटी ऑफिस के सामने पटेरिया कम्पाउंड में आयोजित शिविर न्यायप्रिय, जनसेवक और प्रतिष्ठित विधिवेत्ता स्वर्गीय श्री वाय.एस. धर्माधिकारी की स्मृति में, प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला विधिक सहायता एवं जागरुकता शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों को उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करना है। यह आयोजन श्री विवेक कृष्ण तन्खा, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सांसद के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में संपन्न हो रहा है।

आरती शर्मा को मिली पीएचडी की उपाधि

जबलपुर। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा द्वारा शिवाजी नगर निवासी आरती शर्मा को प्राणीशास्त्र विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। आरती ने कुपोषण और एनीमिया नियंत्रण के लिए प्रयुक्त चयनित लोक साहित्य/पारंपरिक फार्मूलेशन का दस्तावेजीकरण, मानकीकरण और पोषण मूल्य विश्लेषण विषय पर शोध किया। आरती ने डॉ. शिवेश प्रताप सिंह के निर्देशन में शोध किया। आरती की इस उपलब्धि पर उनके पति अविनाश शर्मा, ससुर जनमेजय शर्मा, सास धर्मा शर्मा, पिता अशोक शर्मा, माता रेखा शर्मा और परिवारजनों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। आरती वर्तमान में श्री राम कॉलेज में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं।

सिध्दवन धाम में अखंड मानस पाठ का आयोजन

जबलपुर। भेड़ाघाट के सहजपुर से एक किलो मीटर की दूरी पर स्थित सिद्धवन धाम में शनिवार को हनुमान जी का जन्मोंउत्सव धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर भव्य श्रृंगार कर अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन भी किया गया था इसमें क्षेत्रीय ग्रामीणों की विशेष सह भागिता रही।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS **ASHADEVI MADHUSUDAN LONARE** AFTER MARRIAGE I, HAVE CHANGED NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS **ASHA SANJAY KUMAR CHOURE** W/O SANJAY KUMAR CHOURE RESIDEND OF - NAVODAYA VIDALAYA, PADMI, MANDLA (M.P.) 481661

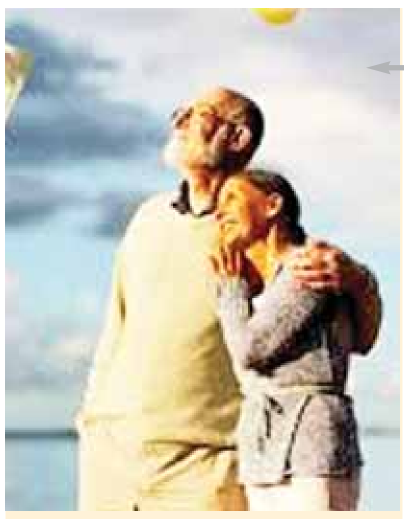

रिटायरमेंट पर तीन करोड़ चाहिए, तो ऐसे करें निवेश

सुझाव | बिजनेस डेस्क

- कुछ निवेश की स्कीम आपको बना सकती हैं धनवान
- हर कोई बना सकता है रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड
- एनपीएस और म्यूचुअल फंड निवेश के बेहतर विकल्प

क्या आप चाहते हैं कि जब आप अपनी नौकरी से रिटायर हों तो आपके पास कम से कम 3 करोड़ रुपये की रकम जरूर हो। यानी रिटायरमेंट फंड 3 करोड़ रुपये हो, ताकि आप बाकी की जिंदगी आराम से गुजार सकें और अपने खर्चों को मेंटेन कर सकें। इसके लिए आपको कई स्कीम में निवेश करना होगा। बेहतर होगा कि निवेश का प्लान जल्दी से जल्दी बना लिया जाए। अगर आपकी उम्र अभी 35 साल है तो भी अगले 25 साल में आप 3 करोड़ रुपये का रिटायरमेंट फंड इकट्ठा कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि आप किस तरह की रणनीति बनाएं कि 25 साल में 3 करोड़ रुपये का फंड जुटा सकें और बुढापे को आराम से काट सकें।

एक उदाहरण ऐसे समझें रणनीति

मान लिजिए एक्स की उम्र अभी 35 साल है। उसका लक्ष्य है कि वह 10 साल में 20 लाख रुपये जमा करें। साथ ही अगले 25 साल में 3 करोड़ रुपये का रिटायरमेंट फंड बनाए। एक्स ने अपने लक्ष्य को पाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। वह पहले से ही नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में योगदान कर रहे हैं। अब वह हर महीने 20,000 रुपये म्यूचुअल फंड में लगाना चाहते हैं। हालांकि एक्स जानना चाहते हैं कि वह रकम को और कहां निवेश कर सकते हैं। जिससे उसके पैसे से मोटा पैसा बनाया जा सके।

क्या है एक्सपर्ट की राय

बाजार के जानकारों का कहना हहै कि एक्स अभी एम्प्लॉयर-एम्प्लॉई स्कीम में योगदान कर रहे हैं। इसका मतलब है कि वह अपनी सैलरी से 10% योगदान करते हैं और एम्प्लॉयर 14% योगदान करते हैं। अभी वह हर महीने 15,000 रुपये निवेश कर रहे हैं। अगर सैलरी में हर साल 7% की बढ़ोतरी होती है और उसी के अनुसार योगदान भी बढ़ता है। ऐसे में 10% सीएजीआर (सीएजीआर) के हिसाब से उनका एनपीएस निवेश 25 साल में करीब 3.42 करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है। सीएजीआर का मतलब है सालाना चक्रवृद्धि ब्याज दर। चक्रवृद्धि ब्याज ही एक ऐसा उपाय है जो आपको कम समय में अमीर बना सकता है।

एनपीएस में इस बात का रखें ध्यान

एनपीएस में निवेश के जरिए वह रिटायरमेंट पर 3 करोड़ रुपये का फंड पा सकते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि एनपीएस फंड का केवल 60% ही रिटायरमेंट के समय एकमुश्त निकाला जा सकता है। बाकी 40% का इस्तेमाल एन्युटी खरीदने के लिए किया जाना चाहिए। एन्युटी का मतलब है कि आपको हर महीने एक निश्चित राशि मिलती रहेगी।

म्यूचुअल फंड से कितनी मिलेगी रकम

एक्स एनपीएस के अलावा हर महीने 20,000 रुपये म्यूचुअल फंड में भी निवेश करने की योजना बना रहे हैं। अगर 12% का सालाना रिटर्न मान लें तो 10 साल में उनके पास करीब 45 लाख रुपये का फंड इकट्ठा हो जाएगा। ऐसे में वह इस रकम का इस्तेमाल अपने किसी जरूरी काम में कर सकते हैं। वहीं अगर वह इस एसआईपी को पूरे 25 साल तक जारी रखते हैं तो वह इतने समय में करीब 3.40 करोड़ रुपये का फंड इकट्ठा कर लेंगे। यानी रिटायरमेंट पर उन्हें जितनी रकम मिलेगी, करीब उतनी रकम वह एसआईपी में निवेश से भी ले सकेंगे। ऐसे में वह रिटायरमेंट पर कुल करीब 7 करोड़ रुपये का फंड तैयार कर लेंगे। अगर आप एनपीएस में निवेश नहीं करना चाहते तो एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में भी निवेश करके 3 करोड़ रुपये से ज्यादा का रिटायरमेंट फंड तैयार कर सकते हैं।

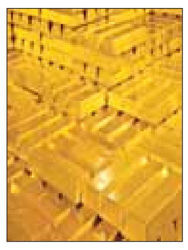

गोल्ड ने शेयर बाजार से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया, देश में आर्थिक मंदी के दौरान भी चमकता रहा सोना

असली रिटर्न तो सोने ने दिया

25 वर्ष में 2,027% का मुनाफा

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

- यह निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प, इक्विटी से बेहतर
- 25 साल में सोने ने 2,027% और निफ्टी ने 1,470% रिटर्न दिया
- एसजीबी की अनुपलब्धता में गोल्ड ईटीएफ निवेश का अच्छा तरीका

2008 की आर्थिक मंदी और कोरोना महामारी के दौरान भी सोने ने अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय निवेशकों के लिए सोना अच्छा विकल्प है। यह उन्हें अपने निवेश को अलग-अलग चीजों में बांटने में मदद करता है। अब सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) उपलब्ध नहीं है। इसलिए गोल्ड ईटीएफ सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है।

निवेश के मामले में सोना आखिरकार खरा सोना है। यह निवेश का सबसे सुरक्षित और अच्छा मुनाफा देने वाला विकल्प है। सोने में कई तरीके से निवेश किया जा सकता है। देश में चाहे मंदी हो या शेयर बाजार में उथल-पुथल, लेकिन सोना हमेशा चमकता रहा और निवेशकों को मालामाल करता रहा। इसलिए बाजार के जानकार भी सोने में निवेश करने की कहते हैं। पिछले 25 सालों के आंकड़े को देखा जाए तो सोने ने इक्विटी (शेयर बाजार) से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, हाल के वर्षों और खासकर आर्थिक मंदी के दौरान भी सोने ने अच्छा रिटर्न दिया है। सोने में निवेश का सबसे अच्छा तरीका गोल्ड ईटीएफ माना जा रहा है, खासकर भारतीय निवेशकों के लिए। निवेशकों के लिए सोना एक सुरक्षित विकल्प माना जाता है। यह उन्हें भरोसा दिलाता है कि उनका पैसा भरोसेमंद चीज में लगा है। एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जेरोधा ने सोने और निफ्टी-50 के प्रदर्शन की तुलना की है। उन्होंने पाया कि वर्ष 2,000 से सोने ने 2,027% का रिटर्न दिया है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के बेंचमार्क इंडेक्स ने 1,470% का रिटर्न दिया। यह दिखाता है कि सोना मुश्किल समय में भी अच्छा प्रदर्शन करता है। 2008 की आर्थिक मंदी और कोरोना महामारी के दौरान भी सोने ने अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय निवेशकों के लिए सोना अच्छा विकल्प है। यह उन्हें अपने निवेश को अलग-अलग चीजों में बांटने में मदद करता है। अब सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए गोल्ड ईटीएफ सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है।

ऐसे की तुलना

जेरोधा ने एक चार्ट भी दिखाया, जिसमें सोने और निफ्टी के प्रदर्शन की तुलना की गई। चार्ट में दिखाया गया है कि निफ्टी आर्थिक मंदी के दौरान नीचे गिर गया था, लेकिन सोना स्थिर रहा। उन्होंने कहा, 'कोई नहीं बता सकता कि सोने की कीमतें क्यों बढ़ती हैं, लेकिन यह काम करता है।'

2025 में सोने की कीमत 18% बढ़ी

हाल के दिनों में सोने ने अच्छा प्रदर्शन किया है। 2025 में सोने की कीमत 18% बढ़ी, जबकि निफ्टी लार्ज मिडकैप 250 में 6% की गिरावट आई। 2024 में सोने ने 25% का रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी लार्जकैप 250 ने 19% का रिटर्न दिया। यह दिखाता है कि सोना बाजार में अस्थिरता के समय में भी अच्छा प्रदर्शन करता है। 2005 से सोने ने हर साल औसतन 20% का रिटर्न दिया है। सिर्फ तीन बार ऐसा हुआ है जब सोने का रिटर्न नेगेटिव रहा है। 2023 में यह 18% गिरा, 2015 में 8% और 2021 में 2%। सोने ने इक्विटी से बेहतर रिटर्न दिया है। उन्होंने कहा, 'मैं तारीखों को थोड़ा बदल रहा हूं, लेकिन यह सच है कि 2000 से सोने ने निफ्टी से ज्यादा रिटर्न दिया है।'

सोने में निवेश का सबसे अच्छा तरीका

गोल्ड ईटीएफ भारतीय निवेशकों के लिए सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका है। खासकर अब जब एसजीबी उपलब्ध नहीं हैं। जेरोधा एएमसी के गोल्ड ईटीएफ गोल्डकेस के लॉन्च के बारे में भी बात की। यह सही समय पर लॉन्च हुआ है, क्योंकि सोने की कीमतें बढ़ रही हैं और एसजीबी का जारी होना बंद हो गया है। सोने को ज्यादातर निवेशक एक सुरक्षित ठिकाना मानते हैं। उन्हें लगता है कि सोना एक ऐसी संपत्ति है जिस पर वे भरोसा कर सकते हैं। पिछले कुछ सालों में सोने ने शेयर बाजार से बेहतर प्रदर्शन किया है।

सोने में निवेश के तरीके

- भौतिक सोना खरीदना
- सोने के सिक्के या बार : सोने के सिक्के या बार खरीदना एक पारंपरिक तरीका है।
- सोने के जेवर : सोने के जेवर भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- सोने के बर्तन : सोने के बर्तन भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ)

- गोल्ड ईटीएफ में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।

गोल्ड म्यूचुअल फंड्स

- गोल्ड म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- गोल्ड म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।

ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म

- ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म जैसे कि पेटीएम गोल्ड, गोल्डबाज़ार, आदि पर सोने में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर सोने में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।

सोने के शेयर और फ्यूचर्स

- सोने के शेयरों में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- सोने के फ्यूचर्स में निवेश करना एक जोखिम भरा विकल्प हो सकता है।

निवेश से पहले यह करें

- सोने में निवेश करने से जोखिम जुड़ा हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि अपने निवेश के लक्ष्य तय करें, जैसे कि लंबी अवधि के लिए निवेश करना या अल्पावधि में लाभ कमाना। अपने निवेश की राशि तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।

कम अमाउंट से भी बढ़ता जाएगा आपका पैसा, कुछ दिनों में आपके पास अच्छी खासी रकम होगी, रिकरिंग डिपॉजिट एक सुरक्षित निवेश विकल्प

सेविंग के लिए मोटी रकम नहीं है तो आरडी की आदत डालें

देखा जाए तो आरडी उन लोगों के लिए बेहतर है, जिनकी इनकम फिक्स है और वे नियमित रूप से बचत करना चाहते हैं। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो बड़ी रकम एकमुश्त जमा नहीं कर सकते हैं। आरडी आपको छोटी-छोटी बचत से बड़ा फंड बनाने में मदद करता है।

जानकारी | बिजनेस डेस्क

भारत में निवेश के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट एक बहुत ही लोकप्रिय और सुरक्षित विकल्प है। इसमें निवेशकों का पैसा सुरक्षित रहता है और रिटर्न की गारंटी भी मिलती है, लेकिन इसके लिए बड़ी रकम की जरूरत होती है। अगर आपके पास बड़ी रकम नहीं है, तो चिंता की बात नहीं! रिकरिंग डिपॉजिट भी एक ऐसा विकल्प है, जिसमें आप छोटी-छोटी रकम जमा करके बड़ा फंड बना सकते हैं.

आरडी यानी रिकरिंग डिपॉजिट क्या है

आरडी यानी रिकरिंग डिपॉजिट एक ऐसी बचत योजना है, जिसमें आप हर महीने एक निश्चित रकम जमा करते हैं। यह उन लोगों के लिए आदर्श है, जिनकी इनकम फिक्स है और वे नियमित रूप से बचत करना चाहते हैं। आरडी में आप कम अमाउंट से शुरुआत कर सकते हैं और समय के साथ बड़ा रिटर्न पा सकते हैं।

आरडी कैसे करता है काम

आरडी में निवेशक हर महीने एक तय अमाउंट जमा करते हैं। यह समय 6 महीने से 10 साल तक हो सकता है। बैंक या पोस्ट ऑफिस इस जमा अमाउंट पर ब्याज देते हैं। यह ब्याज आमतौर पर हर तीन महीने में जोड़ा जाता है यानी क्वॉटर्ली कम्पाउंडेड होता है। जब आरडी मैच्योर होता है, तो निवेशक को कुल जमा रकम के साथ उस पर मिला ब्याज भी मिलता है। यह एक अच्छा तरीका है अपने पैसे को बचाने और बढ़ाने की शुरूआत कर सकते हैं। इससे कुछ समय में आप अपनी पूंजी को बढ़ा सकते हैं।

आरडी के फायदे

- हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम जमा कर आप बड़ी रकम जुटा सकते हैं और छोटी अवधि वाले वित्तीय लक्ष्यों जैसे बच्चों की फीस, छुट्टियों की प्लानिंग या नया मोबाइल फोन खरीद सकते हैं। पैसे को कहीं भी किसी भी काम में ला सकते हैं।
- जो लोग बचत के मामले में थोड़े आलसी हैं, उनके लिए आरडी एक बढ़िया तरीका है डिसिप्लिन लाने का। एक बार सेट कर दिया, फिर हर माह रकम अपने आप कटती रहेगी।
- स्टॉक मार्केट की तरह उतार-चढ़ाव नहीं, आरडी पूरी तरह सुरक्षित है। आपका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है और आपको गारंटीड रिटर्न भी मिलता है। इसलिए आपको इस निवेश में घबराने की जरूरत नहीं होती।
- आरडी पर मिलने वाला ब्याज फिक्स होता है, और उस पर कंपाउंडिंग लागू होती है। यानी ब्याज पर ब्याज, जिससे आपकी कमाई और बढ़ती जाती है।
- आरडी खोलना बेहद आसान है—बैंक की ऐप या वेबसाइट से बस कुछ क्लिक में अकाउंट खुल जाता है और अगर आप पोस्ट ऑफिस स्कीम चुनते हैं, तो वहाँ भी प्रोसेस सिंपल है।

आरडी के कुछ नुकसान भी

- समय से पहले निकासी पर नुकसान होता है। अगर आप आरडी को मैच्योरिटी से पहले तोड़ते हैं तो उस पर पेनाल्टी लगती है और ब्याज भी कम मिल सकता है। यानी 'जल्दबाज़ी में नुकसान हो सकता है। इसलिए आरडी पूरी होने पर ही पैसा निकलवाएं।
- आप एक बार जितना अमाउंट सेट कर देते हैं, वही हर महीने जमा करना होता है। बीच में ज्यादा पैसा डालना है? तो नए आरडी खोलनी पड़ेगी। यानी इसमें कोई फ्लेक्सिबिलिटी नहीं होती।
- अगर आरडी की शुरुआत के बाद मार्केट में ब्याज दरें बढ़ जाएं, तो आपको फायदा नहीं मिलेगा। आपकी आरडी पुरानी दर पर ही चलती रहेगी।
- आरडी पर मिलने वाला ब्याज पूरी तरह टैक्सेबल है। अगर सालाना ब्याज 40,000 रुपये (या सीनियर सिटीजन के लिए 50,000) से ज्यादा होता है, तो इस पर टीडीएस भी कटता है।

किन लोगों के लिए बेहतर

देखा जाए तो आरडी उन लोगों के लिए बेहतर है, जिनकी इनकम फिक्स है और वे नियमित रूप से बचत करना चाहते हैं। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो बड़ी रकम एकमुश्त जमा नहीं कर सकते हैं।

इंडेक्स फंड का क्या है, निवेश से समझ लें नफा व नुकसान

इंडेक्स फंड एक ऐसा इनवेस्टमेंट ऑप्शन है, जिसमें निवेशक एक तय इंडेक्स जैसे निफ्टी 50 या सेंसेक्स को फॉलो करने वाली स्कीम में पैसे लगाते हैं। निवेश का यह तरीका पैसिव इन्वेस्टमेंट कहलाता है, जिसमें फंड मैनेजर खुद स्टॉक्स नहीं चुनते, बल्कि इंडेक्स में शामिल शेयरों के अनुपात के अनुसार पोर्टफोलियो तैयार करते हैं। इंडेक्स फंड में निवेश करना हमारे लिए सही है या नहीं, यह जानने के लिए इसके मायने, फायदे और नुकसान को समझना जरूरी है।

क्या होते हैं इंडेक्स फंड

इंडेक्स फंड ऐसे म्यूचुअल फंड होते हैं जो किसी एक खास स्टॉक मार्केट इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करते हैं। मिसाल के तौर पर अगर कोई इंडेक्स फंड निफ्टी 50 को फॉलो करता है, तो वह उन्हीं 50 स्टॉक्स में उसी अनुपात में निवेश करेगा जैसे वो इंडेक्स में होते हैं। यह तरीका एक्टिव फंड्स से अलग होता है, जहां फंड मैनेजर बाजार से बेहतर रिटर्न हासिल करने के मकसद से स्टॉक्स का सेलेक्शन करते हैं।

इंडेक्स फंड में निवेश के फायदे

1. **डायवर्सिफिकेशन** : इंडेक्स फंड की सबसे बड़ी खूबी है। एक इंडेक्स फंड में निवेश करके आप एक ही बार में कई कंपनियों के शेयरों में पैसे लगा पाते हैं। इससे रिस्क का लेवल कम होता है।
2. **कम खर्च** : इन फंड्स का खर्च अन्य एक्टिव फंड्स की तुलना में काफी कम होता है, क्योंकि इसमें रिसर्च और स्टॉक सिलेक्शन की जरूरत नहीं होती।
3. **नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प** : जो लोग निवेश की शुरुआत कर रहे हैं, उनके लिए यह एक समझने में आसान विकल्प होता है। निवेशक बिना ज्यादा रिसर्च के भी लॉन्ग टर्म में बेहतर रिटर्न पा सकते हैं।
4. **फंड मैनेजर पर निर्भर नहीं** : चूंकि इंडेक्स फंड पैसिव तरीके से चलते हैं, इसलिए किसी मैनेजर के गलत फैसले का रिस्क नहीं होता।

इंडेक्स फंड में निवेश के नुकसान

1. इन फंड्स का उद्देश्य सिर्फ इंडेक्स को फॉलो करना होता है, न कि उसे पीछे छोड़ना। इसलिए बाजार में तेजी के दौरान भी यह सीमित रिटर्न ही देते हैं।
2. एक्टिव फंड्स की तुलना में इंडेक्स फंड्स में फंड मैनेजर के हाथ बंधे होते है, लिहाजा गिरावट के दौरान भी वो पोर्टफोलियो में बदलाव नहीं कर सकते, जबकि फ्लेक्सी कैप या मल्टी कैप जैसे फंड्स में फंड मैनेजर वक्त के हिसाब से निवेश रणनीति में बदलाव करके बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं।
3. कई बार फंड का प्रदर्शन इंडेक्स से पूरी तरह मेल नहीं खाता, जिसे ट्रैकिंग एरर कहा जाता है। मामूली ट्रैकिंग एरर तो आम बात है, लेकिन यह एरर बढ़ जाए, तो निवेशक के रिटर्न पर असर डाल सकता है।

भारत के प्रमुख स्टॉक मार्केट इंडेक्स

निफ्टी 50 : यह इंडेक्स भारत की टॉप 50 बड़ी कंपनियों के प्रदर्शन को दर्शाता है और एनएसई का सबसे पॉपुलर इंडेक्स है।

बीएसई सेंसेक्स : यह बीएसई की टॉप 30 कंपनियों पर आधारित है और निफ्टी 50 की तरह ही भारतीय शेयर बाजार के मुख्य इंडेक्स में शामिल है।

निफ्टी नेक्स्ट 50 : यह निफ्टी 50 के बाद अगली 50 बड़ी कंपनियों का इंडेक्स है और डाइवर्सिफिकेशन के लिए बेहतर माना जाता है।

निफ्टी बैंक : यह इंडेक्स भारतीय बैंकिंग सेक्टर के टॉप स्टॉक्स को ट्रैक करता है।

बीएसई मिडकैप, निफ्टी स्मॉलकैप : ये इंडेक्स मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियों के प्रदर्शन को दिखाते हैं, जिनमें निवेश के साथ हाई रिटर्न और हाई रिस्क की संभावना जुड़ी हुई है। इंडेक्स फंड्स पर विचार करते समय समझने में आसान और डायवर्सिफिकेशन पर जोर देने वाले इंडेक्स को प्राथमिकता देनी चाहिए। आमतौर पर छोटे और नए निवेशकों को सेक्टोरल, थीमैटिक या एक से ज्यादा फैक्टर्स पर आधारित फैंसी नामों वाले मल्टी फैक्टर पैसिव फंड्स से दूर रहना चाहिए, क्योंकि उनमें रिस्क अधिक होता है।

सभी पुराने कर्ज मिलाकर नया लोन लेना फायदे का सौदा या मुसीबत

योजना | बिजनेस डेस्क

एक साथ कई कर्ज़ों को संभालना और समय पर सबका भुगतान करना मुश्किल हो जाता है। इससे कभी-कभार किस्त चूकने का खतरा भी होता है। ऐसे में सभी कर्जों को मिलाकर एक ही आसान किस्त में चुकाना एक समझदारी भरा कदम हो सकता है। डेट कंसोलिडेशन यानी डेट कंसोलिडेशन एक ऐसी रणनीति है, जिसमें आपके सारे पुराने कर्ज़ों को मिलाकर एक नया लोन बना दिया जाता है। इससे आपको कई किस्तों की जगह सिर्फ एक ही ईएमआई भरनी होती है। यह प्रक्रिया बैंक या फाइनेंशियल इंस्टिट्यूट के जरिए की जाती है। डेट कंसोलिडेशन से पुराने लोन चुकाने की प्रक्रिया आसान हो जाती है। साथ ही, इसमें ब्याज दर कम होने की संभावना होती है या चुकाने का समय बढ़ सकता है, जिससे आपकी जेब पर बोझ भी कम पड़ता है।

पैसे उधार लिए शख्स को सिर्फ एक ही ईएमआई भरनी होगी

अपने सभी मौजूदा कर्जों का आकलन करें

सबसे पहले यह समझें कि आपने कुल कितना कर्ज लिया हुआ है। हर लोन पर कितना ब्याज लग रहा है, कितने समय में चुकाना है और कहीं कोई जुर्माना या एक्स्ट्रा चार्ज तो नहीं है, ये सब बातें जांच लें। इससे आपको अपनी वित्तीय हालत का सही अंदाजा लगेगा और सही फैसला लेने में मदद मिलेगी।

लोन लेने की योग्यता समझें

आपका क्रेडिट स्कोर यह बताता है कि आपने अब तक अपने कर्ज कैसे चुकाए हैं। अगर ये स्कोर अच्छा है, तो आपको लोन पर कम ब्याज दर मिल सकती है और लोन लेना भी आसान हो जाता है। इसलिए सबसे पहले अपना क्रेडिट स्कोर चेक करें। अगर स्कोर ज्यादा है, तो आपको बेहतर शर्तों जैसे –कम ब्याज, ज्यादा लोन राशि या लोन चुकाने के लिए ज्यादा समय पर लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि, लोन को एक साथ मिलाकर नया लोन लेने से क्रेडिट स्कोर थोड़े समय के लिए थोड़ा घट सकता है, लेकिन अगर आप समय पर किस्तें भरते रहें तो आपका स्कोर फिर से अच्छा हो सकता है।

क्या कहते हैं जानकार

बाजार के जानकारों का कहना है कि अच्छा क्रेडिट स्कोर अक्सर आपको डेट कंसोलिडेशन पर कम ब्याज दरों के लिए योग्य बनाता है। इससे कुल ब्याज खर्च कम हो जाता है और रिपेमेंट को मैनेज करना हो सकता है। अच्छा क्रेडिट स्कोर होने पर आपको लोन चुकाने के लिए ज्यादा समय मिल सकता है या जरूरत से ज्यादा पैसा भी मिल सकता है। इससे लोन चुकाना आसान हो जाता है और आप अपने पैसों को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं।

ब्याज दर और दूसरे शुल्क देखें

अपने पुराने लोन को मिलाकर जब आप नया लोन लेने की सोच रहे हों, तो यह जरूर देखें कि कहीं उस पर ज्यादा ब्याज या कोई एक्स्ट्रा चार्ज तो नहीं हैं। नया लोन तभी फायदेमंद है जब उसकी ब्याज दर और बाकी चार्ज आपके पुराने लोन से कम हों। इसलिए अलग-अलग विकल्पों की तुलना करना जरूरी है।

लोन चुकाने की अवधि और योजना देखें

अगर आप लंबे समय के लिए लोन लेते हैं तो आपकी हर महीने की किस्त (ईएमआई) कम हो सकती है, लेकिन ऐसा करने से आपको कुल मिलाकर ज्यादा ब्याज देना पड़ सकता है। इसलिए चुकाने की अवधि सोच-समझकर चुनें, ताकि आपकी जेब पर ज्यादा बोझ न पड़े।

खर्च करने की आदतों पर लगाम लगाएं

सभी मौजूदा कर्जों को मिलाकर जब आप एक नया लोन लेते हैं यानी डेट कंसोलिडेशन स्टैटेजी अपनाते हैं, तो ज़रूरी है कि आप फालतू खर्च से बचें और कोई नया कर्ज न लें। अगर आप खर्च पर कंट्रोल नहीं रखेंगे तो कर्ज कम होने के बजाय और बढ़ सकता है। इसलिए समझदारी से बजट बनाएं, ज़रूरत के मुताबिक ही खर्च करें, और समय पर किस्त चुकाएं। अगर किसी बात को लेकर भ्रम हो, तो अपने वित्तीय सलाहकार से बात करके अपनी स्थिति के हिसाब से सही सलाह जरूर लें। ऐसा करने से आपको अपनी वित्तीय हालत के हिसाब से डेट कंसोलिडेशन रणनीति आपनाने में मदद मिल सकती है।

अच्छा तरीका संभव

सभी कर्जों को मिलाकर एक लोन लेना (डेट कंसोलिडेशन) कई बार कर्ज संभालने का अच्छा तरीका हो सकता है, लेकिन इसे अपनाने से पहले ये देखना जरूरी है कि ये तरीका आपके लिए सही है या नहीं। इसका आपके पैसों पर क्या असर पड़ेगा, ये समझकर ही कोई फैसला लें। अगर आप सोच-समझकर सही फैसला लेंगे, तो कर्ज चुकाने में आसानी होगी और आपकी आर्थिक हालत भी लंबे समय तक मजबूत बनी रहेगी। पहले तो कोशिश यही करें की लोन न लेना पड़े।

अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वार कटुता के स्तर तक पहुंच गया है। यूं तो अमेरिका ने जवाबी शुल्क व आयात पर टैरिफ लगाने के प्रस्ताव को तीन महीने के लिए टाल दिया है, इसके पीछे अमेरिका में जनविरोध और टैरिफ को लेकर कई मुल्कों के साथ वार्ता कारण हो सकते हैं, लेकिन इस 90 दिनी रियायत में चीन का नाम नहीं है। मतलब अमेरिका व चीन के बीच आयात व निर्यात नए टैरिफ दर पर ही होंगे। अमेरिका ने 145 प्रतिशत टैरिफ आयद किया है तो चीन ने 125 फीसदी। इस कदम से महंगाई बढ़ेगी। अमेरिका व चीन कई तरह से वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं। ऐसे में यूएस-चीन टैरिफ वार से वैश्विक अर्थव्यस्था अनिश्चतता के भंवर की ओर बढ़ेगी, वैश्विक आपूर्ति सिस्टम प्रभावित होगा और महंगाई बढ़ने से आर्थिक मंदी और गहरी होगी। विश्व रूस व यूक्रेन जंग के चलते आपूर्ति तंत्र के मोर्चे पर संकट से पहले से जूझ रहा है और अब ट्रंप के टैरिफ वार के चलते यह संकट और बढ़ने वाला है। अभी कोई नहीं जानता है कि चीन से अमेरिका की टैरिफ अदावत क्या रुख अख्तियार करेगी, लेकिन इसका असल आर्थिक जलजला जरूर लेकर आएगा। विश्व नई आर्थिक व्यवस्था की ओर बढ़ सकता है, इसमें भारत क्या भूमिका निभा सकता है, यह सब वक्त बताएगा। टैरिफ वार के वैश्विक असर का आकलन करता आजकल का यह अंक...

अनिश्चितता के भंवर की ओर विश्व

टैरिफ वार
प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

अमेरिका ने अधिकतर देशों को फिलहाल आयद किए गए टैरिफ रेट को आगामी 90 दिनों के लिए स्थगित करके कुछ राहत प्रदान कर दी है। यदि डोनाल्ड ट्रंप 90 दिनों के टैरिफ के स्थगन के पश्चात पूर्व प्रस्तावित अपनी टैरिफ योजनाओं पर बाकायदा अमल अंजाम देते हैं, तो फिर विगत वर्ष के मुकाबले 28 प्रतिशत टैरिफ दर से इस वर्ष अमेरिका को भारत के निर्यात में तकरीबन आठ अरब डॉलर अथवा तकरीबन सात प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। वस्तुतः विश्व पटल पर भारत पांचवीं सबसे बड़ी और तीव्र गति से विकास करती हुई अर्थव्यवस्था है। इसके बावजूद संरक्षणवादी व्यापार नीतियों द्वारा भारत को वैश्विक व्यापार की प्रतिस्पर्धा में पीछे धकेल दिया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपने प्रथम कार्यकाल में केवल चीन के विरुद्ध व्यापार युद्ध का आगाज किया गया था। अमेरिका में चीन द्वारा निर्यात किए जाने वाले सामान पर पच्चीस प्रतिशत टैरिफ आयद कर दिया गया था। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में भी चीन से आयातित सामान पर ट्रंप सरकार द्वारा आयद किए गए टैरिफ को बाकायदा जारी रखा गया.. किंतु अपने दूसरे कार्यकाल में राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत सहित समस्त विश्व के विरुद्ध व्यापार युद्ध का ऐलान कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन पर 145 प्रतिशत टैरिफ आयद कर दिया गया है। व्यापार युद्ध में चीन द्वारा अमेरिका के विरुद्ध अपनी जवाबी कार्यवाही अंजाम देते हुए, अमेरिका से आयातित सामान पर 125 प्रतिशत टैरिफ आयद करने का ऐलान कर दिया।

अमेरिकन हुकूमत द्वारा अधिकतर देशों को फिलहाल आयद किए गए टैरिफ रेट को आगामी 90 दिनों के लिए स्थगित करके कुछ राहत प्रदान कर दी गई है। यदि डोनाल्ड ट्रंप 90 दिनों के टैरिफ के स्थगन के पश्चात पूर्व प्रस्तावित अपनी टैरिफ योजनाओं पर बाकायदा अमल अंजाम देते हैं, तो फिर विगत वर्ष के मुकाबले 28 प्रतिशत टैरिफ दर से इस वर्ष अमेरिका को भारत के निर्यात में तकरीबन आठ अरब डॉलर अथवा तकरीबन सात प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। वस्तुतः विश्व पटल पर भारत पांचवीं सबसे बड़ी और तीव्र गति से विकास करती हुई अर्थव्यवस्था है। इसके बावजूद संरक्षणवादी व्यापार नीतियों द्वारा भारत को वैश्विक व्यापार की प्रतिस्पर्धा में पीछे धकेल दिया है। भारत में टैरिफ रेट तुलनात्मक तौर पर ऊंचे रहे हैं। वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी महज दो प्रतिशत से भी कम रही है। डोनाल्ड ट्रंप के प्रेसिडेंट निर्वाचित होने के तत्पश्चात अमेरिका की व्यापार नीतियों में बुनियादी बदलाव आ गया है।

भारत को नए अवसर तलाशने होंगे

भारत को भी इस विकट नीतिगत बदलाव से यकीनन जूझना ही होगा। वैश्विक व्यापार पर निर्भर रहने वाले मुल्कों के मुकाबले भारत इन मुश्किल हालात में किसी हद तक खुद को निश्चिंत महसूस कर सकता है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था की निर्भरता वैश्विक व्यापार पर अत्यंत कमतर बनी रही है। वैश्विक व्यापार के क्षेत्र में भारत का कमतर योगदान वस्तुतः भारत के पक्ष में प्रतिबिंब हो सकता है। भारत आमतौर पर वैश्विक व्यापार से किनारा करता रहा है और यही बात संभवतः हमारे लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। लेकिन इस स्थिति से भारतवासी कदाचित संतुष्ट नहीं हो सकते, भारत को वैश्विक व्यापार में नए अवसरों को तलाशने के लिए सदैव तत्पर रहना होगा। साथ ही वैश्विक व्यापार के लिए शनैः शनैः रणनीतिक तौर पर संरक्षणवादी नीतियों का परित्याग करना होगा। उल्लेखनीय है भारत द्वारा अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने के लिए कूटनीतिक वार्ता की जा रही है जिनमें अब और तेजी आने की संभावना है। ट्रंप के टैरिफ ने जहां विदेशों में माल बेचने को और अधिक चुनौतीपूर्ण बनाया है, वहीं दुनिया के देशों को नये व्यापारिक साझेदारों और मंडियां खोजने पर विवश भी किया है। भारत को इसका लाभ उठाकर यूरोपीय संघ, अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, लैटिन अमेरिकी और अफ्रीकी देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते अंजाम देने चाहिए। भारत को इलेक्ट्रॉनिक और मोटर के कल-पुर्जों और दवाओं के एपीआई का सप्लाई चेन सुरक्षित बनाने के लिए भी अपने देश में निर्मित किए जाने की प्राथमिकता देनी चाहिए। इससे चीन के साथ चल रहे व्यापार घाटे और पूंजी पलायन में भी कमी आएगी।

अमेरिकी पूंजी का पलायन रोकने की कवायद

भारत के दवा उद्योग पर भी टैरिफ की तलवार लटकी है, क्योंकि उसके एपीआई रसायन चीन से आयात किये जा रहे हैं। यह सही है कि पिछले 30-40 वर्ष से अमेरिका को निरंतर वैश्विक व्यापार में घाटा हो रहा है और उसकी तकरीबन एक लाख करोड़ डॉलर पूंजी प्रतिवर्ष लाभ कमाने वाले देशों में जा रही है। इनमें चीन, यूरोपीय संघ, आसियान, मेक्सिको, वियतनाम, जापान और कनाडा प्रमुख हैं। विगत चार दशकों के कालखंड में अमेरिका के 90 हजार कारखाने बंद हुए हैं और उन कारखानों में काम करने वाले 55 लाख कर्मचारियों की नौकरियां चली गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के इसी व्यापार घाटे को घटा कर अमेरिकी पूंजी का पलायन रोकना चाहते हैं और अमेरिका के विनिर्माण क्षेत्र को पुनर्स्थापित करना चाहते हैं। ट्रंप दुनिया के तमाम देशों पर 'रेसिप्रोकल टैरिफ़' या बराबर का टैरिफ़ लगाना चाहते हैं यानी उन देशों के सामानों पर उतना ही आयात शुल्क लगाना जितना वे अमेरिकी सामानों पर आयद करते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि अन्य देश अमेरिकी सामानों के आयात पर, अमेरिका को निर्यात होने वाले अपने सामानों की तुलना में अधिक टैरिफ़ लगाते हैं। ट्रंप का मानना है कि अमेरिका के 'व्यापारिक साझेदार अमेरिका के साथ भेदभाव करते हैं और ऐसा दोस्त और विरोधी, दोनों तरह के देश करते हैं।'

चीन ने व्यापार युद्ध को स्वीकारा

भारत के अमेरिका के साथ समझौतावादी रुख से एकदम विपरीत चीन ने अमेरिका द्वारा प्रस्तुत की गई व्यापार युद्ध की ललकार को बाकायदा स्वीकार कर लिया है। विस्तारवादी चीन ने अमेरिका के साम्राज्यवादी चेहरे से नकाब उतारने की पहल अंजाम दे दी है। अपने आर्थिक पराभव से परिपूर्ण पतनशील युग में महाशक्ति अमेरिका के प्रेसिडेंट ट्रंप अपने फरमानों से सारी दुनिया का आर्थिक एजेंडा तय करने की हैसियत में है अथवा नहीं है, इसका फैसला तो अभी शेष है तथा भविष्य में होना है। व्यापार युद्ध स्वीकार करने के चीन के संकल्प की तुलना वस्तुतः तीन वर्ष पहले रूस द्वारा अंजाम दी गई आक्रामक सैन्य पहल से भी की जा सकती है, जबकि यूक्रेन के विरुद्ध सैन्य कार्यवाही शुरू करके अमेरिका और उसके नेतृत्व में नाटो अर्थात अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन को रणनीतिक क्षेत्रों में अपनी सैन्य शर्तें थोप देने की ताकत को रूस द्वारा प्रबल आक्रामक सैन्य चुनौती पेश की गई थी। वस्तुतः विश्व पटल पर परिवर्तित होते हुए शक्ति संतुलन के परिदृश्य को समझने और स्वीकार करने की तत्परता अमेरिका द्वारा कदाचित दिखाई नहीं गई। अमेरिका यदि अपनी नव साम्राज्यवादी फितरत को तिलांजलि दे देता तो यह संभव था कि सन् 2022 में प्रारम्भ हुए यूक्रेन युद्ध और उससे भी कहीं घातक व्यापार युद्ध के भयानक दुष्प्रभावों से दुनिया संभवतः बच निकली होती। चीनी दूतावास की सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा गया कि अगर अमेरिका व्यापार युद्ध या किसी अन्य प्रकार का युद्ध चीन के विरुद्ध लड़ना चाहता है तो हम उस युद्ध को आखिर तक लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

साम्राज्यवादी फितरत की घातक मानसिकता

पश्चिमी के साम्राज्यवादी देशों द्वारा तकरीबन तीन सौ साल तक बाकी दुनिया पर अपनी हुकूमत कायम रखी गईं। साम्राज्यवादी फितरत की घातक मानसिकता आज तक अमेरिका एवं पश्चिमी नाटो देशों की अवचेतना में बरकरार बनी हुई है। इसलिए अमेरिका एवं पश्चिमी जगत बाकी देशों की जटिल समस्याओं पर कदाचित तवज्जो प्रदान नहीं करते। चीन की हुकूमत ने अमेरिकन व्यापार युद्ध की चुनौती को स्वीकार करने के साथ यह स्पष्ट कर दिया कि वह व्यापार संतुलन संबंधी अमेरिकन चिंताओं पर बातचीत करने के लिए तत्पर है। मगर अमेरिका द्वारा चीन के विरुद्ध एक तरफा कार्रवाई अंजाम दिए जाने के ऐलान को चीन कदापि स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। अमेरिकन अखबार वॉल स्ट्रीट जनरल की एक रिपोर्ट के मुताबिक विगत ढाई महीनों में चीन ने सीधी वार्ता के लिए अमेरिकी प्रशासन से संपर्क साधने की निरंतर कोशिश जारी रखी, किंतु अमेरिकी प्रशासनिक अधिकारियों ने चीन की प्रत्येक पेशकश को अस्वीकार कर दिया। अमेरिकन प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा गुमान रहा कि टैरिफ में बढ़ोतरी का ऐलान होने के तत्पश्चात चीन सहित बाकी मुल्कों की हुकूमत बातचीत के लिए गिड़गिड़ाते हुए अमेरिका के द्वार पर आ जाएंगी। अधिकांश मुल्कों के मामले में ऐसा ही हुआ भी। मगर चीन ने अमेरिका का मुकाबला करने का बड़ा जबरदस्त हौसला दिखाया। चीन इस बात को समझने का कौशल भी दिखाया कि मामला सिर्फ टैरिफ तक कदाचित सीमित नहीं है। जो देश तुरंत टैरिफ घटाने के लिए अमेरिकन शर्तों के मुताबिक बातचीत करने के लिए तैयार दिखाई दिए, उनके समक्ष अमेरिका ने कुछ अन्य सख्त शर्तों को पेश कर दिया। चीन ने प्रमुख खनिजों के अमेरिका को निर्यात करने पर प्रतिबंध आयद कर दिया। चीन के ऐसे कड़े कदमों का अंदाजा अमेरिका के प्रशासन तथा अमेरिका के कथित आर्थिक विशेषज्ञ विश्लेषकों को भी नहीं था। सन् 1991 में सोवियत संघ के पराभव के पश्चात विगत चार दशकों के काल में अमेरिका के विरुद्ध कोई देश तनकर खड़ा नहीं हुआ। विश्वव्यापी व्यापार युद्ध से अमेरिका को हो रहे निरंतर नुकसान से अमेरिका में ही गंभीर गहन असंतोष भड़क उठा है। मगर इस सारे परिदृश्य में चीन के साथ जारी व्यापार युद्ध में किसी को किसी राहत की कोई उम्मीद नहीं है। विगत 25 वर्षों में आर्थिक एवं तकनीकी महाशक्ति के रूप में चीन का उदय हो गया , जोकि आजकल विश्व पटल पर व्यापार युद्ध का मुख्य कारण बना हुआ है। इसकी वजह से अमेरिका के आर्थिक पतन की पटकथा तैयार हुई है। चीन के आर्थिक तथा सैन्य उभार को रोकना ही अमेरिका की प्रमुख राष्ट्रीय नीति है।

विश्व व्यापार संगठन के नियमों का उल्लंघन

विश्व व्यापार संगठन के नियम कायदे कानूनों का सरासर उल्लंघन करके अमेरिका के राष्ट्रपति मनमाना आचरण अंजाम दे रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से अमेरिका द्वारा सन् 1928 में आर्थिक संरक्षण की नीति अख्तियार की गई थी, इसका नतीजा सामने आया वर्ष 1929-30 के काल में जबकि अमेरिका ने भयानक आर्थिक मंदी का दीदार किया था। सन् 1971 में अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन ने आर्थिक संरक्षणवाद की नीति आयद की थी। परिणाम सामने आया वर्ष 1973-75 में फिर एक दफा अमेरिका को भयंकर आर्थिक मंदी झेलना पड़ी। अब फिर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इतिहास से गंभीर सबक लिए बिना आर्थिक संरक्षणवादी नीति के तहत दुनिया को व्यापार युद्ध में झोंक देने के लिए कटिबद्ध हैं। देखिए भविष्य में क्या परिणाम सामने आता है। ट्रंप के अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे के तहत अमेरिका डूबेगा या उभरेगा, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। फिलहाल अमेरिका के टैरिफ कदमों से वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चतता जरूर व्याप्त हो गई है।

भारत की कूटनीतिक आर्थिक रणनीति

टैरिफ की चुनौती
डॉ. जयंतीलाल भंडारी
ख्यात अर्थशास्त्री

यकीनन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों के बीच भारत जिस तरह टैरिफ में राहत की कूटनीति और अमेरिका सहित सभी प्रमुख देशों के साथ द्विपक्षीय व मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, उससे आपदा के बीच अवसर भारत की मुट्ठियों में आने लगे हैं। यह भारत की रणनीति की ही जीत है कि जहां ट्रंप ने चीन पर 125 फीसदी टैरिफ लागू कर दिए हैं, वहीं भारत के लिए घोषित 26 फीसदी टैरिफ 90 दिनों तक के लिए स्थगित कर दी है। इन दिनों जहां टैरिफ की चिंता में दुनिया के शेयर बाजार ढहते जा रहे हैं, वहीं भारत का सेंसेक्स फिर से आगे बढ़ते हुए 75000 से अधिक की ऊंचाई पर पहुंच गया है। 11 अप्रैल को डॉलर के मुकाबले भारत का रुपया दो साल की सबसे बड़ी बढ़त पर रेखांकित हो रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से बढ़कर 676 अरब डॉलर के स्तर पर है। साथ ही टैरिफ की चुनौतियों के इस वर्ष 2025 में भी भारत की विकास दर दुनिया में सर्वाधिक 6 फीसदी से अधिक के स्तर पर रहने की वैश्विक रिपोर्ट्स प्रकाशित हो रही हैं।

नई व्यापार दुनिया का उदय

गौरतलब है कि 9 अप्रैल को अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने आया है, जो अमेरिका के साथ सबसे पहले टैरिफ पर प्रभावी बातचीत करते हुए दिखाई दे रहा है। ट्रंप के इस निर्णय से अमेरिका का चीन के साथ व्यापार युद्ध शुरू हो गया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के द्वारा विभिन्न देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लागू किए जाने के बाद नई व्यापार दुनिया ने जन्म ले लिया है। यह नई व्यापार दुनिया राष्ट्रपति ट्रंप की उस हठ पर आधारित है, जिसमें वे विश्व अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन और अमेरिका के साथ कथित आर्थिक दुर्व्यवहार को रोकने के लिए अमेरिकी अर्थव्यवस्था और उपभोक्ताओं को होने वाले किसी भी तरह के कष्ट की अनदेखी करने को भी तैयार हैं। नई व्यापार दुनिया पहले की व्यापार दुनिया से पूरी तरह से अलग है। कल तक दुनिया में मजबूत आर्थिक विश्व व्यवस्था और बहुपक्षीय व्यापार समझौतों के आधार पर विकास की कहानी आगे बढ़ती रही है, वहीं अब संरक्षणवाद तथा द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों का नया सितारा उदित हो रहा है। ऐसे में भारत अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और दुनिया की बदलती आर्थिक सूरत की नई हकीकत के मद्देनजर नई रणनीति के साथ आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि भारत से निर्यात के मद्देनजर अमेरिका अत्यधिक महत्वपूर्ण देश है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से दुनिया के विभिन्न देशों को करीब 435 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों का निर्यात हुआ है, उनमें से अमेरिका को करीब 18 फीसदी उत्पाद निर्यात हुए हैं।

निर्यात बढ़ने की संभावना

ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से भारत के कई प्रमुख निर्यात क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं। इनमें आईटी, टेक्सटाइल और परिधान, ऑटोमोबाइल, रत्न और आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि उत्पाद

शामिल हैं। भारत के दवा और सेमीकंडक्टर उद्योग पर भी टैरिफ की तलवार लटक रही है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक भारत पर 26 फीसदी पारस्परिक टैरिफ लगाने के अमेरिकी फैसले से भारत के द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात में करीब 5.76 अरब डॉलर की गिरावट आ सकती है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के करीब 0.2 फीसदी घटने की आशंका रहेगी। खास बात यह भी है कि ट्रंप के टैरिफ की आपदा के बीच भारत के लिए मौके भी छिपे हैं। भारत जिस तरह से अमेरिका के साथ नए व्यापार समझौते के लिए तथा अन्य देशों के साथ भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के लिए रणनीतिपूर्वक कदम बढ़ा रहा है, उससे भारत के लिए अमेरिका सहित दुनियाभर के विभिन्न देशों में निर्यात और कारोबार बढ़ाने के मौके भी बढ़ सकते हैं। चूँकि एशिया के उभरते बाजारों में भारत पर टैरिफ फिलीपींस को छोड़कर सबसे कम है। ऐसे में तुलनात्मक रूप से कम टैरिफ से भारत को वैश्विक व्यापार और मैन्युफैक्चरिंग में अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका मिल सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में अमेरिकी बाजार में भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा मजबूत होगी। प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यातक देशों की तुलना में भारत पर कम टैरिफ लगा है। खास तौर पर चीन और वियतनाम के मुकाबले भारत बेहतर स्थिति में है। टेक्सटाइल के निर्यात बाजार में अभी से भी बेहतर अवसर मिल सकते हैं। अन्य देशों के सामान अमेरिका में ज्यादा महंगे होने से अमेरिका में भी भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ेगी। यद्यपि भारत में सरकार ने संसद में ट्रंप की नई टैरिफ नीति के मद्देनजर घरेलू उद्योगों के संरक्षण की बात कही है, लेकिन अब देश के उद्योग जगत के द्वारा टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा व अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) पर ध्यान देना होगा। इस बात को ध्यान में रखना होगा कि वर्ष 1991 में उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ाने की जो रणनीति लागू हुई, उससे देश को उदारीकरण के लाभ मिले हैं। चूंकि टैरिफ प्रतिस्पर्धा से जुड़े हैं, अगर हम टैरिफ की आड़ में रहेंगे तो प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाएंगे। नए अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए भारत को कारोबार करने में आसानी बढ़ानी होगी। लॉजिस्टिक्स व बुनियादी ढांचे में निवेश करना होगा और नीतिगत स्थिरता कायम रखनी होगी। हम उम्मीद करें कि अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बीच वैश्विक आर्थिक मौकों को मुट्ठी में लेने के साथ-साथ भारत पर लागू किए जाने वाले 26 फीसदी टैरिफ की चुनौती का मुकाबला करने में भारत के लिए अमेरिका के साथ नया कारोबार समझौता, विभिन्न देशों के साथ नए द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौते और मजबूत घरेलू आर्थिक घटक असरकारक आर्थिक हथियार के रूप में उपयोगिता देते हुए दिखाई देंगे।

कौशल विकास में निवेश हो

सरकार नई व्यापार दुनिया में भारत को रचनात्मक देश बनाने के लिए ऐसी नई आर्थिक रणनीति के साथ आगे बढ़ेगी, जिसमें बड़े उद्योगों के साथ छोटे और मझौले उद्योगों के लिए भी अनुकूलताएं हों। चूंकि अब दुनिया में नए डिजिटल दौर की नई संपत्तियों से विकास की मंजिलें तय होंगी, अतएव ऐसी सबसे कीमती संपत्तियों के विकास पर भारत को ध्यान देना होगा। अब भारत में भारी पूंजी वाले उद्योगों को सब्सिडी देने के बजाय शिक्षा और कौशल विकास पर अधिक निवेश किया जाना अधिक लाभप्रद होगा। भारत को सेवा क्षेत्र की नई चमकीली राजधानी बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। साथ ही अधिक डिजिटल महारत हासिल करने पर ध्यान देना होगा। निश्चित रूप से ऐसी नई आर्थिक और द्विपक्षीय वैश्विक व्यापार रणनीति से भारत नई व्यापार दुनिया के आकाश में एक चमकते हुए आर्थिक और प्रभावी सितारे के रूप में दिखाई दे सकेगा।

उल्टा भी पड़ सकता है ट्रंप का टैरिफ दांव

दो टूक
सुनील अमर
वरिष्ठ स्तंभकार

चीन और अमेरिका दुनिया के दो बड़े निर्यातक देश हैं जिसमें चीन नम्बर एक पर है और अमेरिका के लाख कोशिश करने के बावजूद पिछले 15 वर्षों से टॉप पर बना हुआ है। अमेरिका के नये राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो हालिया टैरिफ वार यानी व्यापार कर युद्ध छेड़ रखा है वह बाकी अर्थों में तो नया है लेकिन चीन के मामले में पुराना है। चीन से तो डोनाल्ड ने अपने पहले कार्यकाल यानी वर्ष 2017 से 2021 में ही टैरिफ वॉर शुरू कर दिया था।

वर्ष 2018 में चीन से आयातित स्टील और एल्यूमीनियम पर 25 प्रतिशत टैक्स लगाकर मौजूदा व्यापार कर युद्ध की नींव रख दी थी। तब बदले में चीन ने भी अमेरिका से आयातित कृषि उत्पादों पर व्यापार कर बढ़ा दिया था। वर्ष 2019 में कोविड महामारी फैलने के बाद दुनियाभर में आवागमन को लेकर हुई बन्दिशों को देखते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने तभी मन बना लिया था कि विदेशों, खासकर चीन जैसे देशों पर अमेरिकी निर्भरता को कम करना है। ताजा टैरिफ वॉर को ट्रंप की उसी सोच का विस्तार कहा जा सकता है और अमेरिका के उद्योग प्रधान राज्यों ओहियो, पेनीसिल्वानिया और मिशीगन में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने सत्ता में आने पर टैरिफ लागू करने का वादा भी किया था। आज दुनिया को ग्लोबल विलेज कहा जाने लगा है। आदमियों और देशों के एक-दूसरे से सरोकार बहुत बढ़ गये हैं। उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन का किंग कहा जाने वाला चीन भी यह दावा नहीं कर सकता कि दुनिया के अन्य देशों के सहयोग के बिना उसका काम चल जाएगा। जिन देशों की अर्थव्यवस्था निर्यात आधारित है उन्हें अधिकतम निर्यात चाहिए, इसी प्रकार जो देश युद्धक सामग्री उत्पादन में लगे हैं उन्हें दुनिया में कहीं न कहीं युद्ध चाहिए ताकि उनका माल बिक सके। इसे यूक्रेन के सन्दर्भ से समझा जा सकता है, पहले तो रूस के खिलाफ अमेरिका ने यूक्रेन की बिना शर्त युद्धक मदद शुरू की और अब अमेरिका का मौजूदा निजाम उस बिना शर्त की गयी मदद की कीमत मांग रहा है।

टैरिफ नीति का मुख्य निशाना चीन

अमेरिका की नई टैरिफ नीति से यद्यपि 60 से अधिक देश प्रभावित बताये जा रहे हैं लेकिन उसका मुख्य निशाना चीन ही है। अमेरिका चीन से कितना परेशान है इसका अनुमान उसके वित्त सचिव स्कॉट बेसेन्ट के आठ अप्रैल को व्हाइट हाउस में टैरिफ पर दिये इस बयान से लगाया जा सकता है कि '.....ट्रंप का असल मकसद रीयल विलेन चीन पर हथौड़ा गिराना था क्योंकि वह अमेरिकी व्यापार के लिए परेशानी पैदा करने का सबसे बड़ा स्रोत है....।'

आर्थिक मोर्चे पर पिछड़ा अमेरिका

आर्थिक मोर्चे पर पिछड़ने के अमेरिका के अपने तमाम घरेलू कारण हो सकते हैं लेकिन दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक और सामरिक महाशक्तियों के बीच इस तरह की तनातनी को अच्छा नहीं कहा जा सकता। अमेरिका में भी इस टैरिफ वॉर के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन कर रहे हैं। वैसे तो अमेरिकी बाजार चीनी खिलौनों तक से पटा पड़ा रहता है लेकिन चीन

जिन बड़े क्षेत्रों में दखल देता है उनमें हैं- स्टील, एल्यूमीनियम, इलेक्ट्रिक वाहन, चिप्स, सेमी कन्डक्टर, सोलर पैनल, बैटरी तथा रेअर अर्थ मिनरल आदि। अमेरिकी बाजारों में उक्त चीनी सामान काफी सस्ते हैं और इनके अमेरिकी उत्पादक चीनी कीमतों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए यद्यपि अमेरिका चिप्स एक्ट और आईआरए यानी इन्फलेशन रिडक्शन एक्ट के तहत घरेलू उत्पादकों को भारी सब्सिडी देता है ताकि वे चीनी कीमतों का मुकाबला कर सकें लेकिन फिर भी अमेरिकी उद्यमी बेहाल हैं और अमेरिका को अंततः लगता है कि चीनी सामानों को भारी टैक्स लगाकर ही महंगा किया जा सकता है। अमेरिका का यह भी आरोप है कि चीनी सरकार जानबूझकर बहुत बड़े पैमाने पर उत्पादन करवाती है और भारी मात्रा में सब्सिडी देती है ताकि अन्तरराष्ट्रीय बाजारों में उसके माल की कीमतों का कोई मुकाबला नहीं कर सके। यही कारण है कि अमेरिका न सिर्फ टैरिफ बल्कि निर्यात पर नियन्त्रण तथा विदेशी पूंजी निवेश पर प्रतिबंध लगाकर देसी उद्योगों को संरक्षण देना चाहता है। चीन अमेरिका के हर टैरिफ रेट का मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। ताजा हालात यह है कि अमेरिका के चीन पर 145 प्रतिशत टैक्स के जवाब में चीन ने 125 प्रतिशत टैक्स लगाने की घोषणा की है। चीन नयी रणनीति के तहत लैटिन अमेरिका, दक्षिण पूर्व एशिया तथा मध्यपूर्व के देशों की बाजारों में अपने उत्पादों की पैठ बनाने में लगा है। साथ ही वह ब्रिक्स संगठन का और विस्तार चाहता है ताकि पश्चिमी बाजारों पर उसकी निर्भरता कम हो सके।

एक सवाल उठता है- क्या डोनाल्ड ट्रंप इस टैरिफ युद्ध को छेड़कर अमेरिकियों को लाभ पहुंचा पाएंगे? इसका जवाब हां हो सकता है, यदि वे आयातित सामानों की दर पर ही घरेलू उत्पादों को बाजार में उपलब्ध करा सकें। लेकिन यह आसान नहीं होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो अमेरिकियों का खर्च बहुत बढ़ जाएगा। घरेलू उत्पादन बढ़ाये बगैर अब तक आयात हो रही वस्तुओं को महंगा कर देने का असर उल्टा हो सकता है। चीन पर प्रतिबंध का असर यह भी हो सकता है कि वहां उत्पादन कर रही कम्पनियां भारत, वियतनाम और मैक्सिको जैसे देशों का रुख करें जहां अमेरिकी टैरिफ कम है। लेकिन यह एक उथल-पुथल का दौर होगा और इस दौरान अमेरिका के अलावा वैश्विक स्तर पर भी महंगाई अनियंत्रित हो सकती है।

घरेलू स्तर पर भी लड़ना पड़ेगा

अमेरिका की बात करें तो उसे वैश्विक स्तर के अलावा घरेलू स्तर पर भी लड़ना पड़ेगा, क्योंकि आयातित कल-पुर्जे महंगे होने के कारण उत्पादन लागत बढ़ेगी और बाजार में सस्ते चीनी सामान से मुकाबला न होने के कारण घरेलू उत्पादक गुणवत्ता से समझौता कर मनमानी कीमत वसूल सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अभी चीन को छोड़कर बाकी देशों को 90 दिनों की मोहलत दी हुई है। उसके बाद देखना होगा कि वे क्या करते हैं। अगर इसके बाद भी वे अपनी जिद पर अड़े रहते हैं तो थोड़ा आगे चलकर देशों की वैश्विक गुटबाजी का परिदृश्य बदल सकता है। मसलन हो सकता है कि दो गुट बनें जिसमें एक अमेरिकी अगुवाई में भारत, यूरोपीय यूनियन, जापान और उत्तरी अमेरिका हो तथा दूसरा चीन की अगुवाई वाला हो जिसमें रूस, कुछ अफ्रीकी देश, दक्षिण अमेरिका तथा दक्षिण पूर्व एशिया शामिल हो। आज का अमेरिका बदलाव के दौर में है और किस्सा कोताह यह कि अगर अमेरिकियों को दैनिक जीवन में राहत मिली और उनका वैश्विक स्टेटस बना रहा तो ठीक है अन्यथा डोनाल्ड ट्रंप अपने इस कार्यकाल में गृहकलह का बीज ही बो देंगे। इतिहास में रूस, चीन और तुर्की जैसे अनेक देशों के आंतरिक असन्तोष व उससे उत्पन्न विद्रोह के उदाहरण तो हैं ही!

भारत हमेशा डब्ल्यूटीओ फ्रेमवर्क में काम करेगा लेकिन सुधार जरूरी : मंत्री गोयल

ट्रंप के टैरिफ पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री का बड़ा बयान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विकासशील देशों की परिभाषा का दोबारा मूल्यांकन करने की जरूरत समझाई और ई-कॉमर्स नियमों, कृषि निर्णयों और मत्स्य पालन वार्ताओं पर स्पष्टता का आह्वान किया। उन्होंने 9वें ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट में कहा, भारत हमेशा डब्ल्यूटीओ फ्रेमवर्क के भीतर काम करेगा। अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित हमारे द्विपक्षीय समझौते इसके दायरे में काम करते हैं।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने वैश्विक व्यापार को नया रूप देने में खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विश्वसनीय भागीदारों के साथ भारत के लिए आगे के अवसरों पर प्रकाश डाला। भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बताते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि भारत में अवसरों की भरमार है। अगले दो से ढाई दशकों में भारत 1.4 अरब भारतीयों की आकांक्षाओं के बल पर आठ गुना वृद्धि करेगा। इससे घरेलू मांग में भारी वृद्धि होगी और वैश्विक स्तर पर पहचाने जाने वाले पैमाने के लाभ मिलेंगे।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि भारत में अवसरों की भरमार है। अगले दो से ढाई दशकों में भारत 1.4 अरब भारतीयों की आकांक्षाओं के बल पर आठ गुना वृद्धि करेगा।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था

वैश्विक स्तर पर पहचाने जाने वाले पैमाने के लाभ मिलेंगे

गोयल ने भारत के व्यापार संबंधों और चीन से एफडीआई पर अपनी बात रखी

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पिछले दो वर्षों में ही कम से कम आठ उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत आए हैं, जो देश के साथ मजबूत व्यापार संबंध बनाने में दुनिया की बढ़ती दिलचस्पी का संकेत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत के मौजूदा टैरिफ संरक्षण उपाय मुख्य रूप से गैर-बाजार अर्थव्यवस्थाओं पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा, भारत उन देशों के साथ द्विपक्षीय साझेदारी करने के लिए अच्छी स्थिति में है जो पारस्परिकता, विश्वास और निष्पक्षता को महत्व देते हैं।

भारत पर कोई दबाव नहीं

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पिछले दो वर्षों में ही कम से कम आठ उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत आए हैं, जो देश के साथ मजबूत व्यापार संबंध बनाने में दुनिया की बढ़ती दिलचस्पी का संकेत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत के मौजूदा टैरिफ संरक्षण उपाय मुख्य रूप से गैर-बाजार अर्थव्यवस्थाओं पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा, भारत उन देशों के साथ द्विपक्षीय साझेदारी करने के लिए अच्छी स्थिति में है जो पारस्परिकता, विश्वास और निष्पक्षता को महत्व देते हैं।

युवा भारतीय उद्योग को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए तैयार

भारत के व्यापार निर्णयों पर बाहरी दबाव की चिंताओं को खारिज करते हुए गोयल ने कहा, कोई दबाव नहीं है। भारत के पास ऐसे अवसर होना अपने आप में बहुत रोमांचक है। आज हमारे निर्यात हमारे सकल घरेलू उत्पाद का अपेक्षाकृत छोटा हिस्सा हैं, लेकिन हमारा मजबूत घरेलू बाजार और महत्वाकांक्षी युवा भारतीय उद्योग को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए तैयार हैं। चीन को लेकर केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत हमेशा अपने हितों को सबसे पहले रखेगा। अभी तक, चीन से बहुत कम एफडीआई आया है और ऐतिहासिक रूप से भी, चीनी निवेश न्यूनतम रहा है। हमारा प्रयास उन विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ इंटीग्रेशन पर केंद्रित है, जिनकी बिजनेस प्रैक्टिस सही मायने में बेहतर हैं।

खबर संक्षेप

तस्करी के आरोप में तीन भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू। काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से तीन भारतीय नागरिकों को मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। नेपाल पुलिस ने यह जानकारी दी। मिली जानकारी के

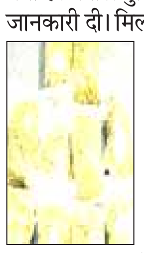

अनुसार रात काठमांडू हवाई अड्डे से भारतीय नागरिक इरफान अहमद कसालीपराम्बिल बशीर (25) को गिरफ्तार किया और उसके पास से 10 किलोग्राम से अधिक गांजा बरामद किया। वह थाई एयरवेज की उड़ान से बैंकॉक से काठमांडू पहुंचा था।

फ्लोरिडा में प्लेन क्रैश 3 लोगों की मौत

बोका रैटन (अमेरिका)। दक्षिण फ्लोरिडा में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उसमें तीन लोग सवार थे। मीडिया को मिली

जानकारी के अनुसार विमान एक प्रमुख अंतरराज्यीय राजमार्ग और रेल पटरियों के पास पूर्वाह्न करीब सवा दस बजे गिरा। संघीय विमानन प्रशासन ने विमान की पहचान सेसना 310 के रूप में की है, जिसमें तीन लोग सवार थे। इस दुर्घटना में 3 लोगो की मौत हुई है ।

राणा से पूछताछ जारी, बाहर आ सकते हैं कई राज

तहव्वुर राणा से एनआईए की पूछताछ, हर बार कह रहा- कुछ याद नहीं, हेडली से दोस्ती कबूली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुंबई आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड में से एक तहव्वुर हुसैन राणा से जांच एजेंसी एनआईए ने पहले दौर की पूछताछ की। सूत्रों ने बताया कि राणा ज्यादातर सवालों के जवाब में यही कह रहा है कि उसे कुछ याद नहीं। एक और साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली से अपनी दोस्ती की बात मानी है। कोर्ट की मदद से एनआईए राणा की आवाज का सैंपल भी लेगी, ताकि उसकी और हेडली की आवाज का मिलान किया जा सके। बता दें कि 10 अप्रैल को अदालत ने उसे 18 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया था।

बता दे कि राणा को दिल्ली में एनआईए हेडक्वॉर्टर के ग्राउंड फ्लोर पर रखा गया है, जबकि पूछताछ तीसरी मंजिल पर बने इंटेरोगेशन स्पेशल रूम में की जा रही है। 24 घंटे उसकी निगरानी की जा रही है। पूछताछ करने के लिए मुख्य जांच अधिकारी झारखंड काडर और 2011 बैच की डीआईजी जया रॉय को बनाया गया है।

खास बातें

- एनआई ने तहव्वुर राणा से मुंबई हमले को लेकर पूछताछ की
- राणा ने हेडली के साथ दोस्ती की बात स्वीकार की

पाक सेना छोड़ने के बाद भी वर्दी पहनता था राणा

26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा से पूछताछ कर रही है। अब तक के सवाल-जवाब में कई सारे नए खुलासे हुए हैं। पता चला कि पाकिस्तानी सेना का मेडिकल कोर छोड़ने के बाद भी वह लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े लोगों से मिलते वक्त सैन्य वर्दी पहना रहता था। रिपोर्ट के अनुसार, राणा पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के चिचावटनी गांव का रहने वाला है और उसके पिता स्कूल प्रिंसिपल थे। तहव्वुर राणा के तीन भाई हैं। उसका एक भाई पाकिस्तानी सेना में साइकोलॉजिस्ट है, जबकि दूसरा पत्रकार है। उसने कैडेट कॉलेज हसनाबदल में पढ़ाई की, जहां उसकी मुलाकात डेविड कोलमैन हेडली (दाऊद सईद गिलानी) से हुई, जो 26/11 हमलों से जुड़ा है और फिलहाल अमेरिकी जेल में बंद है।

राणा ने दिल्ली की गर्मी पर कहा-वेरी हॉट

जांच एजेंसियां उससे पूछ रही हैं कि मुंबई हमले के बारे में साजिश रचने में कौन-कौन शामिल थे? मुख्य साजिश कहां रची गई? आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम करने वाले कौन-कौन लोग हैं, पाकिस्तान की तरफ से आईएसआई के अलावा आर्मी और अन्य का भी कितना रोल था। अमेरिकी मार्शलों ने तहव्वुर को जंजीरों में जकड़कर एनआईए टीम को सौंपा था। दिल्ली आते हुए उसकी बेड़ियां खोली गईं और कपड़े दिए गए। जब प्लेन से वह बाहर निकला तो दिल्ली की गर्मी पर कहा- वेरी हॉट।

पर्यटकों का डेटा खंगाला

सुरक्षा एजेंसियों को मिली थी ये जानकारी

अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद तिहाड़ जेल भेजे गए मुंबई हमले के मास्टर माइंड तहव्वुर राणा के आगरा में आकर ताजमहल देखने और पत्नी के साथ होटल में रुकने की जानकारी मिली थी। तब सुरक्षा एजेंसियों ने विदेशी पर्यटकों का डाटा खंगाला था। तब बालूगंज के कई होटलों में छानबीन की गई थी। एलआईयू के पुलिस लाइन के ऑफिस में भी विदेशी पर्यटकों का ब्योरा देखा गया था। तब तहव्वुर राणा और उसकी पत्नी के आगरा में ठहरने और ताजमहल देखने के बारे में पुख्ता जानकारी नहीं मिल सकी थी। आज तक यह साफ नहीं हो सका कि मुंबई हमले से पहले राणा आगरा में क्यों आया था? ऐसे में कयास यह लगाए गए थे कि तहव्वुर राणा ने पहचान बदलकर आगरा में प्रवास किया होगा। अब उसके भारत में आने के बाद एनआईए सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियों की पूछताछ में कुछ राज सामने आ सकते हैं।

तहव्वुर राणा का मेजर इकबाल से कनेक्शन

अमेरिका ने साजिद मिर की गिरफ्तारी के लिए 50 लाख डॉलर का इनाम रखा है। साल 2022 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र को एक ऑडियो सौंपा था, जिसमें मिर हमलावरों से बातचीत करता सुनाई देता है। एनआईए सूत्रों के अनुसार, तहव्वुर राणा पाकिस्तानी सेना की वर्दी पहनकर मेजर इकबाल से मिला था, जो एक संदिग्ध आईएसआई अधिकारी है। इकबाल पर हेडली की ओर से टोही मिशनों के लिए फंड देने, निगरानी रखने और निर्देश देने का आरोप है। रिपोर्ट में कहा गया कि हेडली ने 2010 में मृत्युदंड से बचने के लिए अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसने उस व्यक्ति के साथ 20 से अधिक ईमेल शेयर करने का खुलासा किया, जिसे वह चौधरी खान के नाम से जानता था और जिसका मेजर इकबाल उपनाम था।

मुंबई हमले से पहले आगरा आया था तहव्वुर राणा

मुंबई हमले के मास्टर माइंड तहव्वुर राणा ने हमले से पहले आगरा में भी रेकी की थी। वह अपनी पत्नी के साथ आगरा आया था। बालूगंज के एक होटल में रुका था। सुरक्षा एजेंसियों ने वर्ष 2011 में रिकॉर्ड खंगाला था मगर पुख्ता साक्ष्य नहीं मिल सके थे।

आतंकियों को दिया मुंहतोड़ जवाब, ऑपरेशन जारी

सेना का जेसीओ शहीद, सुरक्षाबलों ने जैश के तीन आतंकी मार गिराए

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू-जिले के अखनूर में शनिवार को आतंकवादियों से मुठभेड़ में 9 पंजाब रेजिमेंट के जेसीओ कुलदीप चंद शहीद हो गए। अखनूर के केरी बट्टल इलाके में शुक्रवार देर रात एनकाउंटर शुरू हुआ था। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरा हुआ है। सेना ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी।

वहीं, शुक्रवार को किश्तवाड़ जिले के घने जंगलों में एनकाउंटर के दौरान सुरक्षाबलों ने शुक्रवार देर रात तक 3 आतंकियों को मार गिराया। ऑपरेशन रात से चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के हैं। इनमें टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल है। इससे पहले 4 और 5 अप्रैल की दरमियानी रात जम्मू में एलओसी पर आरएस पुरा सेक्टर पर बीएसएफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया था। वहीं, 1 अप्रैल को एलओसी पर सेना के एनकाउंटर में 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मारा गया था। घटना पुंछ में एलओसी पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई थी।

सेना ने शहीद जेसीओ को श्रद्धांजलि दी

व्हाइट नाइट कोर ने ट्वीट कर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, व्हाइट नाइट कोर और सभी सैनिक सूबेदार कुलदीप चंद की सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। वे आतंकियों की घुसपैठ रोकने के लिए चलाए गए ऑपरेशन का नेतृत्व करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। वही जम्मू कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने भी शहीद को श्रद्धांजलि दी।

पाकिस्तान की ओर से लगातार जारी है घुसपैठ

इससे पहले 4 अप्रैल की रात जम्मू में एलओसी पर आरएस पुरा सेक्टर में सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी को मार गिराया था। 1 अप्रैल को एलओसी पर कृष्णा घाटी सेक्टर में सेना ने 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मारा गया था। तब एलओसी से सटे इलाके में 3 धमाके और पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी हुई थी। दावा है कि घुसपैठियों की मदद करने के लिए ऐसा किया गया था।

पाक, चीन भी नहीं बचा पाएंगे?

भारत को चिकन नेक की धमकी देने वाले बांग्लादेश के यूनुस की गर्दन फंसी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने चीन और पाकिस्तान के साथ दोस्ती की पींगे बढ़ा रहे बांग्लादेश के लिए चौतरफा दरवाजे बंद कर दिए हैं। भारत ने अब बांग्लादेश के मोहम्मद युनूस के खिलाफ कड़ा रूख अपनाया है। भारत ने कालादान प्रोजेक्ट को तेजी से पूरा करने के लिए कमर भी कस ली है। इसके अलावा, बांग्लादेश को दी गई एक प्रमुख ट्रांस शिपमेंट सुविधा वापस ले ली है। इसकी वजह से बांग्लादेश का भूटान, नेपाल और म्यांमार के साथ व्यापार प्रभावित हो सकता है। जानते हैं कि बांग्लादेश के खिलाफ भारत ने ऐसे क्या कदम उठाए हैं, जिससे उसकी कमर टूट सकती है।

चिकन नेक पर बांग्लादेश-चीन की नापाक नजर

भारत का चिकन नेक पर बांग्लोदश और चीन के इरादे नेक नहीं हैं। बांग्लादेश के मुखिया मोहम्मद यूनुस की चीन की यात्रा से उनके नापाक मंसूबे सामने आए हैं। उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भारत के बॉर्डर के करीब लालमोनिरहाट जिले में एयरबेस बनाने का प्रस्ताव दिया था। लालमोनिरहाट भारत के चिकन नेक कॉरिडोर के पास है। अब इसी की काट भारत ने तैयार कर ली है। उसने कालादान प्रोजेक्ट को तेजी से पूरा करने के लिए कमर कस ली है।

कालादान प्रोजेक्ट के पीछे भारत की सोच

कालादान प्रोजेक्ट को भारत ने 2025 तक पूरा करने की तैयारी कर ली है और हाल ही में इस पर म्यांमार के अधिकारियों के साथ चर्चा तेज कर दी है। दरअसल, चीन और बांग्लादेश की जुगलबंदी से चिकन नेक को लेकर भविष्य में चुनौती खड़ी करने की कोशिश हो सकती है। ऐसे में भारत ने समंदर के रास्ते भी पूर्वोत्तर के राज्य से जोड़ने का वैकल्पिक रास्ता तैयार करना शुरू कर दिया है।

कालादान प्रोजेक्ट की शुरुआत 2008 में हुई

कालादान प्रोजेक्ट की शुरुआत वर्ष 2008 में हुई थी। इसका मकसद भारत के कोलकाता बंदरगाह को म्यांमार के सित्तवे पोर्ट के माध्यम से मिजोरम से जोड़ना है। इस प्रोजेक्ट में तीन प्रकार के मार्गों का समावेश है-समुद्री, नदी और सड़क मार्ग, जो इसे 'मल्टी-मॉडल' बनाता है।

पाकिस्तान में 5.8 तीव्रता का आया भूकंप, कांपी धरती

कराची। पाकिस्तान में शनिवार को दोपहर करीब 1 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में भी लोगों ने धरती में कंपन की शिकायत की। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गई, जिसका केंद्र पाकिस्तान में 33.63 डिग्री उत्तर अक्षांश और 72.46 डिग्री पूर्व देशांतर पर 12 किलोमीटर की गहराई पर था। रिपोर्ट के मुताबिक, भूकंप के जोरदार झटके महसूस होते ही लोग अपने घरों से निकलकर बाहर की ओर भागने लगे। अभी तक जान के नुकसान या संपत्ति को क्षति की कोई खबर नहीं है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र के अनुसार, दोपहर करीब 12:31 बजे देश में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र रावलपिंडी से 60 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में जमीन के 12 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप पंजाब के अटक, चकवाल,

जान जोखिम में डालकर बचाई थी बच्चों की जिंदगी

सैल्यूट...सिंगापुर सरकार ने चार भारतीयों को किया सम्मानित

एजेंसी ▶▶ सिंगापुर

सिंगापुर सरकार ने एक इमारत में लगी आग से बच्चों और वयस्कों को बचाने में वीरतापूर्ण कार्य के लिए चार भारतीय प्रवासी श्रमिकों को सम्मानित किया है। इस इमारत में 16 नाबालिग और छह वयस्क फस गए थे। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण का आठ वर्षीय पुत्र मार्क शंकर पवनोविच आठ अप्रैल को लगी आग की घटना से बचाए गए लोगों में शामिल था। इमारत से निकाली गई 10 वर्षीय आस्ट्रेलियाई लड़की की बाद में अस्पताल में मौत हो गई।

मानव शक्ति मंत्रालय के 'एश्योरेंस, केयर एंड एंगेजमेंट' (एसीई) समूह ने आग में फंसे लोगों को बचाने के लिए इंद्रजीत सिंह,

सुब्रमण्यम सरनराज, नागराजन अनबरसन और शिवसामी विजयराज को 'फ्रेंड्स ऑफ एसीई' सिक्के प्रदान किए। उनकी सूझबझ और बहादुरी ने सब कुछ बदल दिया। बच्चों की चीखें सुनकर और तीसरी मंजिल पर स्थित इमारत की खिड़की से घना धुआं निकलता देखकर, प्रवासी मजदूरों ने बिना समय गंवाए घटनास्थल के ठीक सामने स्थित अपने कार्यस्थल से एक 'स्केफोल्ड' उठाया।

उन्होंने इमारत में बच्चों तक पहुंचने के लिए 'स्केफोल्ड' और सीढ़ी का उपयोग किया।

जम्मू कश्मीर में 1400 से ज्यादा मंदिरों की संपत्ति पर अवैध कब्जा

कीमत 25 हजार करोड़ से भी अधिक, कानून बनाने की मांग

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू कश्मीर में 1400 से अधिक मंदिरों की संपत्ति पर अवैध कब्जा है, जिसका मूल्य करीब 25 हजार करोड़ से अधिक है। ऐसे में जम्मू कश्मीर संघर्ष समिति ने वक्फ कानून की तरह कश्मीरी पंडितों की संपत्तियों को सुरक्षित करने के लिए एक विशेष कानून बनाने की मांग की है। संघर्ष समिति ने धमकी दी है कि अगर सरकार ने मांगें पूरी नहीं कीं तो उनके पास सुप्रीम कोर्ट जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।

वक्फ विवाद के बीच, कश्मीरी पंडितों ने जम्मू-कश्मीर में हिंदू धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए विशेष कानून की मांग की है। संघर्ष समिति का कहना है कि 1990 के दशक से, जब हजारों आध्यात्मिक पंडितों ने कश्मीर छोड़ा, तो समुदाय के मंदिरों और धार्मिक भूमियों पर बड़े पैमाने पर कब्जा हो गया। 1,400 से अधिक हिंदू मंदिर और उनकी संपत्ति खतरे में हैं या नष्ट हो गई हैं।

मंदिरों की संपत्ति वीरान और खंडहर पड़ी

संघर्ष समिति के अनुसार जिस मंदिर प्रॉपर्टी पर अवैध कब्जा किया गया है, उन प्रॉपर्टी पर आज या तो बड़े शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बन गए हैं या फिर वो मंदिर आज वीरान पड़े हैं। हमने श्रीनगर में कुछ ऐसे मंदिरों का दौरा किया, जहां संघर्ष समिति के अनुसार अवैध कब्जा किया गया है और कुछ मंदिरों की संपति, मंदिर आज भी वीरान और खंडहरों की शक्ल में नजर आए। संघर्ष समिति का यह भी आरोप है कि ये अतिक्रमण राजनीतिक सर्किट के साथ-साथ प्रशासन के समर्थन से हुआ है। अगर वक्फ बिल जो पारित किया गया है, वह मुस्लिम समुदाय के लाभ के लिए है, उसी तर्ज पर हम एक सनातन बोर्ड चाहते हैं, जो पूरे भारत और कश्मीर में मंदिरों की सुरक्षा के लिए काम कर सके।

ऑपरेशन ब्रह्मा : राजदूत अभय ठाकुर ने 15 टन चावल, तेल सहित अन्य सामग्री सौंपी

भारत ने म्यांमार में भूकंप प्रभावित प्रवासियों को भेजी और सामग्री

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

म्यांमार में भारत के राजदूत अभय ठाकुर ने यांगून में एक समुदाय राहत समूह को 15 टन चावल, खाना पकाने का तेल और अन्य खाद्य सामग्री सौंपी। वहीं, भारत के मंडले स्थित वाणिज्य दूतावास ने अंबिका मंदिर की रसोई के लिए जनरेटर, पानी शुद्ध करने वाली मशीन और तेल भेजा। यह रसोई हर दिन लगभग 4000 लोगों को भोजन प्रदान करती है।

इसके अलावा, म्यांमार के सबसे अधिक प्रभावित शहर मंडले में भारतीय सेना द्वारा बनाए गए फील्ड अस्पताल में अब तक 1,651 मरीजों का इलाज किया जा चुका है। केवल 9 अप्रैल को ही 281 लोगों का इलाज हुआ और कई सर्जरी भी की गईं।

म्यांमार में 28 मार्च को आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद भारत ने वहां रह रहे भारतीय मूल के लोगों की मदद के लिए बड़ा कदम उठाया है। ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत भारत ने म्यांमार के यांगून क्षेत्र में भारतीय समुदाय को जरूरी राहत सामग्री भेजी है।

खास बातें

- रसोई के लिए जनरेटर, पानी शुद्ध करने वाली मशीन भेजी
- भारतीय सेना ने बनाए फील्ड अस्पताल में 1,651 मरीजों का इलाज किया जा चुका है

कुल 625 टन राहत सामग्री म्यांमार को भेजी

भारत ने अब तक कुल 625 टन राहत सामग्री म्यांमार को भेजी है, जिसमें 442 टन की हालिया खेप भी शामिल है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की 80 सदस्यीय टीम और चार प्रशिक्षित खोजी कुत्तों को भी राहत और बचाव कार्यों के लिए तैनात किया गया है।

अब तक भूकंप में 3,645 लोगों की मौत हो चुकी है

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भूकंप में अब तक 3,645 लोगों की मौत हो चुकी है, 5,017 घायल हैं और 148 लोग अब भी लापता हैं। भूकंप ने म्यांमार की राजधानी नेपीडॉ समेत छह राज्यों और क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है। बिजली, फोन और मोबाइल नेटवर्क ठप हो गए हैं, जिससे स्थिति का पूरी तरह से आकलन करना मुश्किल हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक यह आपदा म्यांमार में पहले से जारी गृहयुद्ध के कारण पहले से ही खराब मानवीय संकट को और अधिक गंभीर बना रही है। वहां पहले ही तीन मिलियन से ज्यादा लोग बेघर हो चुके हैं और करीब 20 मिलियन लोगों को किसी न किसी तरह की मदद की जरूरत है।

कार्तिक अगली फिल्म में सांप से लड़ेंगे, शीर्षक से उठा पर्दा...

मुंबई। अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों सफलता के रथ पर सवार हैं। पिछली बार वह फिल्म 'भूल भुलैया 3' में नजर आए थे, जिसमें हमेशा की तरह उनके काम को काफी सराहा गया और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने खूब नोट छापे। आने वाले समय में कार्तिक कई चर्चित फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाएंगे। इन्हीं में से एक करण जौहर और महावीर जैन की फिल्म है। आखिरकार अब कार्तिक की इस फिल्म के शीर्षक से पर्दा उठ गया है। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, कार्तिक, करण और महावीर की फिल्म का नाम 'नागजिला' रखा गया है। यह हॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'गॉडजिला' से प्रेरित है। फिल्म की कहानी पहले ही लिखी जा चुकी है।

लाइफ Style

मोनिका
एंगी नजर, ट्रेलर जारी

एजेंसी ▸▸ मुंबई

ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो की आगामी वेब सीरीज 'खौफ' की इन दिनों खूब चर्चा हो रही है। इसमें मोनिका पंवार, रजत कपूर, गीतांजलि कुलकर्णी और शिल्पा शुक्ला जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 'बिग बॉस 18' की प्रतियोगी चुम दरांग भी इसका हिस्सा हैं। आखिरकार अब निर्माताओं ने 'खौफ' का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो हॉरर और सस्पेंस से भरपूर है। आइए जानें आप यह वेब सीरीज कब और कहां देख पाएंगे।

'खौफ' का प्रीमियर 18 अप्रैल से अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है। निर्माताओं ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, 'जो दिखता है, जरूरी नहीं वो सच हो।' पंकज कुमार और सूर्या बालाकृष्णन ने मिलकर इस सीरीज का निर्देशन किया है।

संजय राउत्रे और सरिता पाटिल इसके निर्माता हैं। इसमें प्रियंका सेतिया, रश्मी जुरैल मान, रिया शुक्ला, आशिमा वरदान, शालिनी वत्स, गगन अरोड़ा और सत्यम शर्मा जैसे कलाकार भी अभिनय करते नजर आएंगे।

'खौफ' का प्रीमियर 18 अप्रैल से अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है। निर्माताओं ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, 'जो दिखता है, जरूरी नहीं वो सच हो।' पंकज कुमार और सूर्या बालाकृष्णन ने मिलकर इस सीरीज का निर्देशन किया है।

हॉलीवुड मसाला

'ओपेनहाइमर' देख डर जाएंगे

लॉस एंजिलस। हमारी दुनिया आज जैसी है उसे वैसा बनाने में कई लोगों ने योगदान दिया है। कई बेहतरीन दिमाग लगे हैं आज हमें यहां तक पहुंचाने के लिए। उनमें से कुछ बुरे थे, कुछ बस अपना काम कर रहे थे। ऐसा ही कुछ ओपेनहाइमर के साथ हुआ था। वही ओपेनहाइमर जिन्होंने दुनिया का पहला परमाणु बॉम्ब बनाया। ये फिल्म एक सिनेमैटिक मास्टरपीस है। हर फ्रेम, हर डीटेल और सीन-सीक्वेंस के साथ नोलन आपका दिल जीत लेंगे। एक-एक सीक्वेंस का बिल्डअप आपकी धड़कनें बढ़ाता है। आपके रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

प्राइम वीडियो की 'पिक्चर दिस' में भरा है ड्रामा-रोमांस व सस्पेंस

लॉस एंजिलस। ब्रिटिश एक्ट्रेस सिमोन एशली हॉलीवुड का जाना माना नाम बन गई हैं। नेटफ्लिक्स की फेमस सीरीज 'ब्रिजरटन' में केट शर्मा का रोल निभाकर छाने वाली सिमोन अब एक नई फिल्म के साथ प्राइम वीडियो पर आ गई हैं। सिमोन एशली की नई फिल्म का नाम है 'पिक्चर दिस'। ये कहानी लंदन में रह रही इंडियन फैमिली से आई लड़की पिया (सिमोन एशली) की है। पिया, 30 साल की होने वाली है और अपना फोटो स्टूडियो चलाती है। उसके साथ उनका दोस्त जे (ल्यूक फेदर्सटन) है। दोनों साथ में बिजनेस करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन बात नहीं बन रही। पिया के पास है उसकी मां लक्ष्मी (सिंधु वी), पिता मुकुल (आदिल रे) और छोटी बहन सोनल (अनुष्का चड्ढा)। सोनल की शादी होने वाली है और ऐसे में लक्ष्मी चाहती है कि उसकी बेटी पिया के भी हाथ पीले हो जाएं. लेकिन पिया का शादी का कोई इरादा नहीं है, वो बस अपने स्टूडियो को बड़ा बनाना चाहती है।

तब्बू की 5 साल बाद साउथ में वापसी

मुंबई। तब्बू को पिछली बार अजय देवगन के साथ फिल्म 'औरों में कहां दम था' में देखा गया था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर पर उनकी यह फिल्म नहीं चली। इससे पहले आई तब्बू की फिल्म 'क्रू' ने टिकट खिड़की पर खूब धमाल किया था। तब्बू न सिर्फ बॉलीवुड, बल्कि साउथ में भी अपने अभिनय का जलवा बिखेर चुकी हैं और अब वह एक और दक्षिण भारतीय फिल्म से जुड़ गई हैं, जिसमें उनके साथ विजय सेतुपति नजर आएंगे। साउथ के स्टार विजय सेतुपति को अभिनय का स्कूल कहा जाता है। उनकी फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। पिछले कुछ समय से वह एक पैन इंडिया फिल्म को लेकर चर्चा में है। हालांकि, इसका नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इस फिल्म के निर्माताओं ने अब इसमें तब्बू का स्वागत किया है।

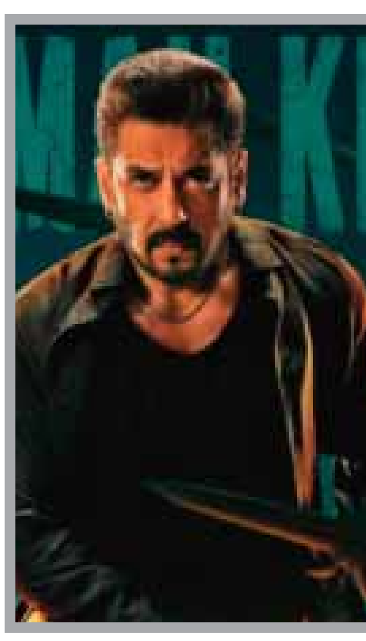

सलमान की 'सिकंदर' हुई फ्लॉप...

मुंबई। सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' ईद के खास मौके पर यानी 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। उनकी इस फिल्म से निर्माताओं के साथ-साथ दर्शकों को बड़ी उम्मदें थीं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी है। हर गुजरते दिन के साथ फिल्म की कमाई घटती जा रही है। आलम यह है कि 12वें दिन इस फिल्म की कमाई लाखों में सिमट गई है। आइए जानें अब तक 'सिकंदर' ने कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, 'सिकंदर' ने अपनी रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे गुरुवार को 75 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 107.85 करोड़ रुपये हो गया है। दुनियाभर में 'सिकंदर' ने 200 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है।

टीवी मसाला

'बालिका वधू' व 'अस्तित्व' फेम गजरा इस शो से कर रहीं टीवी पर वापसी

मुंबई। मशहूर पटकथा लेखक गजरा कोट्टारी टीवी शो 'बालिका वधू' और 'अस्तित्व' के लिए जानी जाती हैं। वह जल्द ही दंगल टीवी पर एक शो के साथ वापसी कर रही हैं। यह शो कन्नड़ भाषा के शो 'कोगिल' पर आधारित है। लेखिका गजरा कोट्टारी ने पहले टीवी की दुनिया की आलोचना करते हुए इसे छोड़ दिया था, जिससे लोग हैरान रह गए थे। तकरीबन डेढ़ साल बाद वह टीवी लेखन में लौट रही हैं। गजरा कोट्टारी ने डेली आई से बातचीत में अपने सफर के बारे में बताया है आइए जानते हैं।

क्या है 'ऐ दिल...जी ले जरा' की कहानी?

गजरा कोट्टारी 'ऐ दिल...जी ले जरा' से टीवी पर वापसी कर रही हैं। गजरा कोट्टारी ने 'ऐ दिल...जी ले जरा' के बारे में कहा कि इसे लेकर वह बहुत उत्साहित हैं। डेढ़ साल के बाद यह उनका पहला शो है। यह उनकी मूल कहानी का रूपांतरण है। ये कहानी कुछ साल पहले उदय टीवी पर लगभग तीन साल तक चली थी। इसका नाम 'कोगिल' था। यह एक लड़की की कहानी है, जिसे पता चलता है कि उसे गोद लिया गया है और वह मर रही है। वह एक म्यूजिक रियलिटी शो में भाग लेती है। उसे जिंदा रहने के लिए उन्हीं माता-पिता की मदद की जरूरत है, जिन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया था। यह रिश्तों के उतार-चढ़ाव से भरी कहानी है। उनके मुताबिक उन्हें आखिरकार एक चैनल और एक निर्माता मिल गया, जो इसे हिंदी में बनाने के लिए तैयार है।

इसलिए गजरा ने की वापसी

गजरा कोट्टारी से ये पूछे जाने पर कि ऐसी कौन सी चीज थी जिसने उन्हें दोबारा लिखने के लिए प्रेरित किया? उन्होंने बताया कि 'अतीत के गौरव का आनंद लेना आसान है, लेकिन मैं अपने पिछले अच्छे काम जितना ही अच्छी हूं। मैं आज के समय में प्रासंगिक बने रहना चाहती हूं। मैं अभी रिटायर होने के लिए तैयार नहीं हूं। मेरा मानना है कि लेखन एक ऐसी चीज है जो उम्र के साथ बेहतर होती जाती है। यह जीवन भर के सीखे हुए अनुभवों को दर्शाती है।

ओटीटी में लिखने के लिए फिट हैं गजरा

गजरा कोट्टारी ने ओटीटी के बारे में बात करते हुए कहा 'टीवी के लोगों और लेखकों के बीच बहुत डर है कि ओटीटी की तुलना में टीवी दर्शकों की संख्या में गिरावट आ रही है। थीम और विषयों के मामले में जोखिम उठाने में कमी आई है। कुछ लोगों को एहसास हो रहा है कि लगातार सफल फॉर्मूले दोहराना उल्टा है, इसलिए प्रयोग शुरू हो गए हैं। ओटीटी के लिए लिखने वाले में टीवी के लिए लिखने वालों के लिए एक अलग पूर्वाग्रह था। अब ओटीटी प्लेटफॉर्म को एहसास हो गया है कि उन्हें बड़े पैमाने पर दर्शकों को आकर्षित करने की जरूरत है, तो वे लंबी सीरीज फॉर्मेट के साथ प्रयोग कर रहे हैं।

'छोरी 2' रिव्यू: सोहा की वापसी दमदार, नुसरत भी तालियों की हकदार

मुंबई। बॉलीवुड में रीमेक बनाने का चलन बहुत पुराना है। नुसरत भरूचा और मीता वशिष्ठ अभिनीत 'छोरी' भी मराठी फिल्म 'लपाछपी' का रीमेक थी, जो डराने के साथ-साथ भ्रूण हत्या को लेकर अहम संदेश दे गई थी। साल 2021 में आई इस फिल्म का सीक्वल 'छोरी 2' लंबे समय से चर्चा में था। शुक्रवार यानी 11 अप्रैल को नुसरत और सोहा अली खान अभिनीत 'छोरी 2' अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। 'छोरी 2' की कहानी 'छोरी' के 7 साल बाद के समय से शुरू होती है। साक्षी (नुसरत) ने 7 साल पहले अपने सास-ससुर और पति को मार दिया था। उसकी छोरी ईशानी (हार्दिका शर्मा) बड़ी हो चुकी है। ईशानी को सोलर अर्टिकेरिया नाम की गंभीर बीमारी है, जिसके चलते वह सूरज की रोशनी में नहीं जा सकती। उसके पिता ने उसके पीछे शैतानी शक्तियां लगाई हैं। बेटी को मौत के बवंडर से साक्षी कैसे बचाती है, यह देखने लायक है।

सोहा निकलीं सरप्राइज पैकेज

यह फिल्म न सिर्फ अलौकिक शक्तियों और भूतिया सस्पेंस से भरी है, बल्कि लैंगिक भेदभाव जैसे गंभीर मुद्दे को भी छूती है। यह मां की अपने बच्चे को बचाने की जद्दोजहद को दिखाती है, जो रोंगटे खड़े कर देने के साथ-साथ भावुक भी कर देती है। फिल्म में सोहा ने सरप्राइज दिया है। उन्होंने शानदार वापसी की है। वह फिल्म की खलनायिका है, जो अपने खौफनाक अंदाज से डराने का माद्दा रखती है और यही उनके किरदार की जीत है।

खूब दमकीं सोहा और नुसरत : फिल्म में सोहा दासी मां की भूमिका में हैं, जो अपनी वापसी से अदाकारी की एक लंबी लकीर खींच जाती हैं। न तो पहले सोहा कभी पर्दे पर खलनायकी करती दिखी थीं और ना ही उनका ऐसा भयानक अवतार सामने आया था। अदाकारी के मोर्चे पर सोहा अव्वल नंबर रहीं। कुल मिलाकर ओटीटी पर ही सही, पर सोहा का सूरज चमक उठा है। उधर नुसरत ने अपनी अदाकारी का वो सिक्सर जड़ा है, जिसके लिए उन्हें हमेशा याद रखा जाएगा।

'क्लीन अप क्रू' की पहली झलक आई सामने

__मुंबई।__ भोजपुरी सिनेमा के मशहूर अभिनेता रवि किशन पिछली बार फिल्म 'डाकू महाराज' में नजर आए थे। इस फिल्म में भले ही उनका किरदार बेहद छोटा, लेकिन बहुत अहम था। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। इन दिनों रवि अपनी आगामी वेब सीरीज 'क्लीन अप क्रू' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आखिरकार अब 'क्लीन अप क्रू' से रवि की पहली झलक सामने आ गई है।

खून से लथपथ दिखे रवि

'क्लीन अप क्रू' के पहले पोस्टर में रवि का धांसू अवतार दिख रहा है। वह खून से लथपथ चिल्लाते हुए नजर आ रहे हैं। उनकी आंखों में गुस्सा साफ दिख रहा है। जियो स्टूडियो ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'लुक आउट हो गया है! कहानी? अभी भी रहस्य में!' इसमें रवि का अनदेखा अवतार देखने को मिलेगा। यह वेब सीरीज कब और कहां रिलीज होगी, फिलहाल यह जानकारी सामने नहीं आई है।

'लाहौर 1947' को जून महीने में रिलीज किया जाएगा

'लाहौर 1947' से लेकर 'सफर' तक, दर्शकों का मनोरंजन करेंगे सनी देओल

__मुंबई।__ सनी देओल पिछली बार फिल्म 'गदर 2' में नजर आए थे। हमेशा की तरह इस फिल्म में उनके काम को काफी सराहा गया और बॉक्स ऑफिस पर भी यह शानदार कमाई करने में सफल रही है। यह सनी के करियर की की सबसे कमाऊ फिल्म बनकर उभरी। इन दिनों सनी फिल्म 'जाट' में नजर आ रहे हैं, जिसने 9.50 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला है। आइए सनी की आगामी फिल्मों पर एक नजर डालते हैं।

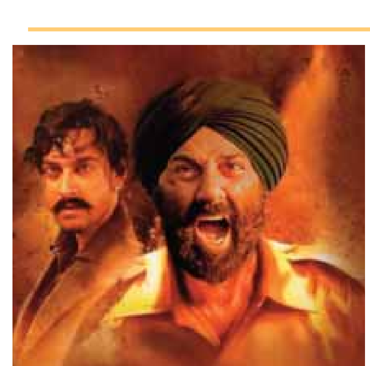

'लाहौर 1947'

'जाट' के बाद सनी फिल्म 'लाहौर 1947' में नजर आएंगे, जिसके निर्देशक राजकुमार संतोषी हैं। दोनों की जोड़ी ने हिंदी सिनेमा को 'घायल' और 'दामिनी' जैसी हिट फिल्में दी हैं। 1996 में आई फिल्म 'घातक' के लिए सनी और संतोषी आखिरी बार साथ आए थे। खास बात यह है कि आमिर खान इस फिल्म पर पैसा लगा रहे हैं। फिल्म में सनी के साथ अभिनेत्री प्रीति जिंटा नजर आएंगी। 'लाहौर 1947' को जून, 2025 में रिलीज किया जाएगा।

'बॉर्डर 2'

सनी की फिल्म 'बॉर्डर 2' भी कतार में है। यह साल 1997 में आई फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल है, जिसका निर्देशन जेपी दत्ता ने किया था। इस फिल्म में वरुण धवन भी मुख्य भूमिका में होंगे। दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान अनुराग सिंह ने संभाली है, वहीं भूषण कुमार इसके निर्माता हैं। यह फिल्म गणतंत्र दिवस के मौके पर यानी 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'रामायणः पार्ट 1'

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'रामायण' पिछले लंबे समय से चर्चा में है। ऐलान होने के बाद से ही यह फिल्म सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम तो साई पल्लवी माता सीता की भूमिका निभा रही हैं, वहीं हनुमान के किरदार के लिए सनी को चुना गया है। 'रामायण' का पहला दिवाली, 2026 में रिलीज किया जाएगा, वहीं इसका दूसरा भाग 2027 में दिवाली के मौके पर ही दर्शकों के बीच आएगा।

'सफर'

सनी के हाथ में फिल्म 'सफर' भी है। इस पारिवारिक ड्रामा फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसमें सनी एक एक पारिवारिक व्यक्ति की भूमिका निभाते हैं, जो जीवन की चुनौतियों के कारण हर पल का आनंद लेना सीखता है। इस फिल्म में सनी के अलावा दर्शन जरीवाला और सिमरन बग्गा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। 'सफर' सीधा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देगी। फिल्म का काम फिलहाल शुरुआती चरण में है।

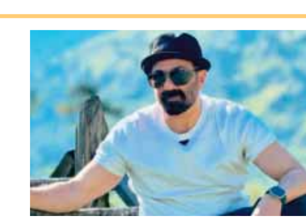

तालाब में हाथियों के दल की अठखेलियां... 27 हाथियों का दल घूम रहा क्षेत्र में

रायगढ़। भीषण गर्मी से इंसानों के साथ वन्य प्राणी भी बेहाल हैं। सारंगढ़ के गोमर्डा अभयारण्य में हाथियों का दल तालाब में पानी पीते और नहाते नजर आया। ठंडे पानी से अपने शरीर का तापमान कम करने हाथियों ने तालाब में खूब नहाया। इस झुंड में 27 हाथी मौजूद हैं।

खुद को ठंडा रखने कर रहे पानी का छिड़काव

सारंगढ़ के गोमर्डा अभ्यारण्य में हाथी पानी का जमकर आनंद उठा रहे हैं। पानी की टंकी में सूंड डालकर हाथी खुद को ठंडा रखने अपने ऊपर पानी का छिड़काव कर रहा है। इसके अलावा 27 हाथियों का झुंड भी तालाब में डुबकी लगाते नजर आया।

पेट्रोलिंग टीम ने किया कैप्चर

इस बीच हाथी एक दूसरे पर सूंड से पानी के फव्वारे छोड़ रहे थे। पेट्रोलिंग कर रही वन कर्मियों की टीम ने इस नजारे को देखकर अपने कैमरे में कैद कर लिया।

खबर संक्षेप

पैरोल पर रिहा, 15 वर्षों तक फरार, अब गिरफ्तार

रायपुर। जेल से फरार बंदी, कैदियों की पतासाजी करने के दौरान क्राइम ब्रांच की टीम ने पैरोल पर रिहा 15 साल से फरार बंदी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल किया। पुलिस ने हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे महासमुंद बसना निवासी संजीत धुर्वे उर्फ सुजीत को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल किया। संजीत वर्ष 2010 में जेल से पैरोल पर रिहा होने के बाद फरार हो गया था।

बस स्टैंड पर ड्रग्स के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर। टिकरापारा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर इंटरस्टेट बस टर्मिनल के पास एक युवक को तीन ग्राम से ज्यादा 20 हजार रुपए कीमत की एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौदहापारा निवासी फहीम खान को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। फहीम ड्रग्स बेचने की फिराक में ग्राहक तलाश रहा था। इस दौरान पुलिस ने उसे पकड़ा।

शासन के जवाब पर हाईकोर्ट ने कहा- राज्य का यह कर्तव्य है कि वह सभी संभावनाओं का पता लगाए

बेमेतरा में बन रहा 500 कैदियों की क्षमता वाला ओपन जेल मई में पूरा हो जाएगा, जून में शिफ्ट हो सकेंगे बंदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

प्रदेश की जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों की भीड़ व उनके रहने की अमानवीय परिस्थितियों को लेकर पेश जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान राज्य शासन ने हाईकोर्ट को बताया कि मई के अंत तक बेमेतरा में ओपन जेल का निर्माण पूर्ण हो जाएगा। जून से इसे शुरू करने की कोशिश की जा रही है। शासन की ओर से कहा गया कि बेमेतरा में 500 कैदियों की क्षमता वाले ओपन जेल निर्माण कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है।

शासन के जवाब के बाद हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई जून 2025 में रखी है। इसके साथ ही शासन ने जवाब पेश करते हुए कहा है कि रायपुर और बिलासपुर में विशेष जेल बनाई जा रही है। रायपुर में चार हजार और बिलासपुर में 1500 बंदियों की क्षमता वाले जेल का निर्माण किया जा रहा है।

खास खबर

ओपन जेल और जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों के मामले में शुक्रवार को सुनवाई हुई। राज्य शासन की ओर से कहा गया कि बेमेतरा में ओपन जेल का काम अंतिम चरण पर है और इसे मई तक पूरा कर लिया जाएगा। हाईकोर्ट ने रायपुर और बिलासपुर में सेंट्रल जेल विस्तार का काम चल रहा है, उसकी प्रगति क्या है के बारे में भी पूछा। डिवीजन बेंच ने अगली सुनवाई के दौरान विस्तृत जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। अगली सुनवाई जून 2025 में रखी गई है।

परिवार के साथ रहेंगे कैदी, मिलेंगी सुविधाएं

ज्ञात हो कि अन्य जेल की तुलना में खुला जेल में बहुत सारे नियमों को शिथिल कर दिया जाता है। जैसे कैदियों को मिलने का समय, घुमने की आजादी, परिवार के साथ रहने की सुविधा आदि मिलती है। यह जेल बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पथर्रा में बन रहा है। राज्य शासन ने 22 करोड़ 12 लाख की स्वीकृति दी है। कैदियों को व्यवसायिक पके साथ-साथ जीविकोपार्जन के लिए अन्य प्रशिक्षण भी प्रदान किए जाएंगे। प्रारंभ होने से गंभीर किस्म के अपराध में संलिप्त नहीं होने वाले अपराधियों को इस जेल में स्थानांतरित किया जा सकेगा।

बढ़ई, प्लंबर, पेंटर, माली, किसान कैदियों की जानकारी

दरअसल प्रदेश में स्थित विभिन्न जेलों से एकत्र किए गए आंकड़ों के आधार पर स्वतः संज्ञान से एक प्रकरण हाईकोर्ट ने दर्ज किया है। ऐसे 340 कैदी है, जिन्हें कि 20 साल से अधिक कारावास की सजा सुनाई गई है और उनकी अपील भी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। तब उन कैदियों की क्या दुर्दशा होगी, जिन्हें इतने लंबे समय तक कारावास में रहना पड़ेगा। इस पत्र के आधार पर ही कुल 6 बिंदुओं पर डाटा एकत्र किए गए। इसमें जेल की क्षमता और वास्तव में रखे गए कैदियों की कुल संख्या के बारे में जानकारी ली गई। बढ़ई, प्लंबर, पेंटर, माली, किसान आदि जैसे कुशल पेशेवर कैदियों की कुल संख्या, वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में आने वाले कैदी और जेल से भागने की कोशिश करने वाले कैदियों की संख्या कितनी है यह जानकारी जुटाई गई। जेल में महिला कैदियों के साथ 82 बच्चे रह रहे हैं।

जेल में रोजगारमूलक कार्य करवाए जाएंगे

शासन की ओर से बताया गया कि कैदियों को जीवन की मुख्यधारा में लौटने में सहायता करने के उद्देश्य से उन्हें व्यवसायिक प्रशिक्षण के साथ साथ अन्य जीविकोपार्जन के विविध कार्य भी सिखाए जाएंगे। इस जेल में डेयरी शेड, पोल्ट्री फार्म, गौर शेड गार्डनिंग वर्क हॉर्टिकल्चर और फ्लोरीकल्चर समेत अन्य कार्य रूचि के अनुसार कराए जाएंगे। खुली जेल में बैरक भवन, प्रशासनिक भवन और वर्कशॉप भवन भी होंगे। जेल निर्माण के लिए 30 एकड़ भूमि का आवंटन किया गया है। इस जेल में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लाए गए कैदियों को जेल में रोजगार मूलक कार्य करवाए जाएंगे। कैदियों को जेल में विशेषकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़कर किए जाने वाले कार्यों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

नियुक्ति या पदोन्नति

आवश्यक योग्यताएं व मानदंड निर्धारित करना नियोक्ता का अधिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया है कि किसी पद पर नियुक्ति या पदोन्नति के लिए आवश्यक योग्यताएं व मानदंड निर्धारित करना नियोक्ता का अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि नियोक्ता को यह स्वतंत्रता होती है कि वह अपनी आवश्यकता, कार्य की प्रकृति और संस्थागत हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक, वांछनीय या वरीयता योग्य योग्यताएं तय करे। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बीडी गुरु की खंडपीठ ने यह फैसला न्यायालय के ही 16 कर्मचारियों द्वारा दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए सुनाया है। इसमें उन्होंने सहायक ग्रेड-3 में पदोन्नति के लिए अपनाए गए नवीन चयन मानदंडों को चुनौती दी थी। अदालत ने इन कर्मचारियों की याचिका को खारिज कर दिया।

यह मांग थी याचिका में

याचिकाकर्ताओं में प्रमुख रूप से भीम बलि यादव सहित 15 अन्य चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शामिल थे, उन्होंने अपनी याचिका में यह दावा किया कि वे विगत 15-20 वर्षों से बिना किसी पदोन्नति के समान वेतन व पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने यह दलील दी कि वर्ष 2003 और 2015 के सेवा नियमों में उनके लिए जो पदोन्नति मानदंड निर्धारित किए गए थे, वे नियम ही लागू होने चाहिए। उन्होंने हाईकोर्ट प्रशासन द्वारा 24 फरवरी 2022 को जारी उस अधिसूचना को रद्द करने की मांग की थी। जिसमें लिखित परीक्षा और कौशल परीक्षण को अनिवार्य किया गया है।

सट्टा खिलाते आठ सटोरिए गिरफ्तार

रायपुर। तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस ने सट्टा संचालित करते एक नाबालिग सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। सटोरियों के कब्जे से पुलिस ने 15 हजार रुपए से ज्यादा नकदी रकम जब्त की है। कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस ने सट्टा संचालित करते राज कुरील, राकेश कन्नौजे, प्रदीप चौहान, अरूण सोना को गिरफ्तार किया है। तेलीबांधा पुलिस ने बलदेव वर्सागेड़े तथा एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। देवेंद्र नगर थाने की पुलिस ने सट्टा संचालित करने के आरोप में कमल सूर्यवंशी तथा मोहम्मद मोहसीन को गिरफ्तार किया है।

राशिफल

मेष - कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष - मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन - परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क - आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह - बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या - नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला - भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक - जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु - व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर - परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ - मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन - तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

मुस्लिम मुल्क सउदी अरब ने बनाया गजब कानून

अगर बुजुर्गों को गाली दी तो सवा करोड़ जुर्माना, जाना पड़ेगा जेल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

माता-पिता और बुजुर्गों के साथ मारपीट, मिसविहैब की तमाम वीडियोज देखे होंगे। कई खबरें पढ़ी होंगी। भारत में इसके लिए कड़ा कानून है। लेकिन मुस्लिम देश सऊदी अरब ने दुनिया का सबसे सख्त कानून बना दिया है। अब अगर बुजुर्ग को किसी ने भी गाली दी, उनके साथ मारपीट की कोशिश भी की तो लगभग सवा करोड़ जुर्माना भरना पड़ेगा। इतना ही नहीं, जेल जाना भी पड़ सकता है। गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब के ह्यूमन रिसोर्स मिनिस्टर ने गुरुवार को 'एल्डरली राइट्स एंड केयर लॉ' लागू करने का ऐलान किया। इस कानून के तहत, अगर कोई व्यक्ति किसी बुजुर्ग के साथ मारपीट करता है या फिर उनके साथ दुर्व्यवहार करता है तो उस पर 500,000 सऊदी रियाल यानी लगभग 1.125 करोड़ रुपया जुर्माना लगाया जा सकता है।

भारत में कितनी सजा

भारत में भी बुजुर्गों के खिलाफ अपराधों के लिए कानून मौजूद हैं। जैसे कि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007, इसमें माता-पिता या बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार करने पर 7 साल तक की जेल हो सकती है। जुर्माना भी लगाया जा सकता है। अगर दुर्व्यवहार गंभीर हो जैसे मारपीट या गाली-गलौज के साथ चोट पहुंचाना, तो सजा बढ़ाई जा सकती है। लेकिन सऊदी अरब ने शायद दुनिया का सबसे कठोर कानून पास किया है।

एसीबी व ईओडब्ल्यू कार्रवाई, छवि धूमिल करने की साजिशः कुंजाम

बोनस घोटाले के गुनहगारों को बचाना चाहती है सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोण्टा

एसीबी व ईओडब्ल्यू द्वारा मारे गए छापे पर पूर्व विधायक मनीष कुंजाम ने प्रतिक्रिया देते कहा कि तेंदूपत्ता बोनस घोटाले के असल गुनाहगारों पर कार्रवाई करने के बजाय सरकार मेरे खिलाफ कार्रवाई कर रही है। आज पत्रवार्ता में उन्होंने कहा कि इसके पीछे सरकार की नीयत स्पष्ट है कि वह असल गुनाहगारों को बचाना चाहती हैं। इस कार्रवाई में मेरे घर से कुछ भी आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिलने के बावजूद दो मोबाइल फोन व निजी डायरी जब्त की गई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का खुला उल्लंघन है, क्योंकि जब्ती मोबाइल की हैश वैल्यू नहीं दी गई है। जिससे पुलिस द्वारा मोबाइल के साथ छेड़छाड़ कर फर्जी सामग्री डालकर फंसाने की संभावना है।

जिपं चुनाव में आला अधिकारी ने दिया था प्रलोभन

मनीष कुंजाम ने वन विभाग के प्रदेश स्तर के एक अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जिला पंचायत चुनाव के बाद लगातार उन पर सत्ता पक्ष से जुड़े नेता दबाव बना रहे थे। भाजपा से गठबंधन कर जिला पंचायत में अध्यक्ष की सीट पर कब्जा करना चाहते थे। जगदलपुर वन विद्यालय के गेस्ट हाउस में वन विभाग के प्रदेश स्तर के अधिकारी द्वारा मुझे मुंह मांगा रकम देने का प्रलोभन दिया गया, लेकिन मैंने उनके प्रस्ताव को वहीं ठुकरा दिया और कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया।

लोकतांत्रिक आंदोलन को कुचलने की साजिश

पूर्व विधायक ने कहा कि बोनस घोटाले में वन समिति प्रबंधक और सुकमा डिविजन के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। डीएफओ की संलिप्तता उजागर होने के बाद उसे निलंबित कर दिया गया। हमने निलंबन के बाद भी इस पूरे घोटाले में डीएफओ के साथ शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी, क्योंकि डीएफओ ही केवल शामिल नहीं है। डीएफओ के ऊपर के अधिकारी और सत्ता पक्ष के नेता भी बराबर के हिस्सेदार हैं। शासन-प्रशासन द्वारा मेरी छवि को धूमिल करने की साजिश के तहत कार्रवाई की गई। शिकायत करने वाले व्यक्ति के खिलाफ ही ऐसी कार्रवाई इस बात का प्रतीक है।

आवश्यकता

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:-9202613238 (रायपुर /14/अप्रैल 25)

आवश्यकता है- सुनहरा अवसर सरकारी नौकरी भारतीय वनविभाग में सीधीपक्की भर्ती, परमानेंट बेसेस पर, आवेदन करें, 10वी+12वी पास लड़के लड़कियां, पद - वनसिपाही, वनरक्षक, क्लर्क, वनपाल सैलरी -25000/- से 35000/-आवेदन के लिए, आधारकार्ड, पासपोर्ट फोटो, मार्कशीट व्हाट्सएप / संपर्क करें - 9933803418 (रायपुर /15/अप्रैल 25)

अब आप पायेंगे अपना सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

तमिलनाडु में भाजपा और एआईएडीएमके में फिर हुआ गठबंधन

नई दिल्ली। तमिलनाडु में भाजपा और ऑल इंडिया द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम के बीच फिर गठबंधन हो गया है। गृह मंत्री अमित शाह ने इसका ऐलान किया है। शाह ने कहा कि आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव राज्य में ई पलानीस्वामी के नेतृत्व में लड़े जाएंगे, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन का चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होंगे। उन्होंने कहा कि सीटों का बंटवारा बाद में चर्चा के बाद किया जाएगा। शाह ने कहा, भाजपा चुनाव के बाद तय करेगी कि वह सरकार में शामिल होगी या नहीं। एआईएडीएमके ने कोई मांग नहीं रखी है और उनके आंतरिक मामलों में भाजपा का कोई हस्तक्षेप नहीं है। यह गठबंधन दोनों पार्टियों के लिए उपयोगी है और हम मिलकर चुनाव लड़ेंगे। मंत्रियों की संख्या और सीटों के बंटवारे का निर्णय उचित समय पर लिया जाएगा। फिलहाल एनडीए का मुख्य लक्ष्य राज्य में भ्रष्ट डीएमके सरकार को हटाना है।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

शब्द पहेली - 5835

बाएँ से दाए
1. चिकित्सा, इलाज-4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा, क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर, शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थंकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा, अर्जित-3
17. मैदे की रोटी-2
19. मनोहर, आकर्षक-5
22. अनासक्ति, निर्विकारता-5
25. पानी, नीर-2
26. सूखा, दुष्काल-3
27. कांटा, कंटक-2
28. शांति, ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण, तेजस्वी-3
31. लाख, गोंद-2
33. मधुक, महुआ-3
35. हृदयगति, स्पंदन-4
36. अनुक्रम, निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे
2. पंख, पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक, देखरेख करने वाला, मुहाफिज-5
5. वियोग, जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता, अकेलापन-4
10. मरियल, निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16. मक्खन-3
17. रिश्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्धक-3
24. विदिर्ण-2.2
25. पानी का बहना-5
26. जुर्म, गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम, नमस्कार-3
32. लड़ी, श्रृंखला-2
34. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 5834 का हल

सूडोकु नवताल - 5845

*****
कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5844 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

विशेषः अप्रैल-तनाव जागरूकता माह

लाइफ में न रहे टेंशन सीखें स्ट्रेस मैनेजमेंट

आज के दौर में जिस तरह की लाइफस्टाइल हम सब जी रहे हैं, उसमें टेंशन से बचना तो बहुत मुश्किल है। लेकिन हम ऐसा जरूर कर सकते हैं, जिससे टेंशन हम पर हावी न हो। इसके लिए हमें स्ट्रेस मैनेजमेंट सीखना होगा। इसे सीखना बहुत कठिन नहीं है। यहां दिए जा रहे कुछ सजेशंस आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं।

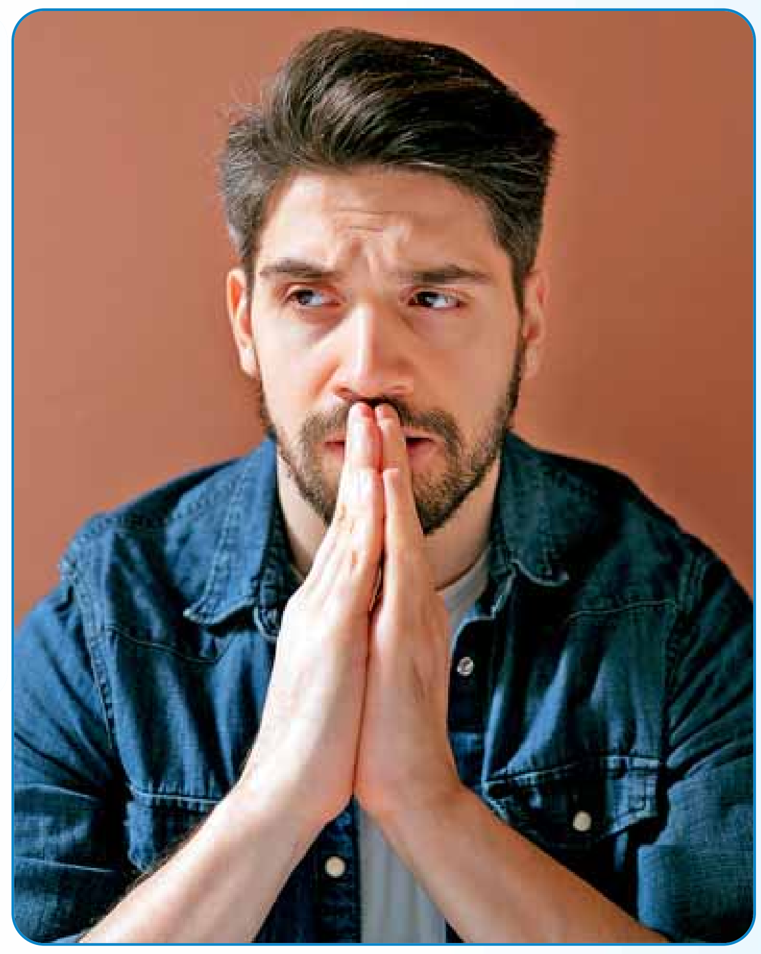

वर्तमान समय में दुनिया के हर हिस्से में स्ट्रेस एक महामारी का रूप ले चुका है। आपा-धापी भरे आज के जीवन में हर आयुवर्ग के लोग तनाव के घेरे में हैं। तनाव की जकड़न बच्चों से लेकर बड़ों तक, बहुत सी शारीरिक और मानसिक समस्याओं का भी शिकार बना रही है। यही वजह है कि तनाव के कारणों, इससे बचाव और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 1992 से हर वर्ष अप्रैल को तनाव जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। महीने भर स्ट्रेस से पैदा हो रहीं समस्याओं पर खुलकर बातचीत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। तनाव के शिकार लोगों के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए जरूरी हो चला है कि स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए कुछ सहज सरल कदम हर कोई अपनाए।

तनाव को समझिए

सबसे पहले तो तनाव में घिरने की स्थिति को समझना आवश्यक है। आमतौर पर स्ट्रेस के कारण पैदा होने वाली गंभीर बीमारियों के जाल में फंसने से पहले तक स्ट्रेस को कोई परेशानी समझा ही नहीं जाता। जबकि स्ट्रेस के दुष्प्रभावों को समय रहते समझना ही इसके नेगेटिव असर से बचने की राह है। असल में स्ट्रेस को प्रबंधित करने का तरीका जानने के लिए भी इसका शिकार होने की स्थितियों को समझना आवश्यक है। यह समझ तनाव से निपटने के लिए स्वस्थ तरीके ढूंढ़ना भी आसान कर देती हैं। स्ट्रेस के कारण जानकर ही निवारण का मार्ग ढूंढ़ा जा सकता है। इसीलिए सबसे पहले उन ट्रिगर्स को पहचानें, जो तनाव पैदा करते हैं। उन बातों और हालातों को ट्रैक करते रहें, जब आप तनाव महसूस करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में अपनी प्रतिक्रिया पर भी नजर रखें, क्योंकि कई बार अपने गलत रिएक्शन या ओवर रिएक्ट करने से भी अपराधबोध और तनाव बढ़ता है। याद रहे कि खुद अपने मन को विचलित करने वाली स्वास्थ्य समस्या के कारणों को समझना उसके इलाज की राह बहुत आसान बना देता है।

स्वस्थ-सकारात्मक जीवनचर्या

जिंदगी की जुड़ी भाग-दौड़ के अलावा लाइफस्टाइल से जुड़ी गलतियां भी तनाव के घेरे में लाने का कारण बन रही हैं। सधी हुई दिनचर्या से कमोबेश हर उम्र के लोग दूर हुए हैं। जबकि समय पर काम ना निपटाने से लेकर सोने-जागने का सही रूटीन न रखने जैसी आम सी बातें भी इंसान के मन को स्ट्रेस का शिकार बनाती हैं। अस्त-व्यस्त रहना, अनचाहा सामान जमा करना, खुद अपनी चीजों की देखभाल न करना, नींद पूरी न होना, बुरी लत या कसरत ना करना। सब कुछ मन पर एक अनचाहा सा बोझ बढ़ाने वाला परिवेश बनाकर स्ट्रेस का कारण बन जाते हैं। तनाव की जकड़न वाली गंभीर स्थितियों में डॉक्टर की सलाह लेना आवश्यक है। संतुलित जीवनशैली, स्ट्रेस के जाल में फंसने ही नहीं देती। साथ ही अनुशासित जीवनशैली हमारे विचारों को भी सकारात्मक दिशा देती है। पॉजिटिव सोच, तकलीफदेह परिस्थिति में भी 'सब खत्म हो गया', 'अब कुछ नहीं हो सकता' जैसे नकारात्मक विचारों से बचाती है। असल में आशावादी मन, जीवन के हर उतार-चढ़ाव में एक नयापन ढूंढ़ता है। यह सोच कभी तनाव के घेरे में नहीं आने देती।

जीवन से जुड़िए

आज के दौर में स्क्रीन में गुम रहना हो या चाहे-अनचाहे खुद तक सिमट जाने की प्रवृत्ति, अकेलापन और सामाजिक जीवन से दूरी तनाव के सबसे बड़े कारणों में शामिल हैं। इंसान का जीवन भावनाओं और सामाजिक संबंधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। अपनेपन से पोषण पाता है। स्नेह और साथ, मन को सुख देने वाले भाव हैं। यही वजह है कि सामाजिक गतिविधियों का सिमटना तनाव को विस्तार दे रहा है। आज के समय में जिंदगी में एक नीरसता और रूखापन भी आया है। दुनिया भर से जुड़े होने के मुगालते में इंसान खुद अपनी जिंदगी से दूर हुआ है। स्ट्रेस में घिरी मनःस्थिति को साझा करने के लिए भी अधिकतर लोगों के पास कोई विश्वसनीय साथी नहीं होता। जबकि स्ट्रेस मैनेजमेंट का सबसे अहम पहलू ही यही है कि मन-मस्तिष्क की ऊहापोह सुनने या सही सलाह देने के लिए कोई साथी जरूर हो। विश्वसनीय मित्र या परिजन ही ऐसा कर सकते हैं। अपनेपन की यह बुनियाद बनाने के लिए सामाजिक-पारिवारिक मेल-जोल आवश्यक है। *

इस वर्ष की थीम-लीड विद लव

स्ट्रेस प्रॉब्लम को लेकर जागरूकता लाने का एक अहम पहलू मित्रों, परिजनों, सहकर्मियों और पेशेवर लोगों के साथ अपनी मानसिक-भावनात्मक स्थिति के बारे में खुलकर बात करने का परिवेश बनाने से भी जुड़ा है। साथ ही इन दिनों तनाव के घेरे में फंसे अपनों-परायों का संबल बनने की अवेयरनेस लाने के प्रयास भी किए जाते हैं। साल 2025 के लिए तो तनाव जागरूकता माह की थीम ही 'लीड विद लव' है। यह विषय स्ट्रेस की समस्या को लेकर स्वयं अपने और दूसरों के साथ दया, करुणा और सहज स्वीकार्यता के साथ पेश आने पर केंद्रित है। 'प्यार के साथ नेतृत्व करें' का यह विचार तनाव के चलते बहुत सी चुनौतियों से जूझते हुए भी सकारात्मक बने रहने के भाव को पोसने वाला है। कठिनाई के बावजूद जीवन के प्रति सहज बने रहने का संदेश देता है। यह थीम अपने आप के लिए तनाव प्रबंधन हेतु सधी जीवनशैली, संतुलित भोजन, कसरत, योग, मेडिटेशन और खुले संवाद जैसे बदलावों को अपनाने की राह सुझाती है तो दूसरों के मन को समझने के लिए भी सजग करती है।

आधुनिकता, तकनीकी निर्भरता और स्वार्थपरता की वजह से वर्तमान समय में इंसानी समाज के सामने नैतिकता और भरोसे का संकट आ खड़ा हुआ है। बेहतर समाज के लिए जरूरी है कि इसके ग्राफ को गिरने से बचाए रखा जाए।

बेहतर समाज के लिए न गिरने दें नैतिकता-भरोसे का ग्राफ

सोशल बिहेवियर
यशोधरा भटनागर

कहते हैं, शेयर बाजार में कब कौन-सा स्टॉक ऊपर जाएगा और कौन-सा औंधे मुंह गिरेगा, यह कोई नहीं बता सकता। ठीक वैसे ही आजकल इंसानों का भी हाल हो गया है। किसी पर भरोसा करो तो हो सकता है कि वह अगले ही पल आपको ठगने का प्लान बना रहा हो। रिश्तों और भरोसे की कीमतें इस कदर अस्थिर हो गई हैं कि कौन कब नैतिकता के बाजार में दिवालिया हो जाए, इसका कोई भरोसा नहीं।

बदल गया है नजरियाः पहले के जमाने में इंसान अपने चरित्र और नैतिकता से पहचाना जाता था, लेकिन अब यह पहचान उसके बैंक बैलेंस, सोशल मीडिया स्टेटस और अवसरवादी सोच पर आधारित हो गई है। ईमानदारी और सच्चाई के शेयर दिन-ब-दिन गिरते जा रहे हैं, जबकि स्वार्थ, धोखाधड़ी और अवसरवाद के स्टॉक्स बुल मार्केट में है। अब रिश्ते भी शेयर बाजार की तरह हो गए हैं। अगर आपका कोई मित्र या रिश्तेदार आपसे जुड़ा हुआ है, तो यह मत समझिए कि वह आपके अच्छे स्वभाव और ईमानदारी की वजह से है। हो सकता है कि उसने सिर्फ इसलिए आपका साथ पकड़ा हो, क्योंकि वह आपसे कोई मुनाफा निकालना चाहता हो। जैसे ही उसे कोई बेहतर 'इन्वेस्टमेंट ऑप्शन' मिलेगा, वह अपना सारा इमोशनल कैपिटल निकाल कर कहीं और लगा देगा। आजकल दोस्ती और रिश्ते भी आई.पी.ओ. (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) की तरह होते हैं। पहले बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, भरोसे के लुभावने विज्ञापन दिए जाते हैं, और जैसे ही लोग इसमें निवेश करते हैं, धीरे-धीरे हकीकत सामने आने लगती है। कई दोस्त और रिश्तेदार सिर्फ तब तक साथ रहते हैं, जब तक उनकी 'रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट' अच्छी बनी रहती है। जैसे ही उन्हें लगता है कि अब यहां कोई फायदा नहीं बचा, वे अपने शेयर बेचकर कहीं और चले जाते हैं।

दिखावा हुआ महत्वपूर्णः इस नए दौर में दिखावा ही असली पूंजी बन गया है। लोग नैतिकता और ईमानदारी को कर्ज में डूबा हुआ शेयर मानते हैं, जबकि तड़क-भड़क और चालाकी का ग्राफ ऊपर चढ़ता जा रहा है। अगर आप सीधा-सादा जीवन जीते हैं और सच्चाई में विश्वास रखते हैं, तो आपको पुराने जमाने का 'लो वैल्यू स्टॉक' मान लिया जाएगा। लेकिन अगर आप थोड़े घमंडी, थोड़े धोखेबाज और बहुत बड़े दिखावटी हैं, तो आपको 'हाई ग्रोथ स्टॉक' माना जाएगा।

कम हुआ भरोसे का मानः आज की दुनिया में भरोसे का इंडेक्स इस कदर गिर चुका है कि आज किसी की बातों पर यकीन करना ही जोखिम भरा हो गया है। वायदा कारोबार की तरह, लोग बड़े-बड़े वादे तो कर लेते हैं, लेकिन जब डिलीवरी देने का समय आता है, तो 'मार्केट क्रैश' हो जाता है। कई दोस्त और रिश्तेदार इस दौर के 'इनसाइडर ट्रेडर' बन चुके हैं- बाहर से मासूम लगते हैं, लेकिन अंदर ही अंदर आपकी कीमत गिराने की साजिशें चल रही होती हैं। आजकल जब कोई आपसे बहुत मीठा बोलता है, तो यह समझने में देर नहीं लगती कि या तो वह आपसे कुछ उधार लेना चाहता है या फिर कोई और फायदा उठाने के लिए पास आ रहा है। यह दौर वही है, जहां दोस्ती भी 'मार्केट सिचुएशन' देखकर बनाई और तोड़ी जाती है।

विश्वसनीयता का संकटः सवाल है आज की दुनिया में नैतिकता, सच्चाई और अच्छाई का मूल्य आखिर इतना कम क्यों हो गया है? ऐसा नहीं है कि यह दुनिया शुरू से ही ऐसी थी। पहले लोगों की पूंजी उनका चरित्र हुआ करता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब ईमानदार इंसान को 'अनप्रॉफिटेबल इन्वेस्टमेंट' मान लिया जाता है। किसी की मदद कर दो तो लोग सोचने लगते हैं कि इसमें आपकी क्या चाल है! आज के दौर में अगर आप बिना किसी स्वार्थ के किसी की मदद कर दें, तो सामने वाला शक की नजरों से देखने लगता है। लोग भरोसे की डीलिंग में इतने बार ठगे जा चुके होते हैं कि अब जल्दी किसी पर विश्वास करने से डरते हैं।

बनी रहे रिश्ते-भरोसे की गरिमाः अगर इंसान इसी राह पर चलता रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब नैतिकता और मूल्यों की बाजार में कोई खरीद-फरोख्त नहीं बचेगी। लोग केवल दिखावे और मुनाफे के स्टॉक्स में निवेश करेंगे, और इंसानियत का सेंसेक्स हमेशा के लिए क्रैश हो जाएगा। इसलिए जरूरी है कि हम सिर्फ मुनाफे और अवसर के व्यापारी न बनें, बल्कि ऐसे निवेशक बनें जो रिश्तों और भरोसे के ब्लू-चिप स्टॉक्स में लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट करें। तभी समाज का शेयर बाजार स्थिर रहेगा और नैतिकता का ग्राफ फिर से ऊपर जाएगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

शैलेंद्र का गीतों भरा जीवन

अपने छोटे से जीवन में ही गीतकार शैलेंद्र ने ऐसे यादगार और शानदार गीत रचे, जो आज भी लोगों की जुबान पर हैं। उनके फिल्मी, गैर फिल्मी गीतों के साथ ही उनके जीवन के तमाम अनछुए पहलुओं पर रोशनी डालती है किताब 'सजनवा बैरी हो गये हमार-गीतकार शैलेंद्र का जीवन और लेखन', जिसे लिखा है, चर्चित फिल्म समीक्षक और लेखक जय सिंह ने। इस किताब से गुजरते हुए हम शैलेंद्र के जीवन में आए तमाम उतार-चढ़ावों से रूबरू हो सकते हैं। परिश्रम से लिखी गई इस किताब में शैलेंद्र के जीवन से जुड़े कई रोचक और मार्मिक किस्सों को पूरी प्रामाणिकता के साथ संजोया गया है। जीवन के हर रंग और गहन दर्शन को सरल शब्दों में पिरोने वाले शैलेंद्र के बारे में इरशाद कामिल ने पुस्तक की भूमिका में सही ही लिखा है, 'शैलेंद्र शब्दों का शिल्प जानता था, कविता की कला जानता था, भावनाओं के सागर की गहराई जानता था और लोगों के दिलों तक पहुंचने का रास्ता जानता था।' *

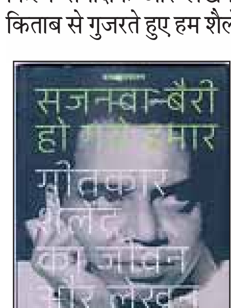

पुस्तकः सजनवा बैरी हो गये हमार, **लेखकः** जय सिंह, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** वाम प्रकाशन, नई दिल्ली

सुबह का भूला

कई बार हम किसी दंभ में जीते हुए अपनों से दूर हो जाते हैं। उम्र के एक पड़ाव पर आकर हमें अपनों की जरूरत महसूस होती है, किसी विपदा में तो और भी ज्यादा, लेकिन तब तक बहुत दूरियां बन चुकी होती हैं, रिश्ते मुरझा चुके होते हैं। जीवन की विसंगति को प्रकट करती कहानी।

कहानी / संजय मृदुल

फाइव स्टार होटल जैसा बड़ा हॉस्पिटल, लॉबी में भीड़-भाड़ के बीच कॉफी शॉप की एक टेबल पर अल्पना अकेली बैठी थी। कॉफी से उठता धुआं अल्पना की आंखों में भर रहा था। अल्पना के चेहरे पर तनाव झलक रहा था। हॉस्पिटल का माहौल ऐसा होता ही है कि अच्छे-भले इंसान का दिल बैठ जाए। वार्डों में कहीं पट्टियों में लिपटे मरीज, किसी बिस्तर पर आंख बंद कर लेटे हुए इंसान के सिर के बाजू रखी मशीन की डरावनी आवाज। आईसीयू के बाहर बैठे परिवारजनों के चेहरे पर किसी आस के भाव, तो किसी की आंखों में निराशा की झलक। अल्पना का यह पहला अवसर था, जब उसे अस्पताल में एक जगह से दूसरी जगह भाग-दौड़ करनी पड़ रही थी।

उधर अल्पना के पिता जी का ऑपरेशन चल रहा था। उन्हें दो दिन पहले सुबह-सुबह सीने में दर्द उठा। अल्पना ने नौकर की मदद से जैसे-तैसे कार से लाकर उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती किया। पता चला धमनियों में ब्लॉकेज है। तात्कालिक उपचार और जाने कितने टेस्ट के बाद आज ऑपरेशन हो रहा है।

अल्पना को समझ में नहीं आ रहा है, किसे कॉल करें। खुद पर उसे भरोसा नहीं हो रहा था कि वह सब संभाल पाएगी। जितने भी रिश्तेदार हैं शहर में, उनसे बस औपचारिक-सा रिश्ता है। न वो किसी के घर जाती है, न ही कोई उसके घर आता है। मन में एक ख्याल यह भी आ रहा था कि अकेले ही संभालना ठीक है, क्यों किसी का एहसान लिया जाए।

इसी ऊहापोह में अल्पना ने बैठे-बैठे कुछ लोगों को पिता जी के बारे में बताने के लिए कॉल किया। मामा जी, चाचा जी, मौसा जी जैसे निकट के रिश्तदारों को। सबने आश्चर्य जताया, सहानुभूति दिखाई और जरूरत पड़े तो बताना जैसे वाक्य बोल इतिश्री कर ली। पिता जी के चचेरे भाई को लगा, पैसे न मांग लें तो वो बिना कुछ कहे पैसों का दुखड़ा रोने लगे।

अल्पना को न पैसों की जरूरत थी न ही भीड़ की, उसे लग रहा था कि कोई होता यहां, जो उसकी हिम्मत बढ़ाता, उसका हाथ थामता, उसका अकेलापन बांटता। मुश्किल की इस घड़ी में उसे कोई ऐसा नजर नहीं आया, जो उसका साथ देता।

गलती किसकी है? अल्पना सोचती रही-हम ही तो समय, व्यस्तता के बहाने बनाकर लोगों से दूरी बना लेते हैं। न किसी के घर जाना, न किसी को बुलाना। सोशल मीडिया में भीड़ वाली लिस्ट में लोगों से जुड़े रहना और जीवन में तन्हा रहना, यही आज की कड़वी सच्चाई है।

पद-प्रतिष्ठा के रुआब में अकड़े हुए, शहर-शहर भटकते हुए जीवन बिता देने वाले उसके पिता ने न कभी रिश्ते जोड़े, न परिवार को जुड़ने दिया। मां भी अपने पति की ऐसी आज्ञाकारी थीं कि जैसा पति ने कहा, वही पत्थर की लकीर बन गया। न मायके में संबंध बनाए रखा, न ससुराल में नाता जोड़ पाईं वह। अल्पना सबको बस या तो नाम से जानती थी या पुरानी अलबम में देखी तस्वीरों से। जब पिता जी के रिटायर होने का समय आया तो उन्हें अपना शहर याद आया। आता भी क्यों नहीं, सारा जीवन अलग-अलग शहरों में घूमने के बाद कहीं तो ठिकाना बनाना था। फिर मां भी नहीं हैं, उनके साथ। भाग-दौड़ के बीच एक दिन मां दुनिया छोड़ कर चली गई थीं। हमेशा खामोश रहने वाली मां ने न अपनी बीमारी बताई, न मन में भरा हुआ बारूद खाली कर पाई। पति के अफसर वाले व्यवहार को झेलती-सहती एक रात वह जो सोईं तो सुबह उठी ही नहीं। अल्पना भी पढ़ाई के बाद पुणे में नौकरी कर रही है। छुट्टियों में आती है तो पिता जी के ढेर काम इकट्ठा होते हैं। रिटायर होने के बाद भी उनका व्यवहार अफसर वाला ही है। पिता कम अफसर ज्यादा लगते हैं वह। तीन-चार दिन की छुट्टियों में पिता जी को केवल काम याद रहता है। ऐसा नहीं कि बैठ कर मन की बातें करें, उसके भविष्य की प्लानिंग पूछें। मां को याद कर लें। बचपन में अल्पना सोचती थी, पिता कभी और लोगों की तरह नॉर्मल क्यों नहीं रहते? उसकी सहेलियों के पिताओं की तरह क्यों उसे लाड नहीं करते?

अल्पना को आज लग रहा था, कितनी बड़ी गलती की उन्होंने। सभी इसी शहर में रहते हैं, बुआ, चाचा, उनका परिवार, लेकिन आज कोई उसके साथ नहीं है। किसे फिक्र है उसकी? किसी ने भी उससे नहीं कहा, 'तुम चिंता मत करो, हम हैं ना।'

कॉफी के मग से उठते धुएं के बीच अल्पना सोचती है कि यह पिता जी की गलती सुधारने का सही मौका है। लेकिन यह भी भय था कि सब ऐसा न समझें कि मतलब पड़ा, तो सबसे संबंध जोड़ रही है वह। बड़ी हिम्मत कर अल्पना ने परिवार के व्हाट्स एप ग्रुप में स्थिति बयान की और सबसे माफी मांगते हुए निवेदन किया कि बीती बातों को भुलाकर पिता जी और उसे मौका दें फिर से जुड़ने का। आज जब उसके ऊपर परेशानी आई है तो उसके साथ खड़े हों, उसका हाथ थाम कर उसे संभालें। अब सबकी मर्जी चाहे अवसर दें या ठुकरा दें। अल्पना को उम्मीद थी, जब सुबह का भूला शाम को घर आना चाह रहा है, कोई तो दरवाजा खोलेगा। *

विज्ञापन
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजनरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सैन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in
NBC©

डब्लूटीसी : अंक प्रणाली में बदलाव पर सहमत हो सकता है आईसीसी

एजेंसी ▶▶| लंदन

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद अगले चक्र से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक प्रणाली में बड़े बदलावों पर सहमत हो सकता है जबकि सप्ताहांत में जिम्बाब्वे में बैठकों के दौरान टेस्ट क्रिकेट को दो स्तर में विभाजित करने के विवादास्पद प्रस्ताव को स्थगित करने की संभावना है। शनिवार को एक रिपोर्ट में यह कहा गया।

खेल की वैश्विक संचालन संस्था लंबे समय से जीत के अंतर के आधार पर बोनस अंकों की एक नई प्रणाली पर विचार कर रही है जैसी रग्बी यूनियन में उपयोग की जाती है। इसमें विरोधी टीम की ताकत के आधार पर जीत के लिए अंक दिए जाते हैं और विरोधी के मैदान पर जीत के लिए अतिरिक्त अंक मिलते हैं। यह बैठकों की श्रृंखला के दौरान चर्चा का एक बड़ा मुद्दा हो सकता है।

जीत के अंतर के आधार पर बोनस अंकों की नई प्रणाली पर विचार

मौजूदा अंक प्रणाली

मौजूदा डब्ल्यूटीसी प्रणाली समान संख्या में अंक प्रदान करती है जिसमें जीत के लिए 12, टाई के लिए छह और ड्रॉ के लिए चार अंक दिए जाते हैं जिससे असंतोष पैदा हुआ है कि क्रिकेट के 'बिग थ्री' भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को 'एक दूसरे के खिलाफ अधिक मैच खेलने के कारण नुकसान होता है।'

दक्षिण अफ्रीका की उपलब्धि से नाराजगी

रिपोर्ट में कहा गया है, 'इस साल के फाइनल में पहुंचने में दक्षिण अफ्रीका की उपलब्धि ने कुछ नाराजगी पैदा की क्योंकि उन्होंने इंग्लैंड या ऑस्ट्रेलिया के साथ खेले बिना ऐसा किया। वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला जीतने, भारत के खिलाफ ड्रॉ और भारत में हार के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने पहली बार फाइनल में पहुंचने के लिए पर्याप्त अंक हासिल किए।'

ओवर गति जुर्माने पर चर्चा

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ओवर गति जुर्माने के मुद्दे पर भी चर्चा होगी। रिपोर्ट में कहा गया, 'मौजूदा सत्र में नौ में से छह टीम को धीमे खेल के लिए जुर्माने का सामना करना पड़ा है जिसमें इंग्लैंड को सबसे अधिक नुकसान हुआ। उन्होंने अपने अभियान में 22 अंक गंवाए और 41.5 के अंक प्रतिशत के साथ छठे स्थान पर रहे। हालांकि इस अवधि के दौरान उनका जीत प्रतिशत 51.5 रहा जो फाइनल में पहुंचे दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बाद तीसरा सर्वश्रेष्ठ है।'

टेस्ट दो स्तर में नहीं होगी विभाजित

रिपोर्ट में कहा गया है कि आईसीसी फिलहाल टेस्ट क्रिकेट को दो स्तर में विभाजित करने की योजना को रोक सकता है और एकल लीग डब्लूटीसी प्रारूप को जारी रख सकता है। रिपोर्ट में कहा गया, 'क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के दो स्तर के प्रस्ताव पर मतदान नहीं होगा।' इसमें कहा गया है कि आईसीसी को दो स्तरीय प्रणाली के खेल और वित्तीय प्रभावों को समझने के लिए और समय चाहिए और यह प्रस्ताव 2027-2029 डब्ल्यूटीसी चक्र से पहले एजेंडे में हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया, 'अफगानिस्तान, आयरलैंड और जिम्बाब्वे को डब्ल्यूटीसी में जोड़कर छह टीम के दो डिविजन के विस्तार करने के बजाय 2027 तक चलने वाला अगला सत्र अपने मौजूदा नौ टीम के प्रारूप को बनाए रखेगा।'

खास खबर

रोहित और राहुल पर होगी निगाह

नई दिल्ली। खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा रविवार को यहां मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाले मैच में स्पिनरों की कड़ी चुनौती से पार पाकर आईपीएल में खुद को प्रासंगिक बनाए रखने का प्रयास करेंगे। रोहित जहां रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं वहीं मुंबई की टीम को तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो दिल्ली के कुशल बल्लेबाज के एल राहुल के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं।

सॉल्ट-कोहली के सामने आज आर्चर की चुनौती

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमें रविवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग मैच में जीत की राह पर लौटने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी तो सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट और विराट कोहली के सामने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर कड़ी चुनौती पेश करेंगे।

अभी हार स्वीकार करने की जरूरत नहीं

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स

को इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार पांचवें मैच में हार का सामना करना पड़ा। लेकिन टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने अपने खिलाड़ियों का पूरा समर्थन करते हुए कहा कि अभी हार स्वीकार करने की कोई जरूरत नहीं है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	2	2	0	4
दिल्ली	2	2	0	4
बेंगलोर	3	2	1	4
गुजरात	3	2	1	4
कोलकाता	4	2	2	4
मुंबई	3	1	2	2
लखनऊ	3	1	2	2
चेन्नई	3	1	2	2
राजस्थान	3	1	2	2
हैदराबाद	4	1	3	2

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
189 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

नूर अहमद
09 विकेट
चेन्नई

आईपीएल : लगातार चार जीत के बाद हारी टाइटंस की टीम

लखनऊ के नवाबों ने रोका गुजरात का विजयी रथ, सुपर जायंट्स की चौथी जीत

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

लखनऊ सुपरजायंट्स ने शनिवार को आईपीएल-2025 में गुजरात टाइटंस को छह विकेट से मात देकर उसके विजयी रथ को रोक दिया। यह लखनऊ की लगातार तीसरी और ओवरऑल चौथी जीत है। गुजरात जायंट्स छह विकेट पर 180 रन बना सका। लखनऊ ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 186 रन बनाकर जीत दर्ज की। जायंट्स के लिए निकोलस पूरन ने 61 रन और एडेन मारक्रम ने 58 रन की पारी खेली। टाइटन्स को इस तरह चार जीत के बाद हार का मुंह देखना पड़ा।

इससे पहले कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी की। सुदर्शन (56 रन) ने सत्र का अपना चौथा अर्धशतक लगाया और गिल (60 रन) के साथ मिलकर बड़े स्कोर के लिए मंच तैयार किया। लेकिन घरेलू टीम के गेंदबाजों ने जोरदार वापसी की और तीन विकेट चटकाकर स्कोरिंग गति पर ब्रेक लगा दिया। पहले विकेट के लिए सत्र की सर्वश्रेष्ठ साझेदारी के बाद मेहमान टीम आखिरी आठ ओवरों में सिर्फ 60 रन ही बना सकी।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटन्स	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का पूरन बो बिश्नोई	56	37	7	1
गिल का मारक्रम बो आवेश	60	38	6	1
बटलर का ठाकुर बो राठी	16	14	2	0
वाशिंगटन सुंदर बो बिश्नोई	02	03	0	0
रदरफोर्ड पगबाधा बो ठाकुर	22	19	3	0
शाहरूख खान नाबाद	11	06	0	1
तेवतिया का मारक्रम बो ठाकुर	00	01	0	0
राशिद खान नाबाद	04	02	0	0

अतिरिक्त : 09, कुल : 20 ओवर में 180/6
गेंदबाजी : शार्दुल 4-0-34-2, आकाशदीप 3-0-33-0, राठी 4-0-30-1, आवेश 4-0-32-1, बिश्नोई 4-0-36-2, मारक्रम 1-0-15-0.

लखनऊ	रन	गेंद	4	6
मारक्रम का गिल बो कृष्णा	58	31	9	1
पंत का सुंदर बो कृष्णा	21	18	4	0
पूरन का शाहरूख बो राशिद	61	34	1	7
आयुष बडोनी नाबाद	28	20	2	1
डेविड मिलर बो सुंदर	07	11	0	0
अब्दुल समद नाबाद	02	03	0	0

अतिरिक्त : 09, कुल : 19.3 ओवर में 186/4
गेंदबाजी : सिराज 4-0-50-0, अरशद 2-0-11-0, कृष्णा 4-0-26-2, राशिद 4-0-35-1, सुंदर 4-0-28-1, किशोर 1.3-0-35-0.

पूरन-मार्करम का तूफान

पूरन ने आते ही तूफान ला दिया और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। दूसरी तरफ से मार्करम भी तेजी से रन बना रहे थे। मार्करम ने अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था। इसके बाद वह आठ रनों का इजाफा और कर सके फिर आउट हो गए। मार्करम ने 31 गेंदों पर नौ चौके और एक छक्के की मदद से 58 रन बनाए। कृष्णा ने उन्हें गिल के हाथों कैच कराया। उनके जाने के बाद पूरन नहीं रुके और तेज खेलते रहे। 13वें ओवर की चौथी गेंद पर पूरन ने चौका मार पूरन ने अपना अर्धशतक पूरा किया। अर्धशतक जमाने के बाद पूरन भी आउट हो गए।

खबर संक्षेप

समझ होने के कारण स्पिनर को उतारा

चेन्नई। कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे और मोईन अली के कारण एक अतिरिक्त स्पिनर को मैदान में उतारने का निर्णय लिया गया। केकेआर का यह फैसला आखिर में महत्वपूर्ण साबित हुआ तथा उसके स्पिनरों सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और मोईन अली ने टीम की आठ विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई। डिकॉक ने कहा कि मैच आगे बढ़ने के साथ विकेट बल्लेबाजी के लिए बेहतर हो गया था।

चेन्नई सुपर किंग्स के खेल में आत्मविश्वास की कमी

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग की पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के

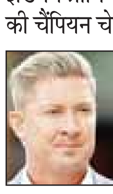

खेल में आत्मविश्वास की कमी है जो मौजूदा समय की जरूरत के मुताबिक नहीं खेल पा रही है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई की टीम को शुक्रवार को एकतरफा मैच में आठ विकेट से हराया। चेन्नई ने इस दौरान अपने घरेलू मैदान पर सबसे कम स्कोर बनाने के बाद छह मैचों में लगातार पांचवीं हार का सामना किया।

एशियाई कप 2031 की दावेदारी का समर्थन

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने 2031 एएफसी एशियाई कप की मेजबानी करने की भारत की इच्छा के लिए सरकार का पूरा समर्थन देते हुए शनिवार को कहा कि प्रमुख प्रतियोगिताओं की मेजबानी से देश का वैश्विक कद बढ़ेगा जिसका लक्ष्य 2036 ओलंपिक का आयोजन करना है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने 31 मार्च की समय सीमा से पहले महाद्वीप के सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट के 2031 सत्र की मेजबानी के लिए इच्छा पत्र सौंपा है जिसकी घोषणा शुक्रवार को की गई।

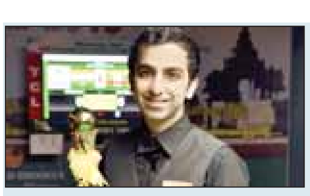

आडवाणी ने डब्लूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में जीता रजत

नई दिल्ली। भारत के सबसे दिग्गज क्यू खिलाड़ियों में शामिल पंकज आडवाणी को डब्लूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैंपियनशिप के फाइनल में डेविड कॉजियर के खिलाफ मामूली अंतर से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पंद्रह चरण के मुकाबलों के फाइनल में दोनों खिलाड़ियों ने पूरा दमखम दिखाया। आडवाणी ने 2-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी ने आयरलैंड के कार्लो में खेले गए फाइनल मुकाबले में शानदार वापसी की।

फुटबॉल के विकास में अधिक टूर्नामेंटों के प्रभाव की प्रशंसा

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने शनिवार को एशियाई फुटबॉल परिसंघ कांग्रेस को दिए एक वीडियो संदेश में दुनिया भर में फुटबॉल के विकास में विस्तारित टूर्नामेंटों के प्रभाव की प्रशंसा की। इन्फेंटिनो इस वर्ष के क्लब विश्व कप के मेजबान अमेरिका से मलेशिया के कुआलालंपुर में एकत्रित एएफसी के 46 सदस्य संघों को संबोधित किया। इस क्लब विश्व कप का आयोजन जून और जुलाई में होगा जिसमें 32 टीमें भाग लेंगी।

फीफा प्रमुख ने कहा, 'अलग-अलग महाद्वीपों की टीमों के खिलाफ खेलने का मौका ज्यादा नहीं मिलता है। हम लंबे समय से इस तरह का बदलाव करना चाहते थे।' क्लब विश्व कप में एशिया प्रतिनिधित्व चार टीम करेंगी। इसमें संयुक्त अरब अमीरात की अल-ऐन, सऊदी अरब की अल-हिलाल, दक्षिण कोरिया की उल्सान एचडी और जापान की उरावा रेड्स शामिल है। इन्फेंटिनो ने कहा, '1930 के बाद से अब तक हुए सभी फीफा विश्व कप में जितने खिलाड़ी शामिल हुए हैं, उससे कहीं ज़्यादा खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे।'

अल्कराज की संघर्षपूर्ण जीत गत चैंपियन सिटसिपास बाहर

एजेंसी ▶▶| मोनाको

कार्लोस अल्कराज ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन गत चैंपियन स्टेफानोस सिटसिपास हारकर बाहर हो गए। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अल्कराज को क्वार्टर फाइनल में आर्थर फिल्स की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। पहला सेट गंवाने के बाद वह दूसरे और तीसरे सेट में भी पीछे चल रहे थे लेकिन आखिर में ढाई घंटे तक चले मैच में 4-6, 7-5, 6-3 से जीत हासिल करने में सफल रहे। अल्कराज पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जहां उनका मुकाबला स्पेन के हमवतन खिलाड़ी और 2022 के उपविजेता एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना से होगा। डेविडोविच फोकिना ने एलेक्सी पोपिरिन को 6-3, 6-2 से हराया।

सिटसिपास का इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन रहा है लेकिन लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ अच्छी शुरुआत के बाद उनकी लय एकदम से गड़बड़ा गई। सिटसिपास 2021, 2022 और 2024 में मोंटे कार्लो चैंपियन रहे हैं और उनका मुसेटी के खिलाफ 5-0 का शानदार रिकॉर्ड था।

संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सतपुड़ा भवन, भोपाल मध्यप्रदेश

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 1/2025-26/1303 — भोपाल, दिनांक 09/04/2025

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें, म.प्र. की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने के लिये निविदा पोर्टल आनलाईन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से www.mptenders.gov.in (Department:- Directorate of Health Services) द्वारा निम्नानुसार निविदा प्रपत्र "अ" फार्म में परसेंटेज बेसिस पर सं. क. 1 पर अंकित टेण्डर तीन लिफाफा पद्धति एवं सं. क. 2 से 6 पर अंकित टेण्डर दो लिफाफा पद्धति से प्रोजेक्ट डायरेक्टर पी.आई. यू. लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युतीकरण हेतु एस.ओ. आर. 01.01.2024 (निविदा जारी होने तक किये गये समस्त संशोधनों सहित) पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है-

ई - निविदा आमंत्रण सूचना 1 / 2024-25

स. क.	टेन्डर आईडी	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि रुपए लाख में	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2025 DHS_407202_1	सिविल अस्पताल झोतेश्वर, जिला नरसिंहपुर के मरम्मत/ रिनोवेशन कार्य ।	248.42	12 माह वर्षा ऋतु सहित
2	2025 DHS_407203_1	जिला धार विकासखण्ड सरदारपुर अंतर्गत उप स्वास्थ्य केन्द्र जोलाना, गुमानपुरा, बडवेली, भानगढ़ एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र राजोद एवं पोषण पुनर्वास केन्द्र सरदारपुर रिपेयरिंगएवं रेनोवेशन कार्य।	27.94	4 माह वर्षा ऋतु सहित
3	2025 DHS_407361_1	जिला धार विकासखण्ड उमरबन अंतर्गत उप स्वास्थ्य केन्द्र दावड़ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कालीबावडी, विकासखण्ड नालछा अंतर्गत उप स्वास्थ्य केन्द्र जुनापानी, मेवास जामनिया, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दिग्थान एवं विकासखण्ड बदनावर अंतर्गत उप स्वास्थ्य केन्द्र मोराड में रिपेयरिंग एवं रेनोवेशन कार्य।	23.45	4 माह वर्षा ऋतु सहित
4	2025 DHS_407362_1	जिला धार विकासखण्ड़ बदनावर अंतर्गत उप स्वास्थ्य केन्द्र मेवास नागदा एवं पोषण पुनर्वास केन्द्र बदनावर , विकासखण्ड नालछा अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुलथान में रिपेयरिंग एवं रेनोवेशन कार्य तथा ए.एन.एम ट्रेनिग सेंटर विकासखण्ड धार में शौचालय एवं अन्य मरम्मत कार्य।	29.00	4 माह वर्षा ऋतु सहित
5	2025 DHS_407363_1	जिला धार विकासखण्ड उमरबन अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बलेडी एवं जीराबाद तथा पोषण पुनर्वास केन्द्र कुक्षी, गंधवानी, डही में रिपेयरिंग एवं रेनोवेशन कार्य।	25.42	4 माह वर्षा ऋतु सहित
6	2025 DHS_415753_1	जिला चिकित्सालय दतिया के ब्लड बैंक एवं जिला चिकित्सालय के भवन के मरम्मत कार्य।	36.54	4 माह वर्षा ऋतु सहित
		योग	390.77	

उपरोक्त निविदा वेवसाईट www.mptenders.gov.in पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 01.05.2025 सायं 05 :30 बजे निर्धारित है। धरोहर राशि संचालक स्वास्थ्य सेवायें, मध्यप्रदेश के पक्ष में देय हो मूलत: एवं अन्य अभिलेख कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग सतपुड़ा भवन द्वितीय तल भोपाल में दिनांक 01.05.2025 सायं 05 :30 बजे तक प्राप्त किये जावेंगे। तकनीकी एवं वित्तीय आफर निर्धारित तिथि के अनुसार कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, भोपाल के कार्यालय में खोली जायेंगी । विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। इस निविदा से संबंधित कोई भी संशोधन आवश्यक होने पर वेवसाईट www.mptenders.gov.in पर अपलोड किये जायेंगे ।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा भोपाल, (म.प्र.)

G-11435/25 "स्वच्छता ही सेवा"

कार्यालय नगरपालिका परिषद, गाडरवारा जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)

(Near Water Tank, Gadarwara, E-Mail- cmogadarwada@mpurban.gov.in

पत्र क्रं 45/ई-टेण्डर/2025-26 — गाडरवारा दिनांक-11/04/2025

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीकृत प्रणाली से पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है ।

सं. क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एव ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
01.	2025_UAD_41493_1 12.04.2025	जगदीश वार्ड में सुनील से राकेश कुर्मी, यशोदा से कालेज रोड तक विकास से ज्योति, मूलचंद से प्रशांत, जाटव जी से मुकेश खेर, विकास से प्रकाश तक रोड निर्माण कार्य ।	05 माह 2994035.00	5000.00 22460.00	19.05.2025
02.	2025_UAD_414944_1 12.04.2025	जगदीश वार्ड में जाटव जी से मुकेश खेर तक, शंकर मंदिर से नर्मदा वंशकार तक, लल्लू के घर से महाराज तक, भगवती राजपूत से राकेश राजपूत तक नाली निर्माण एवं सेटू वंशकार से राजा खान तक दोनो तरफ नाली निर्माण कार्य ।	05 माह 2220672.00	5000.00 16660.00	19.05.2025
03.	2025_UAD_414945_1 12.04.2025	विवेकानंद वार्ड में पंचमुखी हनुमान मंदिर से रमेश कहार तक, सुनील ठाकुर से अरविंद केवट तक नाली निर्माण एवं सौरभ ठाकुर से केवट गोलंदाज तक नाली एवं रोड निर्माण कार्य ।	05 माह 2134391.00	5000.00 16010.00	19.05.2025
04.	2025_UAD_414946_1 12.04.2025	माता वार्ड में बड़ेवीर नेता के मकान से नदी घाट तक, छत्तर से खिम्मा जाटव तक, जम्मन पंडा से किशन जाटव तक, धनराज से गेंदालाल तक, जगदीश पंडा से कल्लू वंशकार तक नाली निर्माण एवं कवरिंग कार्य ।	05 माह 1995226.00	2000.00 14970.00	19.05.2025
05.	2025_UAD_414947_1 12.04.2025	भामा वार्ड पलोड़ कॉलोनी में नाली एवं रोड निर्माण कार्य ।	05 माह 1759767.00	2000.00 13200.00	19.05.2025
06.	2025_UAD_414948_1 12.04.2025	निरंजन वार्ड में प्रहलाद कुशवाहा से वर्मा के घर तक एवं कान्हा कुंज से अवस्थी किराना तक नाली निर्माण कार्य ।	04 माह 1326972.00	2000.00 9960.00	19.05.2025
07.	2025_UAD_414949_1 12.04.2025	भगतसिंह वार्ड में संतोष कहार से लख्मीचंद्र जैन तक रोड एवं नाली निर्माण कार्य ।	04 माह 1208843.00	2000.00 9070.00	19.05.2025
08.	2025_UAD_414950_1 12.04.2025	विवेकानंद वार्ड में अशोक कहार के घर से मधु किराना तक नाली निर्माण कार्य ।	04 माह 1205013.00	2000.00 9040.00	19.05.2025

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से सामाचार पत्र में प्राकशन नहीं किया जायेगा।

श्री पं. शिवाकांत मिश्रा, अधयक्ष, नगर पालिका परिषद, गाडरवारा
श्री सुरेन्द्र गूजर, सभापति, लोक निर्माण शाखा, गाडरवारा
श्री वैभव देशमुख, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद, गाडरवारा

पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या ईपीएस/67/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए website https://ireps.gov.in" पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

S.No	Tender No.	Short Description	Tendered Qty.
1.	40255002	दर अनुबंध अनइंसुलेटेड कैडमियम कॉपर कैटेनरी तार 65 वर्ग मिमी	500MT
2.	40255001	दर अनुबंध संयुक्त कम नालीदार हार्ड खींचा तांबे संपर्क तार 107 वर्ग मिमी	1200MT

50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मो को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।
उपरोक्त निविदाओं की Due Date क्रम संख्या-1 से 2 की Due Date-24.04.2025 है।

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे/जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर पालिक निगम, भिलाई (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्रमांक / लो.क.वि./जोन-1/2025/25/20 — भिलाई दिनाँक 07/04/25

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत संक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु आनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	सिस्टम टेंडर क्र.	अनुमानित लागत लाख में	निविदा डाउनलोड की अंतिम तिथि	निविदा पहुंचने की तिथि
01	नगर पालिक निगम, भिलाई क्षेत्रांतर्गत प्रियदर्शनी परिसर पश्चिम में स्केटिंग ट्रैक निर्माण कार्य।	166740	194.885	28.04.2025	30.04.2025
02	वार्ड-03 मॉडल टाउन जगदम्बा टेंट हाउस से रॉबिन किराना एवं गायत्री डिपार्टमेंट के पास डामरीकरण कार्य।	166741	47.93	28.04.2025	30.04.2025
03	वार्ड-03 मॉडल टाउन में आंगनबाड़ी से सीएचपीएल अपार्टमेंट के पीछे तक नाले में रिटेनिंग वाल्व तथा सडक निर्माण कार्य।	166744	49.79	28.04.2025	30.04.2025
04	वार्ड-06 संजय नगर के नाले में रिटेनिंग वाल्व तथा सडक निर्माण कार्य।	166768	47.55	28.04.2025	30.04.2025

(नोट :- ई टेण्डर में ऑफलाईन शपथ पत्र एवं EMD प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा अन्यथा निविदा अमान्य किया जावेगा/दर को नहीं खोला जावेगा।)
उपरोक्त निविदा निर्माण कार्यो सामान्य शर्ते, एवं अन्य दस्तावेज ऑनलाईन जमा करें साथ ही धरोहर राशि स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक से स्वीकार किये जावेंगें। साथ ही यह जानकारी संचालनालय की वेबसाईट eproc.cgstate.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

जोन आयुक्त

मिशनरी जमीनों में घोटाले का है मास्टर माइंड

पूर्व बिशप पीसी सिंह पर लटक रही ईडी की तलवार

मिशनरी जमीनों से जुड़े करोड़ों के फर्जीवाड़े में शामिल 'द बोर्ड ऑफ एजुकेशन चर्च ऑफ नार्थ इंडिया डायोसिस' जबलपुर के पूर्व बिशप प्रेम चंद सिंह (पीसी सिंह) और तत्कालीन असिस्टेंट रजिस्ट्रार फर्म्स एंड संस्था बीएस सोलंकी पर अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच की तलवार लटक रही है।

हरिभूमि जबलपुर।

पीसी सिंह पर आरोप है कि उन्होंने कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से मूल सोसायटी के नाम में परिवर्तन कर खुद को उसका चेयरमैन घोषित किया और इस पद का दुरुपयोग कर शैक्षणिक संस्थाओं से प्राप्त फीस की रकम को निजी उपयोग एवं धार्मिक संस्थाओं के संचालन में लगाया। यह गबन वर्ष 2004-05 से लेकर वर्ष 2011-12 तक चला, जिसमें प्रारंभिक जांच में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) को करीब 2 करोड़ 70 लाख रुपए धार्मिक संस्थाओं को ट्रांसफर करने के प्रमाण मिले हैं।

छापे में मिली संपत्ति और दस्तावेज

मामले की शुरुआत में ही ईओडब्ल्यू की टीम ने पीसी सिंह के नेपियर टाउन स्थित निवास और कार्यालय पर छापेमारी की थी। छापे के दौरान 81 लाख रुपए के आभूषण, 1 करोड़ 65 लाख रुपए नगद, 18,552 अमेरिकी डॉलर, 118 पाउंड और 17 शैक्षणिक संस्थाओं से संबंधित दस्तावेज बरामद किए गए। इसके अलावा, उनके पास से कुल 6 लग्जरी गाड़ियाँ और एक मोटरसाइकिल भी बरामद हुईं, जिनमें शामिल हैं: लैंड रोवर डिस्कवरी (एमपी 20 सीएच 5891), टोयोटा इनोवा (एमपी 20 सीडी 7003), महिंद्रा टीयूवी 300 (एमपी 20 सीएच 5724), फोर्स ट्रैवलर (एमपी 20 बीए 5074), हुंडई सैंट्रो (एमपी 20 सीए 8076), होंडा सिटी (एमपी 20 सीएल 0892), रॉयल एनफील्ड बाइक (एमपी 20 एमयू 3990) शामिल है। गौरतलब है कि पीसी सिंह सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने धारा 406 (गबन), 420 (धोखाधड़ी), 468 (कूटरचना), 47 और 120 बी (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत प्रकरण दर्ज किया है और जांच जारी है।

ईडी को सौंपे गए दस्तावेज

ईओडब्ल्यू द्वारा बिशप पीसी सिंह की चल-अचल संपत्ति, बैंक खातों और दस्तावेजों की जानकारी एकत्र कर भोपाल स्थित ईडी कार्यालय को सौंप दी गई है। इन दस्तावेजों के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू कर दी है। यह मामला चर्च और शैक्षणिक संस्थाओं के नाम पर किए गए सुनियोजित आर्थिक अपराध का एक बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है, जिसमें पद का दुरुपयोग कर सार्वजनिक धन को निजी संपत्ति में बदलने की साजिश रची गई।

कृषि विवि के खेतों में फसल में लगी आग

आग बुझाते ट्रेक्टर ट्राली पलटी, कई घायल, 1 कर्मी गंभीर

हरिभूमि जबलपुर।

अधारताल महाराजपुर स्थित जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (कृषि विवि) के गेट नंबर 4 के समीप खेतों में शोध के लिए लगाई गई फसलों में शनिवार की दोपहर 1 बजे के करीब आग लगने से हड़कंप मच गया। दरअसल बताया जा रहा है कि यहां घास फूंस और कचरे में आग लगाने के दौरान हवा चलने पर आग ने काफी बड़े भू भाग को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे बड़ी मात्रा में फसल जलकर नष्ट हो गई। आनन फानन में पानी लेकर ट्रेक्टर ट्राली मौके पर पहुंची और आपाधापी के बीच ट्राली पलट गई, इस हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रुप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलने पर दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और आग को बुझाया।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कृषि विवि के गेट नंबर 4 के पास शोध (रिसर्च) के लिए लगाई गई फसलों में शनिवार की दोपहर उस वक्त आग लग गई, जब कुछ लोगों ने यहां सूखे कचरे और घास में आग लगा दी। इस दौरान तेज हवाओं के चलने के कारण आग तेजी से फैल गई और खेत का एक बड़ा हिस्सा आग की चपेट में आ गया। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। कॉलेज के कर्मचारी और मजदूर तत्काल आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। इस दौरान पानी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली खेत की ओर भेजी गई, लेकिन ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में ट्रॉली में बैठे कुछ मजदूर घायल हो गए,

जिनमें से एक गंभीर रुप से घायल हो गया, उसे तत्काल एंबुलेंस की मदद से नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना के बाद सूचना मिलने पर नगर निगम दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। नगर निगम दमकल सूत्रों ने बताया कि घटना का कारण नरवाई में आग लगाई बतायी जा रही है। दोपहर 1.30 बजे दमकल का वाहन मौके पर पहुंच गये थे और 2 घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर 3.30 बजे आग पर काबू पा लिया गया था। बड़े नुकसान को बचा लिया गया, लेकिन फिर भी कुछ फसल जलकर राख हो गई।

हाईकोर्ट ने औद्योगिक न्यायाधिकरण के आदेश को किया निरस्त

पंजीकृत डाक से नहीं भेजा गया था नोटिस, तो नहीं कर सकते सेवा से पृथक

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने कहा है कि द्विपक्षीय समझौते के तहत नोटिस सामान्य खंड अधिनियम 1897 की धारा 27 के अनुसार विधिवत तरीके से जारी किया जाना चाहिये। प्रबंधन यह साबित करने में विफल रहा कि उन्होंने पंजीकृत डाक द्वारा नोटिस भेजा था। जस्टिस विवेक अग्रवाल की सिंगल बेंच ने इस मत के साथ औद्योगिक न्यायाधिकरण व श्रम न्यायालय के आदेश को निरस्त कर दिया।

बैंक कर्मचारियों के संगठन आईएनटीयूसी की तरफ से उक्त याचिका दायर की गयी थी। याचिका में कहा गया था कि द्विपक्षीय समझौते के तहत कर्मचारियों को सेवा से पृथक किये जाने के संबंध में नियम निर्धारित है। नियमानुसार 90 दिनों तक बिना सूचना दिये अनुपस्थित रहने पर प्रबंधन नोटिस जारी करेंगा। नोटिस में कर्मचारी को नौकरी में लौटने के लिए 30 दिनों का समय प्रदान

करते हुए स्पष्टीकरण मांगा जायेगा। नियम के तहत कर्मचारी को निर्धारित समय के भीतर अपने कर्तव्यों को फिर से शुरू करने या प्रबंधन की संतुष्टि के लिए अपनी स्थिति को स्पष्ट करने का अवसर दिया जाता है। याचिका में कहा गया था कि एसबीआई उमरिया ब्रांच की तरफ से विधिवत नोटिस नहीं दिया गया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि दस्तावेज की अनुसार वरिष्ठ क्लर्क के द्वारा नोटिस भेजा गया था। प्रबंधन यह साबित करने में विफल रहा कि उन्होंने पंजीकृत डाक द्वारा नोटिस भेजा था। एकलपीठ ने केन्द्र सरकार औद्योगिक न्यायाधिकरण-सह-श्रम न्यायालय जबलपुर के द्वारा दिए आदेश को निरस्त को निरस्त कर दिया। एकलपीठ ने पंद्रह दिन के भीतर कर्मचारी चंद्रशेखर को कार्यभार सौंपने के आदेश जारी किये है।कोर्ट ने कहा है कि कर्मचारी सेवानिवृत्त होने की आयु से कम है तो उसे समस्त परिणामी लाभ प्रदान करे। सेवानिवृत्ति की आयु पार कर चुका है तो उसे सेवा में मानते हुए उसके समस्त लाभ प्रदान किये जाये। एकलपीठ ने याचिका की लागत के रूप में 25 हजार रुपये याचिकाकर्ता को प्रदान करने के आदेश दिए। निर्देश दिए कि उक्त राशि सरकारी खजाने से नहीं बल्कि दोषी अधिकारी से वसूली जाये। दोषी अधिकारी बैंक के कर्मचारी नहीं है, तो बैंक के कल्याण कोष से राशि जमा की जाये।

टास्क कराने के नाम पर 7 लाख की ठगी

जबलपुर। मदन महल थाना पुलिस के सामने सोशल मीडिया साइट पर टास्क कराने के नाम पर 7 लाख 5 हजार रूपये की राशि लेकर हड़पने का मामला सामने आया हैं। मामले में पुलिस ने आरोपी साइबर ठग के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया हैं। पुलिस के अनुसार इस मामले में अंजनी विहार, गढ़ा निवासी 35 वर्षीय सुरभि ठाकुर ने लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में सुरभि ने बताया कि उनके वाट्स एप्प नंबर पर 18 फरवरी 2025 को संदेश आया जिसमें उसे होटल रेटिंग का टास्क दिया गया। जिसके बदले यह काम करने के लिये पेमेंट देने की बात करते हुए उसे एक टेलीग्राम ग्रुप गूगल टास्क फोर्स 166 में जोड़ा गया। इस ग्रुप में टास्क आते थे जिसे उसे करना पड़ता था। कुछ टास्क पेड होते थे उसने एक टास्क पेड वाला किया जिसकी राशि 2

बिना अधिकार जारी किया गया नरसिंहपुर एडिशनल कलेक्टर का आदेश निरस्त

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने नरसिंहपुर के एडीशनल कलेक्टर के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसके तहत एक कॉलोनाइजर पर एफआईआर के निर्देश दिए गए थे। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की खंडपीठ ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव, कलेक्टर नरसिंहपुर व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। नरसिंहपुर निवासी सूर्यांश आचार्य की ओर से अधिवक्ता सुशील मिश्रा व कंचन मिश्रा पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि मप्र नगर पालिक विकास नियम 2021 के तहत अवैध कॉलोनी निर्माण के संबंध में कार्रवाई के लिए विहित प्राधिकारी कलेक्टर हैं। एडीशनल कलेक्टर को यह अधिकार नहीं है। दरअसल, याचिकाकर्ता पर अवैध कॉलोनी बनाने का आरोप है। दलील दी गई कि याचिकाकर्ता के पास कॉलोनाइजर का सर्टिफिकेट है। रेरा में भी आवेदन दिया है। इस संबंध में एसडीएम की रिपोर्ट पर एडीशनल कलेक्टर ने आदेश जारी कर कहा कि उक्त जमीन में अस्तांतरणीय लिखा जाए और याचिकाकर्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने कहा था। शिकायत जांच पर अज्ञात के विरूद्ध 318(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240